website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

R.N.I. No. RAJHIN/2012/48736

दैनिक

रॉयल पत्रिका

वर्ष : 14 | अंक : 03 | पेज: 8 | जयपुर, रविवार 14 दिसम्बर 2025 | मूल्य: 1.50 रुपये

संसद हमले की 24वीं बरसी:

शहीदों को याद कर भावुक हुआ देश, पीएम मोदी सहित सांसदों ने दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित कई सांसदों ने शनिवार को संसद परिसर में वर्ष 2001 के आतंकी हमले में शहीद हुए सुरक्षाकर्मियों को श्रद्धांजलि अर्पित की।

सुरक्षाबलों ने मुस्तैदी दिखाते हुए सभी पांचों आतंकवादियों को मार गिराया था

13 दिसंबर 2001 को जैश-ए-मोहम्मद के पांच आतंकवादियों ने संसद परिसर पर हमला किया था। इस हमले में दिल्ली पुलिस के छह जवान, संसद सुरक्षा सेवा के दो कर्मी और एक माली की जान चली गई थी। सुरक्षाबलों ने मुस्तैदी दिखाते हुए सभी पांचों आतंकवादियों को मार गिराया था। भारत शनिवार को इस भीषण आतंकी हमले की 24वीं बरसी मना रहा है।

श्रद्धांजलि समारोह में कई वरिष्ठ नेता रहे मौजूद

उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन भी श्रद्धांजलि देने के लिए संसद परिसर पहुंचे। श्रद्धांजलि समारोह में कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहे, जिनमें केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू, पीयूष गोयल, जितेंद्र सिंह और अर्जुन राम मेघवाल शामिल थे। इसके अलावा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी, कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी सहित अन्य सांसद भी उपस्थित रहे।

आतंकवादी फर्जी स्टिकर लगी एक कार में संसद परिसर में घुस आए थे

13 दिसंबर 2001 को आतंकवादी गृह मंत्रालय और संसद के फर्जी स्टिकर लगी एक कार में संसद परिसर में घुस आए थे। हालांकि घटना से करीब 40 मिनट पहले ही लोकसभा और राज्यसभा की कार्यवाही स्थगित कर दी गई थी, लेकिन उस समय के गृह मंत्री एल.के. आडवाणी और तत्कालीन रक्षा राज्य मंत्री हरिन पाठक सहित कई सांसद और वरिष्ठ अधिकारी उन 100 से अधिक लोगों में शामिल थे, जिनके संसद भवन के अंदर मौजूद होने की आशंका थी। आतंकवादी नकली पहचान स्टिकरों की मदद से सुरक्षा घेरा तोड़ने में सफल हो गए थे। वे एके-47 राइफल, ग्रेनेड लॉन्चर, पिस्तौल और हैंड ग्रेनेड से लैस थे।

आतंकी हमले में हुई थी नौ लोगों की मौत

सेंट्रल रिजर्व पुलिस फोर्स (सीआरपीएफ) की कांस्टेबल कमलेश कुमारी आतंकवादियों को देखने वाली पहली सुरक्षाकर्मी थीं। उन्होंने तुरंत अलार्म बजाया, लेकिन आतंकवादियों ने उन्हें गोली मार दी, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। मुठभेड़ के दौरान एक आतंकवादी की सुसाइड जैकेट उसके मारे जाने के बाद फट गई, जबकि शेष चार आतंकवादियों को भी सुरक्षाबलों ने ढेर कर दिया। परिसर में मौजूद सभी मंत्री और सांसद सुरक्षित बच गए। इस आतंकी हमले में कुल नौ लोगों की मौत हुई थी, जबकि कम से कम 17 अन्य घायल हुए थे।

बिहार कैबिनेट में नए विभागों का बंटवारा, सीएम नीतीश कुमार के पास रहेगा सिविल विमानन विभाग

बिहार। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में मंगलवार 9 दिसंबर को हुई कैबिनेट बैठक में कई अहम फैसले लिए गए। इस बैठक में राज्य सरकार ने विभागों की संख्या 45 से बढ़ाकर 48 कर दी। इसमें तीन नए विभागों का सृजन किया गया, जबकि दो विभागों का विस्तार किया गया। राज्यपाल की स्वीकृति के बाद नए विभागों के सुचारू संचालन के लिए अधिकारियों का तबादला किया गया और अब इन विभागों के लिए मंत्रियों का भी चयन कर लिया गया है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के निर्देश पर सभी विभागों का मंत्रियों के बीच बंटवारा किया गया है। इसमें नवगठित सिविल विमानन विभाग को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अपने पास ही रखा है। मुख्यमंत्री के पास पहले से मुख्यमंत्री पद के अलावा सामान्य प्रशासन, मंत्रिमंडल सचिवालय, निगरानी और निर्वाचन विभाग थे। अब सिविल विमानन विभाग भी उनके पास रहने से कुल पांच विभाग मुख्यमंत्री के पास होंगे। वहीं शिक्षा मंत्री सुनील कुमार को नए बनाए गए उच्च शिक्षा विभाग की जिम्मेदारी सौंपी गई है। उनके पास पहले से शिक्षा विभाग और विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं तकनीकी शिक्षा विभाग था, जिससे अब उनके पास कुल तीन विभाग हो गए हैं। श्रम संसाधन एवं प्रवासी श्रमिक कल्याण विभाग की जिम्मेदारी पहले से संजय सिंह टाइगर के पास थी। अब इस विभाग का विभाजन कर युवाओं के लिए एक नया विभाग बनाया गया है, जिसका नाम युवा रोजगार एवं कौशल विकास विभाग रखा गया है। इस नए विभाग की जिम्मेदारी भी संजय सिंह टाइगर को ही दी गई है। इस तरह अब उनके पास श्रम संसाधन एवं प्रवासी श्रमिक कल्याण विभाग के साथ-साथ युवा रोजगार एवं कौशल विकास विभाग भी रहेगा। इसके अलावा कला एवं संस्कृति विभाग का विस्तार किया गया है, जिसकी जिम्मेदारी अरुण शंकर प्रसाद को दी गई है। इससे पहले वे पर्यटन विभाग का प्रभार संभाल रहे थे। वहीं सुरेंद्र मेहता को मत्स्य एवं पशु संसाधन विभाग के साथ-साथ नए बनाए गए डेयरी विभाग का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। डेयरी विभाग को भी अलग से विस्तार देकर स्वतंत्र रूप दिया गया है।

महाराष्ट्र के बीड में भीषण सड़क हादसा:

डीजल टैंकर से टकराई कार, हाईवे पर छाया धुएं का गुबार

महाराष्ट्र। महाराष्ट्र के बीड जिले में एक बड़ा सड़क हादसा सामने आया है। बीड तालुका के पाली गांव के पास सोलापुर–धुले राष्ट्रीय राजमार्ग पर उस वक्त हड़कंप मच गया, जब एक गाड़ी की जोरदार टक्कर डीजल टैंकर से हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि कुछ ही पलों में दोनों वाहनों में आग लग गई और पूरा हाईवे आग के गोले में तब्दील हो गया।

टक्कर के बाद भड़की भीषण आग

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, टक्कर होते ही आग ने भयानक रूप ले लिया। कुछ ही मिनटों में लपटें इतनी तेज हो गईं कि दोनों वाहन पूरी तरह जलते नजर आए। डीजल और अन्य पेट्रोलियम पदार्थ होने के कारण आग तेजी से फैल गई, जिससे आसपास के इलाके में अफरा-तफरी और दहशत का माहौल बन गया। हाईवे पर चल रहे अन्य वाहन अचानक रुक गए और लोग जान बचाने के लिए दूर भागते दिखे। मिली जानकारी के मुताबिक, दुर्घटनाग्रस्त टैंकर सोलापुर–धुले हाईवे से डीजल लेकर जा रहा था। इसी वजह से टक्कर के बाद आग और भी भयावह हो गई। आग की लपटें दूर-दूर तक दिखाई दे रही थीं और काले धुएं का घना गुबार आसमान में फैल गया।

दमकल और पुलिस ने संभाला मोर्चा

घटना की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग बुझाने का काम शुरू किया गया। वहीं पुलिस भी तुरंत घटनास्थल पर पहुंची और पूरे इलाके की घेराबंदी कर सुरक्षा व्यवस्था संभाली। एहतियात के तौर पर राष्ट्रीय राजमार्ग पर यातायात को कुछ समय के लिए पूरी तरह रोक दिया गया, ताकि किसी और बड़े हादसे से बचा जा सके। दमकल कर्मी लगातार आग पर काबू पाने की कोशिश में जुटे हुए हैं। डीजल की मौजूदगी के कारण आग बुझाने में काफी मशक्कत करनी पड़ रही है। अधिकारियों का कहना है कि हालात पर नजर रखी जा रही है और आग पूरी तरह शांत होने के बाद ही यातायात को चरणबद्ध तरीके से बहाल किया जाएगा। फिलहाल हादसे के कारणों की जांच की जा रही है। प्रारंभिक जांच में तेज रफ्तार और लापरवाही को दुर्घटना की मुख्य वजह माना जा रहा है। पुलिस यह भी जांच कर रही है कि डीजल टैंकर में सुरक्षा मानकों का पालन किया गया था या नहीं।

संसद शीतकालीन सत्र:

'नाम बदलने में बहुत पैसा खर्च होता है, इसके अलावा क्या किया?', मनरेगा पर गरमाई राजनीति, कांग्रेस ने BJP पर साधा निशाना

नई दिल्ली। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (MNREGA) को लेकर सियासी हलचल तेज हो गई है। केंद्र सरकार द्वारा मनरेगा का नाम बदलकर 'पूज्य बापू ग्रामीण रोजगार योजना' किए जाने की खबरों पर कांग्रेस ने कड़ा ऐतराज जताया है। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने शनिवार (13 दिसंबर) को मीडिया से बातचीत में कहा कि इस तरह के फैसलों का आखिर फायदा क्या है? नाम बदलने की प्रक्रिया लंबी होती है और इसमें सरकारी खजाने से काफी पैसा खर्च होता है। वहीं कांग्रेस सांसद प्रमोद तिवारी ने सवाल उठाया कि क्या भारतीय जनता पार्टी ने नाम बदलने के अलावा कभी कोई ठोस काम किया है?

प्रियंका गांधी का हमला

मनरेगा का नाम बदलकर 'पूज्य बापू ग्रामीण रोजगार योजना' रखने को लेकर कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा कि उन्हें इसके पीछे की मंशा समझ में नहीं आ रही है। उन्होंने कहा कि यह महात्मा गांधी का नाम है और जब किसी योजना का नाम बदला जाता है तो सरकार के संसाधन दोबारा खर्च होते हैं। यह एक लंबी प्रक्रिया होती है, जिसमें काफी धनराशि लगती है। ऐसे में बिना किसी ठोस कारण के नाम बदलने का क्या मतलब है, यह समझ से परे है।

प्रमोद तिवारी ने उठाए सवाल

उन रिपोर्ट्स पर प्रतिक्रिया देते हुए, जिनमें कहा गया है कि केंद्र सरकार MGNREGA का नाम बदलकर 'पूज्य बापू ग्रामीण रोजगार योजना' कर सकती है, कांग्रेस सांसद प्रमोद तिवारी ने तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि क्या BJP ने नाम बदलने के अलावा कभी कुछ और किया है? उन्होंने कहा कि यह योजना UPA सरकार द्वारा शुरू की गई थी और दुनिया में महात्मा गांधी सिर्फ एक ही हैं। उन्होंने सवाल किया कि BJP को महात्मा गांधी से इतनी नफरत क्यों है और गोडसे से इतना लगाव क्यों? उन्होंने कहा कि अब योजना का नाम बदलकर 'बापू' कर दिया गया है, जबकि कई संत भी खुद को बापू कहते हैं।

गुजरात के सीएम ने 13 लाख छात्रों को डीबीटी के जरिए 370 करोड़ रुपए की दीं छात्रवृत्तियां

नई दिल्ली । गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने शुक्रवार को राज्य की प्रमुख शिक्षा योजनाओं- नमो लक्ष्मी, नमो सरस्वती विज्ञान साधना, मुख्यमंत्री ज्ञान साधना मेरिट स्कॉलरशिप और मुख्यमंत्री ज्ञान सेतु मेरिट स्कॉलरशिप के तहत आयोजित छात्रवृत्ति वितरण कार्यक्रम की अध्यक्षता की।

राज्यभर के 13 लाख से अधिक छात्रों को 370 करोड़ रुपए से अधिक की छात्रवृत्तियां

इस अवसर पर राज्यभर के 13 लाख से अधिक छात्रों को 370 करोड़ रुपए से अधिक की छात्रवृत्तियां डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) के माध्यम से सीधे उनके बैंक खातों में भेजी गईं। गांधीनगर में आयोजित इस कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री हर्ष सांघवी, शिक्षा मंत्री डॉ. प्रद्मनसिंह वाजा, राज्य मंत्री रिवाबा जाडेजा सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' अभियान ने देशभर में बालिकाओं की शिक्षा को दी नई दिशा और गति

मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने अपने संबोधन में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' अभियान ने देशभर में बालिकाओं की शिक्षा को नई दिशा और गति दी है। उन्होंने स्मरण किया कि प्रधानमंत्री मोदी के गुजरात के मुख्यमंत्री रहते हुए शुरू किए गए स्कूल प्रवेशोत्सव और कन्या केलवणी महोत्सव जैसे अभियानों ने राज्य की शिक्षा व्यवस्था में व्यापक बदलाव लाया और परिवारों में बेटियों की शिक्षा को लेकर जागरूकता बढ़ाई।

केजी से पीजी तक निरंतर, सुलभ और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने के प्रधानमंत्री मोदी के विज़न को किया साकार

उन्होंने कहा कि गुजरात ने केजी से पीजी तक निरंतर, सुलभ और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने के प्रधानमंत्री मोदी के विज़न को साकार किया है। शिक्षा को राज्य और देश के विकास की आधारशिला बताते हुए मुख्यमंत्री ने छात्रों से समर्पण भाव से ज्ञान अर्जित करने तथा भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों पर गर्व करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि युवा शक्ति आने वाले वर्षों में विकसित गुजरात, आत्मनिर्भर गुजरात, विकसित भारत और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

पिछले दो दशकों में गुजरात की शिक्षा अवसंरचना में तेज़ी से विस्तार

मुख्यमंत्री पटेल ने बताया कि पिछले दो दशकों में गुजरात की शिक्षा अवसंरचना में तेज़ी से विस्तार हुआ है। स्कूल से लेकर उच्च शिक्षा तक राज्य में एक मजबूत तंत्र विकसित किया गया है। स्कूल प्रवेशोत्सव, उन्नत कक्षाएं, डिजिटल टूल्स, स्मार्ट स्कूल, बेहतर शिक्षक भर्ती और कौशल-आधारित शिक्षा के माध्यम से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की व्यापक पहुंच सुनिश्चित की गई है।

विभिन्न मेरिट स्कॉलरशिप योजनाओं ने विशेष रूप से बालिकाओं की शिक्षा में निरंतरता और पहुंच बढ़ाने में निभाई अहम भूमिका

उच्च शिक्षा के स्तर पर भी राज्य में विश्वविद्यालयों, मॉडल कॉलेजों, स्किल यूनिवर्सिटीज़ और विशेष इंजीनियरिंग, मेडिकल एवं शोध संस्थानों का सशक्त नेटवर्क विकसित हुआ है। नमो लक्ष्मी, नमो सरस्वती और विभिन्न मेरिट स्कॉलरशिप योजनाओं ने विशेष रूप से बालिकाओं की शिक्षा में निरंतरता और पहुंच बढ़ाने में अहम भूमिका निभाई है।

शिक्षा को उद्योगोन्मुख और समावेशी बनाने में महत्वपूर्ण योगदान

इसके अलावा हॉस्टल सुविधाओं, एसटीईएम लैब्स, व्यावसायिक प्रशिक्षण और पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप के तहत बढ़ते निवेशों ने शिक्षा को उद्योगोन्मुख और समावेशी बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा शिमला में करेंगे पार्टी के राज्यस्तरीय कार्यालय का शिलान्यास

नई दिल्ली । भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा शनिवार को शिमला में भाजपा के प्रस्तावित राज्यस्तरीय कार्यालय का शिलान्यास करेंगे। बिहार में भाजपा और एनडीए की ऐतिहासिक जीत के बाद यह उनका हिमाचल प्रदेश का पहला दौरा होगा, जिसे लेकर पार्टी कार्यकर्ताओं में खासा उत्साह देखा जा रहा है। हिमाचल भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष राजीव बिंदल ने कहा कि जेपी नड्डा के आगमन को लेकर पूरे प्रदेश में जबरदस्त उत्साह है। उन्होंने कहा कि ऐसे लोकप्रिय और परिश्रमी नेता का हिमाचल आना पार्टी के लिए गर्व का विषय है। शनिवार को शिमला के ऐतिहासिक पीटरहॉफ परिसर में एक भव्य सम्मान समारोह का आयोजन किया जाएगा, जहां हजारों कार्यकर्ता और स्थानीय लोग उनका स्वागत करेंगे। राजीव बिंदल ने बताया कि जेपी नड्डा प्रस्तावित राज्य कार्यालय का भूमि पूजन भी करेंगे। यह कार्यालय हिमाचल भाजपा के लिए एक ऐतिहासिक संगठनात्मक केंद्र बनेगा और आने वाले वर्षों में पार्टी को नई दिशा और मजबूती देगा। उन्होंने कहा कि यह दौरा संगठन में नई ऊर्जा का संचार करेगा और 2027 के विधानसभा चुनावों से पहले एक मजबूत राजनीतिक संदेश देगा। कांग्रेस पर निशाना साधते हुए बिंदल ने कहा कि पिछले तीन वर्षों में प्रदेश का हर वर्ग परेशान है और सरकार अपने वादों को पूरा करने में विफल रही है।

यूपी बीजेपी अध्यक्ष पद के लिए पंकज चौधरी ने भरा पर्चा, सीएम योगी बने प्रस्तावक

यूपी । केंद्रीय मंत्री पंकज चौधरी ने उत्तर प्रदेश बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष पद के लिए अपना नामांकन दाखिल कर दिया है। इस दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक मौजूद रहे। कार्यक्रम में बीजेपी के वरिष्ठ नेता और केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल तथा विनोद तावड़े भी शामिल हुए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और दोनों उपमुख्यमंत्री पंकज चौधरी के प्रस्तावक बने।

चौधरी

पंकज चौधरी उत्तर प्रदेश की महाराजगंज लोकसभा सीट से बीजेपी के सांसद हैं। वह सात बार संसद सदस्य रह चुके हैं। अगर उन्हें यूपी बीजेपी अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी जाती है तो इससे पार्टी को संगठनात्मक स्तर पर बड़ा लाभ मिलने की उम्मीद है। वर्तमान में वह केंद्र की मोदी सरकार में वित्त राज्य मंत्री के पद पर कार्यरत हैं। यूपी बीजेपी के नए प्रदेश अध्यक्ष की औपचारिक घोषणा रविवार (14 दिसंबर) को लखनऊ में किए जाने की संभावना है। बताया जा रहा है कि केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल इस नाम की घोषणा कर सकते हैं।

यूपी के मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने क्या कहा?

उत्तर प्रदेश के मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने कहा, "बीजेपी को जल्द ही नया प्रदेश अध्यक्ष मिलने जा रहा है। वह अपनी कम्युनिटी में लोकप्रिय हैं और पार्टी संगठन में लंबे समय से मेहनत करते आए हैं। वह सात बार सांसद रह चुके हैं, जिससे पार्टी को काफी मजबूती मिलेगी। बीजेपी में न जातिवाद है, न क्षेत्रवाद, न व्यक्तिवाद और न ही भाई-भतीजावाद। हमारी पार्टी केवल राष्ट्रवाद की विचारधारा पर काम करती है।"

राष्ट्रीय परिषद के सदस्यों का भी हुआ नामांकन

शनिवार (13 दिसंबर) को राष्ट्रीय परिषद के 80 सदस्यों के लिए भी नामांकन की प्रक्रिया पूरी हुई। इस दौरान स्मृति ईरानी ने भी नामांकन दाखिल किया। उनके अलावा दारा सिंह चौहान, साध्वी निरंजन ज्योति और अजय मिश्रा टेनी ने भी पर्चा भरा। इसके साथ ही अन्य कई नेताओं ने भी नामांकन किया। ये सभी राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव में मतदान करने वाले मतदाता होंगे।

मेस्सी के कोलकाता इवेंट में भारी हंगामा, अव्यवस्था के बाद आयोजक गिरफ्तार, ममता सरकार ने बनाई जांच समिति

कोलकाता। कोलकाता में अर्जेंटीना के दिग्गज फुटबॉलर लियोनल मेस्सी के कार्यक्रम के दौरान मचे भारी हंगामे को लेकर पश्चिम बंगाल के डीजीपी राजीव कुमार ने जानकारी दी कि कार्यक्रम के मुख्य आयोजक सताद्रु दत्ता को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। सॉल्ट लेक स्टेडियम में हालात अब पूरी तरह काबू में हैं। प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने कहा कि आयोजनकर्ताओं की ओर से गंभीर स्तर पर कुप्रबंधन हुआ है। राज्य सरकार ने पहले ही इस पूरे मामले की जांच के लिए एक समिति गठित कर दी है, जो हर पहलू की गहनता से जांच कर रही है।

बवाल के जिम्मेदारों को मिलेगी सख्त सजा – जावेद शमीम

पश्चिम बंगाल के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (कानून-व्यवस्था) जावेद शमीम ने कार्यक्रम में फैली अव्यवस्था को लेकर कहा, "अब हालात सामान्य हैं। जांच के दूसरे चरण में एफआईआर दर्ज कर ली गई है और मुख्य आयोजक सताद्रु दत्ता को गिरफ्तार कर लिया गया है। आयोजक की ओर से यह आश्वासन दिया गया है कि फैन्स को टिकट की रकम वापस की जाएगी और इसे लागू कराने के तरीकों पर काम किया जा रहा है।" उन्होंने आगे कहा, "स्थानीय इलाकों में ट्रैफिक सामान्य हो चुका है और लोग अपने घर लौट चुके हैं। यह एक बड़ा आयोजन था, लेकिन घटना सॉल्ट लेक स्टेडियम तक ही सीमित रही। पुलिस अपना काम कर रही है और यह सुनिश्चित किया जाएगा कि जो

भी लोग आज की अव्यवस्था के लिए जिम्मेदार हैं, उन्हें सजा मिले और संबंधित अधिकारियों के खिलाफ उचित कार्रवाई की जाए।"

सीएम ममता बनर्जी ने अव्यवस्था पर जताया खेद, मांगी माफी

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सॉल्ट लेक स्टेडियम में हुए हंगामे को लेकर माफी मांगी है और पूरे मामले की जांच के आदेश दिए हैं। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट करते हुए कहा, "आज सॉल्ट लेक स्टेडियम में जो अव्यवस्था देखने को मिली, उससे मैं बेहद व्यथित और चिंतित हूं। मैं स्वयं हजारों खेल प्रेमियों और फैन्स के साथ इस कार्यक्रम में शामिल होने जा रही थी, जो अपने पसंदीदा फुटबॉल स्टार लियोनल मेस्सी की एक झलक पाने के लिए वहां मौजूद थे।" उन्होंने आगे कहा, "इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना के लिए मैं लियोनल मेस्सी, सभी खेल प्रेमियों और उनके फैन्स से दिल से माफी मांगती हूं।"

सीएम ने जांच समिति के गठन का किया ऐलान

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने अपने पोस्ट में बताया, "मैं सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति अशिम कुमार रे की अध्यक्षता में एक जांच समिति का गठन कर रही हूं। इस समिति में मुख्य सचिव और गृह एवं पहाड़ी मामलों के विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव को सदस्य बनाया गया है। समिति पूरे घटनाक्रम की जांच करेगी, जिम्मेदारी तय करेगी और भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए जरूरी सुझाव भी देगी।"

रॉयल पत्रिका

संपादकीय....

अमेरिका का दोहरा रवैया: शांति की बात, पाकिस्तान को हथियारों की सौगात

अंतरराष्ट्रीय द्विपक्षीय और बहुपक्षीय संबंधों में नीति की निरंतरता, भरोसे और स्पष्टता का बहुत महत्व होता है। लेकिन डोनाल्ड ट्रम्प के दूसरे कार्यकाल में अमेरिकी विदेश नीति एक बार फिर अप्रत्याशित और विरोधाभासी दिखाई दे रही है। हाल के घटनाक्रम इस दोहरे रवैये को उजागर करते हैं, खासकर जब बात भारत और पाकिस्तान के संदर्भ में अमेरिका की भूमिका की आती है। दो दिनों की लंबी बातचीत के बाद भारत–अमेरिका ट्रेड डील का पूरा होना अपने आप में एक अहम कूटनीतिक उपलब्धि मानी जा रही है। इसके तुरंत बाद राष्ट्रपति ट्रम्प और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बीच फोन पर बातचीत हुई, जिसे सामान्य औपचारिक संवाद मानकर नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। खासकर ऐसे समय में, जब रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की भारत यात्रा प्रस्तावित है और रूस–यूक्रेन युद्ध को लेकर अमेरिका एक नए युद्धविराम मसौदे की बात कर रहा है। इस संदर्भ में भारत की भूमिका केवल एक क्षेत्रीय शक्ति की नहीं, बल्कि एक जिम्मेदार वैश्विक साझेदार की बनती है। यूक्रेन ही नहीं, यूरोपीय संघ के कई देश भी यह मानते हैं कि भारत शांति प्रक्रिया में संतुलित और व्यावहारिक भूमिका निभा सकता है। इसलिए ट्रम्प–मोदी बातचीत को एक नई कूटनीतिक पहल के रूप में देखना स्वाभाविक है। लेकिन इसी सकारात्मक तस्वीर के समानांतर अमेरिका का एक और चेहरा सामने आता है, जो गंभीर सवाल खड़े करता है। पाकिस्तान को आर्थिक सहायता देने के साथ-साथ उसे एफ-16 लड़ाकू विमानों का नया संस्करण उपलब्ध कराना उसी अमेरिका की नीति का हिस्सा है, जो एक ओर दक्षिण एशिया में शांति की बात करता है और दूसरी ओर अस्थिरता को बढ़ावा देने वाले कदम उठाता है। यह कोई छिपी हुई सच्चाई नहीं है कि पाकिस्तान की सत्ता संरचना में सेना की भूमिका निर्णायक रही है और भारत के खिलाफ राज्य-प्रायोजित आतंकवाद लंबे समय से उसकी रणनीति का हिस्सा रहा है। अगर ट्रम्प प्रशासन वास्तव में तथ्यों पर आधारित नीति बनाना चाहता, तो सीआईए मुख्यालय की अलमारियों में मौजूद पाकिस्तान संबंधी फाइलें ही काफी थीं, जो इस हकीकत को उजागर करती हैं। आज पाकिस्तान में जनरल असीम मुनीर के नेतृत्व में जो राजनीतिक हालात बन रहे हैं, वे भी किसी लोकतांत्रिक व्यवस्था की मजबूती की गवाही नहीं देते। एक परमाणु-सक्षम देश में संविधान को तोड़-मरोड़कर परोक्ष रूप से फौजी शासन की स्थापना न केवल आंतरिक अस्थिरता को बढ़ाती है, बल्कि पूरे दक्षिण एशिया के लिए खतरे की घंटी है। ऐसे हालात में पाकिस्तान को आधुनिक हथियारों से लैस करना शांति प्रयासों की तस्दीक नहीं, बल्कि उन्हें कमजोर करने जैसा है। ट्रम्प को यह समझना होगा कि भारत और पाकिस्तान को एक ही तराजू में तौलना व्यावहारिक और नैतिक दोनों ही दृष्टियों से गलत है। भारत लोकतांत्रिक मूल्यों, नियम-आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था और क्षेत्रीय स्थिरता का समर्थक रहा है। इसके विपरीत पाकिस्तान का रिकॉर्ड आतंकवाद, सैन्य दखल और अस्थिर राजनीति से भरा पड़ा है।

क्वालिटी से समझौता नहीं आत्मनिर्भर भारत के लिए मजबूत मैन्युफैक्चरिंग नीति और सख्त मानक अनिवार्य घरेलू उद्योग वैश्विक प्रतिस्पर्धा भविष्य

-गुणवत्ता नियंत्रण कमजोर हुआ तो आयात बढ़ेगा घरेलू उत्पादन निर्यात श्रमिक सुरक्षा सभी प्रभावित होंगे

'स्वदेशी' और 'आत्मनिर्भर भारत' आज के दौर के सबसे चर्चित और महत्वाकांक्षी नारे हैं। इनका मक़सद साफ़ है—भारत को मैन्युफैक्चरिंग का बड़ा केंद्र बनाना, आयात पर निर्भरता घटाना और घरेलू उद्योगों को मज़बूत करना। लेकिन यह लक्ष्य सिर्फ़ नीतियों की घोषणा से हासिल नहीं होगा। इसके लिए सबसे ज़रूरी शर्त है—गुणवत्तापूर्ण उत्पादन। अगर क्वालिटी से समझौता किया गया, तो आत्मनिर्भरता का सपना खोखला साबित हो सकता है। आज स्थिति यह है कि कई ऐसी वस्तुएँ हैं, जिनका निर्माण भारत में या तो होता ही नहीं, या फिर पर्याप्त मात्रा और गुणवत्ता में नहीं होता। नतीजा यह कि हमें आयात का सहारा लेना पड़ता है। अगर 'ईज़ ऑफ़ डुइंग बिज़नेस' के नाम पर गुणवत्ता नियंत्रण को कमज़ोर किया जाएगा, तो इसका सीधा असर घरेलू उद्योग, उपभोक्ताओं के भरोसे और भारत की वैश्विक साख पर पड़ेगा। सवाल यह है कि क्या भारत मैन्युफैक्चरिंग के क्षेत्र में सिर्फ़ मात्रा पर ज़ोर देगा या गुणवत्ता को भी उतनी ही अहमियत देगा?

क्वालिटी क्यों है आत्मनिर्भरता की बुनियाद

किसी भी देश की मैन्युफैक्चरिंग ताक़त का असली पैमाना उसकी क्वालिटी होती है। सस्ते और घटिया उत्पाद थोड़े समय के लिए बाज़ार में टिक सकते हैं, लेकिन लंबी दौड़ में वही देश आगे बढ़ते हैं, जो विश्वस्तरीय गुणवत्ता बनाए रखते हैं। भारत अगर 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने का लक्ष्य रखता है, तो उसे यह समझना होगा कि घरेलू बाज़ार में दबदबा और निर्यात में बढ़त—दोनों का रास्ता क्वालिटी से होकर ही जाता है। यह भूलना नहीं चाहिए कि 'एशियन टाइगर्स'—हांगकांग, सिंगापुर, दक्षिण कोरिया और ताइवान—आज विकसित अर्थव्यवस्थाएँ इसलिए हैं, क्योंकि

उन्होंने अपने शुरुआती दौर में ही गुणवत्ता पर निवेश किया। उन्होंने न केवल बेहतर उत्पाद बनाए, बल्कि इनोवेशन के ज़रिये अपनी क्वालिटी को लगातार सुधारा। इसके उलट, जिन देशों ने घटिया उत्पादन को बढ़ावा दिया, वे वैश्विक बाज़ार में पिछड़ते चले गए।

आयात और गुणवत्ता नियंत्रण का सवाल

अगर भारत में आयातित वस्तुओं पर गुणवत्ता नियंत्रण को ढीला किया जाता है, तो इसका सीधा संदेश दुनिया को यह जाएगा कि यहाँ क्वालिटी अनिवार्य नहीं है। ऐसे में भारत उन उत्पादों का बाज़ार बन सकता है, जिन्हें दूसरे देश अपने यहाँ खपाना नहीं चाहते। टेक्सटाइल्स, स्टील, केमिकल आधारित उत्पाद, फार्मा और रोज़मर्रा की उपयोगी वस्तुओं के मामले में यह ख़तरा और भी ज़्यादा है। खराब क्वालिटी वाले आयातित उत्पाद सस्ते ज़रूर होते हैं, लेकिन वे घरेलू उद्योगों को नुकसान पहुँचाते हैं। स्थानीय निर्माता, जो पहले से ही लागत, टैक्स और प्रतिस्पर्धा की मार झेल रहे होते हैं, ऐसे उत्पादों से मुकाबला नहीं कर पाते। नतीजतन, घरेलू मैन्युफैक्चरिंग कमज़ोर होती है और आयात पर निर्भरता और बढ़ जाती है।

'ईज़ ऑफ़ डुइंग बिज़नेस' बनाम 'ईज़ ऑफ़ लिविंग'

सरकारें अक्सर 'ईज़ ऑफ़ डुइंग बिज़नेस' को सुधारों का पैमाना मानती हैं। निस्संदेह, उद्योगों के लिए प्रक्रियाओं को सरल बनाना ज़रूरी है। लेकिन अगर यह सरलता गुणवत्ता नियंत्रण को कमज़ोर करके हासिल की जाए, तो इसका फायदा कम और नुकसान ज़्यादा होगा। असली सवाल यह है कि क्या हम सिर्फ़ कारोबार को आसान बनाना चाहते हैं, या नागरिकों के लिए ईज़ ऑफ़ लिविंग भी सुनिश्चित करना चाहते हैं? घटिया उत्पाद न केवल उपभोक्ताओं की जेब पर भारी पड़ते हैं, बल्कि स्वास्थ्य और सुरक्षा के लिहाज़ से भी ख़तरनाक होते हैं। ऐसे में गुणवत्ता मानकों को कमज़ोर करना, लंबे समय में सामाजिक और आर्थिक दोनों तरह की समस्याएँ पैदा कर सकता है।

समग्र दृष्टिकोण की ज़रूरत

भारत को मैन्युफैक्चरिंग के मामले में एक समग्र दृष्टिकोण अपनाना होगा। इसका मतलब है— हर उत्पाद के लिए न्यूनतम गुणवत्ता मानक तय हों और उनका सख़्ती से पालन हो। आयात के बजाय घरेलू उत्पादन को बढ़ावा देने वाली नीतियाँ हों। जिन चीज़ों का निर्माण अभी भारत में नहीं होता, उनकी मैन्युफैक्चरिंग के लिए तकनीक, निवेश और कौशल विकास पर ज़ोर दिया जाए। अगर दुनिया में यह संदेश गया कि भारत में क्वालिटी की कसौटी अनिवार्य नहीं है, तो हम मैन्युफैक्चरिंग का केंद्र बनने के बजाय डम्पिंग ग्राउंड बन सकते हैं। यह स्थिति न केवल आत्मनिर्भरता के लक्ष्य के ख़िलाफ़ होगी, बल्कि 'विश्वगुरु' बनने की हमारी आकांक्षाओं को भी चोट पहुँचाएगी।

5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था और गुणवत्ता

5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था का सपना केवल आंकड़ों से पूरा नहीं होता। इसके लिए ज़रूरी है कि भारत के उत्पाद वैश्विक बाज़ार में भरोसेमंद माने जाएँ। निर्यात बढ़ाने के लिए गुणवत्ता सबसे अहम शर्त है। अगर आयात पर गुणवत्ता नियंत्रण हटाया जाएगा, तो घरेलू उत्पादकों के लिए प्रतिस्पर्धा असमान हो जाएगी और निर्यात क्षमता भी प्रभावित होगी। वास्तव में, इस तरह के अदूरदर्शी कदम आत्मनिर्भरता के लक्ष्य को कमजोर करते हैं। नीति-निर्माताओं को यह समझना होगा कि अल्पकालिक लाभ के लिए दी गई छूट, दीर्घकाल में भारी पड़ सकती है।

श्रम सुधार: स्वागतयोग्य, पर अधूरे

दूसरी ओर, नई एकीकृत चार श्रम संहिताएँ एक सकारात्मक क़दम हैं। इनमें गिग वर्कर्स समेत सभी तरह के श्रमिकों को शामिल किया गया है और उन्हें सामाजिक सुरक्षा देने की कोशिश की गई है। यह एक अहम सुधार है, क्योंकि बदलते समय में काम करने के तरीके भी बदल रहे हैं। हालाँकि, इन संहिताओं में न्यूनतम मज़दूरी पर ही ज़्यादा ज़ोर दिया गया है, जबकि बेहतर जीवन सुनिश्चित करने वाली मज़दूरी अभी भी अपेक्षित है। सिर्फ़ न्यूनतम मज़दूरी से सम्मानजनक जीवन संभव नहीं होता। इसके लिए शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक सुरक्षा जैसे पहलुओं को भी मज़बूत करना होगा।

गिग और प्लेटफॉर्म वर्कर्स की सुरक्षा

गिग और प्लेटफॉर्म वर्कर्स आज की अर्थव्यवस्था का अहम हिस्सा बन चुके हैं। इनके लिए भविष्य निधि, ईएसआईसी और बीमा जैसी सुरक्षा देना ज़रूरी है। नई श्रम संहिताओं का उद्देश्य नियोक्ता और कर्मचारी के बीच संतुलन बनाना है, ताकि पार्ट टाइम, वर्क फ्रॉम होम और एक से अधिक नियोक्ताओं के साथ काम करने वाले लोगों को भी सुरक्षा के दायरे में लाया जा सके। यह पहल बाज़ार को मज़बूत करने में मददगार हो सकती है, बशर्ते इसे ज़मीन पर ईमानदारी से लागू किया जाए।

राज्यों की भूमिका और एकरूपता की चुनौती

अब प्रत्येक राज्य अपने-अपने नियम अधिसूचित करेगा। उम्मीद की जा रही है कि कुछ सहमत सिद्धांतों पर एकरूपता रहेगी, ख़ासकर असंगठित क्षेत्र के 90 प्रतिशत श्रमिकों के लिए। लेकिन अगर राज्यों के नियमों में ज़्यादा अंतर हुआ, तो इसका असर श्रमिकों और उद्योगों—दोनों पर पड़ेगा। इसलिए ज़रूरी है कि केंद्र और राज्य मिलकर ऐसे नियम बनाएँ, जो सरल हों, लेकिन श्रमिकों के अधिकारों से समझौता न करें।

छोटे उद्योगों को राहत, लेकिन निगरानी ज़रूरी

छोटे उद्योगों के लिए निवेश की सीमा 10 करोड़ रुपये और टर्नओवर की सीमा 100 करोड़ रुपये तक बढ़ाकर उन्हें दुबारा परिभाषित किया गया है। इससे इन इकाइयों पर अनुपालन का बोझ कम हुआ है। 300 कर्मचारियों तक के उद्योगों को भर्ती और यहाँ तक कि छंटनी में भी आसानी दी गई है। यह सुधार उद्योगों के लिए राहत भरा है, लेकिन यहाँ विशेष ध्यान देना होगा कि इसका दुरुपयोग न हो। कामगारों का शोषण न हो, इसके लिए मज़बूत निगरानी तंत्र की ज़रूरत है। ऊपर के स्तर के उद्योगों के लिए डिजिटल फाइलिंग का प्रावधान किया गया है, जो स्वघोषणा पर आधारित है। यह व्यवस्था पारदर्शिता बढ़ा सकती है, लेकिन इसके साथ जवाबदेही भी तय करनी होगी। अगर स्वघोषणा के नाम पर नियमों की अनदेखी हुई, तो सुधारों का मक़सद ही ख़त्म हो जाएगा।

यूरोप में दक्षिणपंथ का उभार और सत्ताधीशों की घबराहट: नाकाम नीतियों से ध्यान भटकाने के लिए 'महाविनाश' का डर

-ब्रिटेन, फ्रांस और जर्मनी में जन असंतोष बढ़ा, सर्वे बता रहे सत्ताधीशों की चेतावनियां असरहीन

यूरोप की सियासत आज एक अजीब मोड़ पर खड़ी है। पश्चिमी यूरोप के जिन तीन बड़े देशों—ब्रिटेन, फ्रांस और जर्मनी—को कभी वैश्विक राजनीति, अर्थव्यवस्था और सभ्यतागत नेतृत्व का प्रतीक माना जाता था, वहां आज असंतोष, अनिश्चितता और राजनीतिक बेचैनी साफ दिखाई देती है। इन देशों के मौजूदा सत्ताधीश लगातार यह चेतावनी दे रहे हैं कि अगर दक्षिणपंथी दल सत्ता में आ गए तो यूरोप "महाविनाश" की ओर बढ़ जाएगा। लेकिन सवाल यह है कि क्या यह चेतावनी सचमुच लोकतंत्र और समाज को बचाने की ईमानदार कोशिश है, या फिर अपनी नाकामियों से जनता का ध्यान भटकाने की एक सोची-समझी रणनीति?

यूरोप में बदलता राजनीतिक मिज़ाज

पिछले एक दशक में यूरोप के सामाजिक और आर्थिक हालात में जो बदलाव आए हैं, उन्होंने आम नागरिक के जीवन को काफी हद तक प्रभावित किया है। महंगाई, बेरोज़गारी, आवास संकट, स्वास्थ्य सेवाओं पर बढ़ता दबाव और आप्रवासन (इमिग्रेशन) से जुड़ी चिंताएं—ये सब ऐसे मुद्दे हैं, जिनका समाधान मौजूदा सरकारें प्रभावी ढंग से नहीं कर पाईं। नतीजा यह हुआ कि जनता का भरोसा पारंपरिक और तथाकथित 'मध्यमार्गी' दलों से धीरे-धीरे उठने लगा। ब्रिटेन में ब्रेक्ज़िट के बाद जिस आर्थिक स्थिरता और समृद्धि का वादा किया गया था, वह अब तक ज़मीन पर पूरी तरह उतरता नहीं दिखा। फ्रांस में लंबे समय से सामाजिक असंतोष सुलग रहा है—चाहे वह 'येलो वेस्ट' आंदोलन हो या पेंशन सुधारों के खिलाफ सड़कों पर उतरी भीड़। जर्मनी, जो यूरोप की आर्थिक रीढ़ माना जाता है, वहां भी विकास की रफ्तार धीमी पड़ी है और ऊर्जा संकट तथा औद्योगिक चुनौतियों ने सरकार को कटघरे में खड़ा कर दिया है।

दक्षिणपंथ का उभार: कारण और पृष्ठभूमि

इन हालात में दक्षिणपंथी और लोकलुभावन दलों का उभार कोई अचानक हुई घटना नहीं है। यह उस गुस्से, निराशा और असुरक्षा का राजनीतिक रूप है, जो आम यूरोपीय नागरिक महसूस कर रहा है। ब्रिटेन में 'रिफॉर्म यूके', फ्रांस में 'नेशनल रैली' और जर्मनी में 'ऑल्टरनेटिव फॉर जर्मनी' (एएफडी) जैसी पार्टियां इसी असंतोष को आवाज़ दे रही हैं। जनमत सर्वेक्षणों में इन दलों की बढ़ती लोकप्रियता इस बात का संकेत है कि जनता मौजूदा सत्ताधीशों के दावों और चेतावनियों पर आंख बंद कर भरोसा करने को तैयार नहीं है। लोग अपने रोज़मर्रा के अनुभवों से यह समझ रहे हैं कि उनकी समस्याओं का समाधान अब तक नहीं हुआ है। ऐसे में जब उन्हें बार-बार यह कहा जाता है कि "दक्षिणपंथ आएगा तो सब कुछ तबाह हो जाएगा", तो यह बात उन्हें खोखली लगती है।

'महाविनाश' की चेतावनी: डर की राजनीति

जर्मनी के चांसलर फ्रेडरिक मर्ज अपनी सरकार को मध्यमार्गी राजनीति का "अंतिम मौका" बताते हैं। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुअल मैक्रों ने यूरोपीय चुनावों में हार के बाद यहां तक कह दिया कि देश गृहयुद्ध की ओर बढ़ सकता है। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कौर स्टार्मर ने 'इकोनॉमिस्ट' को दिए एक इंटरव्यू में कहा कि रिफॉर्म यूके पार्टी देश के बुनियादी अस्तित्व के लिए खतरा है। तीनों नेताओं की भाषा में एक समानता है—डर। वे जनता को यह एहसास दिलाना चाहते हैं कि उनके अलावा कोई और विकल्प नहीं है। अगर सत्ता उनके हाथ से गई, तो सभ्यता, लोकतंत्र और स्थिरता सब कुछ खत्म हो जाएगा। लेकिन क्या सचमुच लोकतंत्र इतना कमजोर है कि किसी एक राजनीतिक धारा के सत्ता में आने से उसका अस्तित्व ही मिट जाए?

नाकामियों की लंबी फेहरिस्त

अगर इन चेतावनियों के पीछे की सच्चाई को समझना है, तो मौजूदा सरकारों के कामकाज पर नज़र डालनी होगी। ब्रिटेन में कंजरवेटिव पार्टी के 14 साल के शासन के बाद भी अर्थव्यवस्था ठहराव की स्थिति में है। अब लेबर सरकार कल्याणकारी योजनाओं पर खर्च तो बढ़ा रही है, लेकिन विकास की सुस्त रफ्तार के बावजूद रिकॉर्ड टैक्स लगाने की तैयारी है। आम आदमी के लिए इसका मतलब है—जेब पर और बोझ। फ्रांस में मैक्रों सरकार का पेंशन सुधार कानून, जिसने सेवानिवृत्ति की उम्र बढ़ाई थी, भारी विरोध के बाद खत्म करना पड़ा। राजनीतिक अस्थिरता का आलम यह है कि तीन साल में पांचवां प्रधानमंत्री नेशनल असेम्बली में बजट पेश करने जा रहा है। यह किसी भी मजबूत और स्थिर शासन की निशानी नहीं है। जर्मनी में फ्रेडरिक मर्ज का तथाकथित 'सुधारों का वसंत' अब तक ठोस नतीजे देने में नाकाम रहा है। ऊर्जा नीति, औद्योगिक प्रतिस्पर्धा और आप्रवासन जैसे मुद्दों पर सरकार असमंजस में दिखती है। ऐसे में जनता का भरोसा डगमगाना स्वाभाविक है।

दक्षिणपंथ की आलोचना, लेकिन सर्वनाश नहीं

यह कहना गलत होगा कि दक्षिणपंथी दलों की विचारधारा में कोई समस्या नहीं है। कई बार उनकी भाषा तीखी होती है, नीतियां विवादास्पद होती हैं और अल्पसंख्यकों को लेकर उनके रुख पर सवाल उठते हैं। लेकिन इसका यह मतलब नहीं कि उनके सत्ता में आने से 'महाविनाश' तय है। लोकतंत्र का मतलब ही यही है कि अलग-अलग विचारधाराओं को जनता के समर्थन के आधार पर शासन करने का मौका मिले। दरअसल, 'सर्वनाश' की भाषा लोकतांत्रिक बहस को कमजोर करती है। यह जनता को डराकर एक ही राजनीतिक विकल्प स्वीकार करने के लिए मजबूर करने की कोशिश है। इतिहास गवाह है कि जब भी सत्ता में बैठे लोग खुद को 'अंतिम रक्षक' के रूप में पेश करते हैं, तो अक्सर वे अपनी जवाबदेही से बचने की कोशिश कर रहे होते हैं।

जनता का अविश्वास और बदलते समीकरण

यूरोप में संकट की इन भविष्यवाणियों का असर अब कम होता जा रहा है। जनमत सर्वेक्षण साफ दिखा रहे हैं कि दक्षिणपंथी दलों की ताकत बढ़ रही है।

महंगाई का खेल थमे वरना प्याज़-टमाटर फिर गिराएंगे सरकारें; खाद्य कीमतों की स्थिरता के बिना आर्थिक व राजनीतिक संतुलन मुश्किल

-वैश्विक सोर्सिंग और फूड प्रोसेसिंग के बिना कीमतें नहीं होंगी स्थिर, महंगाई बनेगी सरकारों की सबसे बड़ी चुनौती

महंगाई... एक ऐसा शब्द जो दुनिया की किसी भी सरकार की नींद उड़ाने के लिए काफ़ी है। आम लोगों की ज़िंदगी में खाने-पीने की चीज़ों की क़ीमतें हर दिन का दर्द हैं, लेकिन इसी दर्द का असर चुनावों और सत्ता पर भी गहराई से पड़ता है। दुनिया की राजनीति में महंगाई ने कई बार ऐसे 'टर्निंग प्वाइंट' बनाए हैं, जिनकी वजह से बड़े-बड़े नेता सत्ता से बाहर हो गए। अमेरिका से लेकर भारत तक यही कहानी दिखाई देती है। कोविड के बाद की अमेरिकी अर्थव्यवस्था में महंगाई का तूफ़ान आया, और उसे काबू में रखने में राष्ट्रपति जो बाइडेन विफल रहे। इसका नतीजा यह हुआ कि डेमोक्रेट्स को व्हाइट हाउस से बाहर होना पड़ा। दूसरी तरफ़ डोनाल्ड ट्रम्प ने चुनावों में वादा तो क़ीमतें घटाने का किया, लेकिन बाद में अपने ही फैसलों से महंगाई को बढ़ा दिया। उनके बढ़ाए गए टैरिफ़ और आयात शर्तों ने घरेलू दामों को नीचे आने ही नहीं दिया, जिससे उनका कोर वोटर बेहद नाराज़ है। विशेषज्ञों का मानना है कि आने वाले मिड-टर्म इलेक्शन में रिपब्लिकन पार्टी का प्रदर्शन कमजोर रह सकता है, क्योंकि ट्रम्प प्रशासन महंगाई को काबू करने में नाकाम साबित हुआ। असल बात यह है कि दुनिया भर के नेता महंगाई से डरते हैं। भारत में प्याज़ और अमेरिका में अंडे—ये दो चीज़ें नेताओं का ब्लड प्रेशर बढ़ाने की ताक़त रखती हैं। भारत के राजनीतिक इतिहास में अक्सर कहा जाता है कि 1998 में प्याज़ की ऊंची क़ीमतें अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार गिरने की एक अहम वजह थीं। यह बात चाहे पूरी तरह तथ्यात्मक न हो, लेकिन इतना तो साफ़ है कि रोज़मर्रा की रसोई का दर्द चुनावी राजनीति को गहरे प्रभावित करता है।

सब्ज़ियों की क़ीमतें: भारत में उतार-चढ़ाव का सफ़र

भारत में सब्ज़ियों की कीमतें सबसे ज़्यादा बदनाम हैं। यहां अक्सर कुछ ही महीनों में नहीं, बल्कि कुछ हफ़्तों में दाम आसमान या ज़मीन पर पहुंच जाते हैं। उदाहरण आपके सामने हैं: दिल्ली में प्याज़ पिछले नवंबर में 100 रुपये किलो बिका। कुछ ही महीनों बाद वही प्याज़ 13 रुपये किलो पर बिकने लगा। टमाटर का भी यही हाल है: पिछले अक्टूबर में 65 रुपये किलो, हाल में 35 रुपये किलो। यानी कीमतों का पेंडुलम दोनों दिशाओं में समान गति से झूलता है— कभी महंगाई से जनता परेशान, कभी सस्ते दामों से किसान बर्बाद। भारत में समस्या सिर्फ बढ़ती कीमतें नहीं हैं, बल्कि उतार-चढ़ाव है। ऐसी अस्थिरता किसी भी बाज़ार, व्यवसाय और कृषि अर्थव्यवस्था के लिए बेहद नुकसानदेह साबित होती है। किसान को अंदाज़ा ही नहीं रहता कि अगली फ़सल का दाम क्या होगा। उपभोक्ता को भी भरोसा नहीं कि जिस सब्ज़ी को वह आज 20 रुपये में खरीद रहा है, कल वह 80 रुपये में न मिले।

कीमतें स्थिर कैसे हों? दुनिया का मॉडल क्या कहता है?

इस सवाल का जवाब दो बड़े शब्दों में छिपा है— वैश्विक स्रोतों से खरीद (Global Sourcing) फूड प्रोसेसिंग (Food Processing) दुनिया के विकसित देशों में फल और सब्ज़ियों की क़ीमतें लगभग साल भर एक जैसी रहती हैं। इसका कारण यह नहीं कि उनकी ज़मीन ज़्यादा उपजाऊ है या मौसम अनुकूल। असली वजह है— वे घरेलू फसल पर निर्भर नहीं रहते। अमेरिका इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। वहां सालभर ताज़े टमाटर मिलते हैं। जब स्थानीय उत्पादन कम होता है, तब वे चिली, मैक्सिको, कनाडा, कोस्टा रीका या ग्वाटेमाला से आयात कर लेते हैं। इसका फायदा यह होता है: ऑफ-सीज़न में भी सप्लाई बनी रहती है, क़ीमतें स्थिर रहती हैं, उपभोक्ता को झटके नहीं लगते, उत्तरी और दक्षिणी गोलार्ध की काउंटर सीजनैलिटी इस व्यवस्था की जान है। जब उत्तरी गोलार्ध में सर्दी और ऑफ-सीज़न होता है, दक्षिणी गोलार्ध में गर्मी और ऑन-सीज़न होता है— और इसके उलट भी। यानी दुनिया के किसी न किसी हिस्से में टमाटर, प्याज़, आलू, फलों की भरपूर उपलब्धता बनी रहती है। विकसित देश इसी वैश्विक नेटवर्क पर टिके हैं।

भारत ऐसा क्यों नहीं कर पाता?

भारत में स्थिति ऊलट-पुलट है। यहां दो बड़े नियंत्रण व्यवस्था चलती हैं: उपभोक्ता की सुरक्षा के नाम पर आयात-नियंत्रण, किसानों की सुरक्षा के नाम पर निर्यात-नियंत्रण, इन दोनों ने मिलकर एक ऐसी स्थिति पैदा कर दी है कि देश एक स्थिर सप्लाई चेन विकसित ही नहीं कर पा रहा। नतीजा: बड़े पैमाने पर फल-सब्ज़ी व्यापार नहीं बढ़ पाता, कोल्ड स्टोरेज नेटवर्क पर्याप्त नहीं बन पाता, लॉजिस्टिक्स कमजोर रहते हैं, प्राइवेट प्लेयर्स निवेश से डरते हैं, और अंत में— कीमतें कभी आसमान पर, कभी ज़मीन पर — यह सिलसिला चलता रहता है। भारत में क़ीमतों के इस झूले को रोकने की सबसे बड़ी दिक्कत यही है कि सरकारें आयात-निर्यात को वोट बैंक के हिसाब से इस्तेमाल करती हैं।

फूड प्रोसेसिंग: समाधान का दूसरा मज़बूत रास्ता

दुनिया के अधिकतर विकसित देशों ने प्याज़ और टमाटर जैसी संवेदनशील सब्ज़ियों की कीमतों को स्टेबल करने का एक कारगर तरीका निकाला है— फूड प्रोसेसिंग: पश्चिमी देशों में प्याज़ और टमाटर का बड़ा हिस्सा इस रूप में सुरक्षित किया जाता है— डिहाइड्रेटेड (सूखा हुआ) प्याज़-पाउडर, टमाटर पाउडर, रेडी-टू-कुक प्याज़ स्लाइस, कैन में संरक्षित प्याज़, टमाटर प्यूरी, टोमैटो पेस्ट, डिब्बाबंद टमाटर, जब सीजन में उत्पादन ज़्यादा होता है, तब ये प्रोडक्ट्स सस्ते में बन जाते हैं।

जब ऑफ-सीज़न आता है, तब ये स्टॉक बाज़ार में नियमित सप्लाई देते हैं। यानी— किसानों को सीजन में अच्छा दाम मिलता है उपभोक्ताओं को ऑफ-सीज़न में महंगाई से राहत कीमतें पूरे साल स्थिर रहती हैं इसके विपरीत भारत में फूड प्रोसेसिंग का स्तर बेहद कम है। यहां अभी भी कुल फल-सब्ज़ी उत्पादन का सिर्फ 2-3% ही प्रोसेस होता 60-70% है।

भजनलाल शर्मा ने सड़क सुरक्षा अभियान के राज्य स्तरीय समारोह में की शिरकत

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शनिवार को जयपुर के जनपथ स्थित अमर जवान ज्योति पर आयोजित सड़क सुरक्षा अभियान के राज्य स्तरीय समारोह में शिरकत की। उन्होंने इस दौरान सड़क सुरक्षा अभियान से संबंधित पोस्टर का विमोचन किया तथा उपस्थित लोगों को सड़क सुरक्षा की शपथ दिलाते हुए यातायात नियमों का पालन करने की अपील की। शर्मा ने कार्यक्रम में सड़क सुरक्षा जन-जागृति रथों को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। उन्होंने 500 ऑटोरिक्शा को भी फ्लैग ऑफ किया। ये सभी वाहन विभिन्न क्षेत्रों में जाकर आमजन को सड़क सुरक्षा के लिए जागरूक करेंगे। शर्मा ने इस अवसर पर दिव्यांगजनों को हेलमेट वितरण किया तथा व्यवसायिक

वाहनों पर रिफ्लेक्टिव टेप लगाई।

मुख्यमंत्री ने घायलों की जान बचाने वालों को किया सम्मानित मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में सड़क दुर्घटनाओं में घायलों की जान बचाने वाले नागरिकों को सम्मानित किया। शर्मा ने इन जीवन रक्षकों का हौसला बढ़ाते हुए उनके नेक कार्य की सराहना की। सम्मानित होने वालों में संदीप गुप्ता, नितेश यादव, सुनील सिरवी, संजय कुमार एवं श्रीमती सुरता देवी शामिल रहे। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में सड़क सुरक्षा का संदेश देने वाले गुब्बारे हवा में छोड़कर आमजन को जागरूक किया। इस दौरान उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचन्द बैरवा, सांसद श्रीमती मंजू शर्मा, विधायक डॉ. गोपाल शर्मा, मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास सहित विभिन्न विभागों के उच्चाधिकारी, बड़ी संख्या में स्कूल, कॉलेज के छात्र-छात्राएं एवं आमजन उपस्थित रहे।

भजनलाल सरकार के दो साल पूरे, उपमुख्यमंत्री बैरवा ने गिनाईं डबल इंजन सरकार की उपलब्धियां

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। उपमुख्यमंत्री एवं भीलवाड़ा जिला प्रभारी मंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने कहा कि भजनलाल सरकार के दो साल पूर्ण होने पर नव उत्थान-नई पहचान, बढ़ता राजस्थान- हमारा राजस्थान के तहत राज्यभर में विविध आयोजन किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि गत दो वर्षों में डबल इंजन की सरकार ने राजस्थान में अभूतपूर्व व उल्लेखनीय कार्य किए हैं, जिसका सीधा लाभ आमजन को मिल रहा है। डॉ. बैरवा ने वर्तमान सरकार के दो वर्ष पूर्ण होने पर शनिवार को भीलवाड़ा सर्किट हाउस में आयोजित प्रेस ब्रीफिंग में यह कहा । डॉ. बैरवा ने कहा कि हमारे संकल्प पत्र में जनता से जो वादे किए थे, उनमे से अधिकतम संकल्प पूर्ण कर लिए गए है। शेष भी जल्द ही शत-प्रतिशत हो जाएंगे। हमारी सरकार जो कहती है, वह पूर्ण करती है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में रामजल सेतु परियोजना पर कार्य प्रारंभ हो गया है। हमारी सरकार ने विद्त उत्पादन में उल्लेखनीय कार्य किए हैं। साथ ही, राज्य में नए जीएसएस से विद्त तंत्र को मजबूत किया गया है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार गरीबों के कल्याण के लिए समर्पित सरकार है। उन्होंने बताया कि सड़क विकास के अभूतपूर्व कार्य हुए है। हमारी सरकार के 2साल में अब तक जितनी भी परीक्षाएं करवाई गई हैं, सभी सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई हैं, एक भी पेपर लीक नहीं होने दिया। इससे युवाओं व आमजन में सरकार के प्रति विश्वास बढ़ा है। इस अवसर पर सांसद दामोदर अग्रवाल, विधायक अशोक कोठारी, शाहपुरा विधायक लालाराम बैरवा, प्रशांत मेवाडा, मीडियाकर्मी उपस्थित रहे।

महेश जडवाल यादव समाज मनोहरपुर के अध्यक्ष बने

मनोहरपूर (रॉयल पत्रिका)। यादव समाज के तहसील अध्यक्ष रामपाल बीछवालीया राडावास एवं बाबूलाल सोलंगिया अध्यक्ष यादव समाज बिशनगढ़ की उपस्थिति में यादव समाज की बैठक हुई जिसमें सर्व सम्मति से महेश जडवाल को यादव समाज मनोहरपुर (नगर पालिका) का अध्यक्ष बनाया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार इस अवसर पर बाबूलाल खोसिया, रामकुमार जडवाल, मालीराम बीछवालिया, उम्मेद टाडला, बाबूलाल दातला, रामेश्वर जड़वाल, कानाराम मेहता, शंकर खातोदिया, बनवारी यादव, भीमाराम यादव, कानाराम बाडीकर, विकास, राजेंद्र, कमलेश, गजेंद्र, निखिलेश एवं उम्मेद टाटला उपस्थित रहे।

डोटासरा का सीएम भजनलाल पर तीखा हमला

-बोले– मगरमच्छों पर कार्रवाई में देरी क्यों? दो साल के कामकाज पर खुली बहस की चुनौती

जयपुर। कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने पेपर लीक मामले में कथित "मगरमच्छों" पर कार्रवाई को लेकर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के बयान पर जोरदार पलटवार किया है। जयपुर स्थित कांग्रेस वॉर रूम में मीडिया से बातचीत करते हुए डोटासरा ने कहा कि जब मुख्यमंत्री को सब कुछ पता है तो फिर कार्रवाई में देरी क्यों की जा रही है। उन्होंने कहा कि कब पर्ची बदल जाए, इसका कोई भरोसा नहीं है। जो भी कार्रवाई करनी है, तुरंत कर दीजिए। अगर पता है कि मगरमच्छ कौन हैं तो फिर उन्हें पकड़ने में इतना समय क्यों लगाया जा रहा है। डोटासरा ने राज्य सरकार पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि वर्तमान सरकार में जमीनों की खुलेआम बंदरबांट चल रही है। उन्होंने दावा किया कि कई मंत्रियों की स्थिति यह है कि कलेक्टर तक उनके फोन नहीं उठाते। मुख्यमंत्री कैबिनेट बैठकों और सार्वजनिक मंचों पर अपने ही मंत्रियों की बेइज्जती करते हैं। कई मंत्री यह कहते हैं कि जब वे गलत काम की पर्ची मानने से इनकार करते हैं, तो उन्हें अपमानित किया जाता है। डोटासरा ने 'राइजिंग राजस्थान' कार्यक्रम को

भी जमीनों की बंदरबांट करार दिया। उन्होंने मुख्यमंत्री को सरकार के कामकाज पर खुली बहस की चुनौती देते हुए कहा कि वे अल्बर्ट हॉल के खुले मंच पर सरकार के दो साल और कांग्रेस सरकार के एक साल के कामकाज पर बहस करने को तैयार हैं। डोटासरा ने कहा कि अगर मुख्यमंत्री दावा कर रहे हैं कि उन्होंने दो साल में पांच साल का काम कर लिया है, तो फिर मुख्यमंत्री पद पर बने रहने की जरूरत ही क्या है। कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष ने मंत्री किरोड़ी लाल मीणा के आरोपों का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि किरोड़ी लाल मीणा ने खुद आरोप लगाया था कि रोजाना सात करोड़ रुपये की बजरी चोरी हो रही है, लेकिन इस पर आज तक मुख्यमंत्री ने कोई जवाब नहीं दिया। आरोप लगाने के बाद मंत्री खुद भी चुप क्यों हो गए, यह सवाल जनता के मन में है। डोटासरा ने जल जीवन मिशन मामले में महेश जोशी की गिरफ्तारी को राजनीतिक साजिश बताया। उन्होंने कहा कि भाजपा ने सत्ता में आने से पहले बड़े घोटालों की बात कही थी, लेकिन केवल महेश जोशी को जेल भेजकर खानापूर्ति कर ली गई। अगर उन्होंने भ्रष्टाचार किया था तो उन्हें जमानत कैसे मिल गई। उन्होंने कांग्रेस शासन की कल्याणकारी योजनाओं को बंद या कमजोर करने का भी आरोप लगाया। डोटासरा ने कहा कि खाद्य पैकेट योजना, चिरंजीवी योजना, स्मार्टफोन योजना और विदेश में पढ़ने वाले गरीब बच्चों की स्कॉलरशिप बंद कर दी गई। सरकारी स्कूलों में नामांकन में भारी गिरावट आई है और मुफ्त इलाज की सीमा भी घटा दी गई है। अंत में डोटासरा ने कहा कि किसान खाद के लिए लाठियां खा रहे हैं, उन्हें किसान सम्मान निधि की पूरी राशि नहीं मिल रही और सरकार जमीनी हकीकत से पूरी तरह कट चुकी है।

विभिन्न छात्रवृति योजनाओं के लिए ऑनलाइन पोर्टल प्रारंभ

-31 जनवरी तक किए जा सकेंगे आवेदन

-विभाग ने पहली बार शुरू की वन टाइम रजिस्ट्रेशन की सुविधा

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग ने शैक्षणिक सत्र 2025-26 में संचालित विभिन्न छात्रवृति योजनाओं के लिए ऑनलाइन पोर्टल खोल दिया है। 11 दिसंबर से शुरू हुई आवेदन प्रक्रिया 31 जनवरी, 2026 तक चलेगी। आवेदन में पहली बार वन टाइम रजिस्ट्रेशन व्यवस्था शुरू की है। निदेशक आशीष मोदी ने बताया कि आवेदन छात्रवृति योजना में आवेदन किये जाने से पूर्व विद्यार्थी के लिए नेशनल स्कॉलरशिप पोर्टल की वेबसाइट HTTPS://SCHOLARSHIPS.GOV.IN/OTRAPPLICATION /#/LOGIN-PAGE अथवा NSP OTR APP के माध्यम से OTR (ONE TIME REGISTRATION) किया जाना होगा। OTR की प्रक्रिया को पूर्ण करने के लिए विद्यार्थी को "NSP OTR APP" एवं "AADHARFACERD" APP डाउनलोड कर E-KYC एवं FACE AUTHENTICATION किया जाना अनिवार्य है। उन्होंने बताया कि सभी विद्यार्थी ऑनलाइन आवेदन स्वयं पासवर्ड सृजित कर अथवा ई-मित्र/साइबर कैफे /शैक्षणिक संस्थान से आवेदन करने पर समस्त प्रविष्टियों की जांच स्वयं कर लें। यदि कोई त्रुटि है तो आवेदन पत्र में सुधार करने के उपरान्त ही आवेदन पत्र को ऑनलाइन फाइनल सबमिट करें। मोदी ने बताया कि राजस्थान राज्य के मूल निवासियों के लिए विभाग द्वारा संचालित विभिन्न छात्रवृति योजनाओं में यथा अनुसूचित जाति/अनु. जनजाति/अति पिछड़ा वर्ग/अन्य पिछडा वर्ग/आर्थिक पिछडा वर्ग / मुख्यमंत्री सर्वजन उच्च शिक्षा उत्तर मैट्रिक छात्रवृति योजना/विमुक्त, घुमन्तु एवं अर्द्धघुमन्तु समुदाय तथा मिरासी एवं भिश्ती समुदाय योजना में राज्य की राजकीय/ निजी मान्यता प्राप्त शिक्षण संस्थाओं एवं राज्य के बाहर संचालित राष्ट्रीय/राजकीय स्तर की शिक्षण संस्थाओं के पाठ्यक्रमों में प्रवेशित / अध्ययनरत (कक्षा 11 व 12 के अतिरिक्त) शिक्षण संस्थाओं के विद्यार्थियों से बेव पोर्टल WWW.SJMSNEW.RAJASTHAN.GOV.IN/SCHOLARSHIP अथवा एसएसओ पोर्टल पर स्कॉलरशिप एसजेई एप के माध्यम से ऑनलाइन पेपरलैस छात्रवृति आवेदन कर सकते हैं। निदेशक ने शिक्षण संस्थानों से एक नोडल अधिकारी नामित कर AADHAR SEEDED / DBT ENABLED कराने संबंधी कार्यवाही नियमित रूप से करवाने के निर्देश दिए। साथ ही शिक्षण संस्थान में अध्ययनरत छात्रवृति के पात्र विद्यार्थियों का HTTPS://SCHOLARSHIPS.GOV.IN / OTRAPPLICATION/#/LOGIN-PAGE अथवा NSP OTR APP के माध्यम से OTR (ONE TIME REGISTRATION) करवाना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी विद्यार्थी बैंक में संपर्क कर बैंक खाते को AADHAR SEEDED एवं DBT ENABLED करवाया जाना सुनिश्चित करें।

वर्तमान राज्य सरकार के सफल 2 वर्ष:

'बढ़ता राजस्थान-हमारा राजस्थान' एलईडी वैन रथों को उदयपुर प्रभारी मंत्री ने दिखाई हरी झंडी

- जन-जन तक पहुँचेंगी भजनलाल सरकार की उपलब्धियां

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। वर्तमान राज्य सरकार के सफल दो वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर उदयपुर जिले में व्यापक स्तर पर विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है।

इसी क्रम में सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं, विकास कार्यों एवं उपलब्धियों को जन-जन तक पहुँचाने के उद्देश्य से 'बढ़ता राजस्थान-हमारा राजस्थान' अभियान के तहत मोबाइल एलईडी वैन रथों को शनिवार को सूचना केंद्र से उदयपुर जिले के प्रभारी मंत्री एवं राजस्व मंत्री हेमंत मीणा द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। ये एलईडी रथ जिले की सभी सात विधानसभा क्षेत्रों में विभिन्न गांवों एवं कस्बों में आमजन को सरकार की उपलब्धियों से अवगत कराएंगे। सूचना केंद्र परिसर में आयोजित कार्यक्रम में उदयपुर जिले के प्रभारी मंत्री हेमंत मीणा सहित जनप्रतिनिधियों एवं गणमान्य अतिथियों ने विधिवत रूप से एलईडी रथों

को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर प्रभारी मंत्री मीणा ने कहा कि राज्य सरकार ने बीते दो वर्षों में विकास, सुशासन और जनहित को सर्वाच्च प्राथमिकता दी है। शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, पेयजल, रोजगार, सामाजिक सुरक्षा एवं आधारभूत ढांचे के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य हुए हैं, जिनकी जानकारी अब एलईडी रथों के माध्यम से सीधे आमजन तक पहुँचेगी। कार्यक्रम में राज्यसभा सांसद चुन्नीलाल गरासिया, उदयपुर ग्रामीण विधायक फूलसिंह मीणा, गोगुन्दा विधायक प्रताप गमेती, वल्लभनगर विधायक उदयलाल डांगी, संभागीय आयुक्त प्रज्ञा केवलरमानी सहित बड़ी संख्या में स्थानीय जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

रूट चार्ट तय, उपखण्ड स्तर पर अधिकारियों-कर्मचारियों को सौंपी जिम्मेदारियां—

उदयपुर जिला कलेक्टर नमित मेहता ने बताया कि 26 दिसंबर तक ये रथ जिले की सभी 7 विधानसभा क्षेत्रों के गाँवों और कस्बों में जाकर राज्य सरकार की उपलब्धियों से संबंधित प्रचार गतिविधियां करेंगे। इस हेतु विधानसभा वार रूट चार्ट तय कर एसडीएम, तहसीलदार, बीडीओ सहित अन्य अधिकारियों-कर्मचारियों को जिम्मेदारियां सौंपी गई है। ये रथ प्रतिदिन हर विधानसभा में करीब 4 से 7 गांवों में जाएंगे तथा निर्धारित स्थान पर रात्रि विश्राम होगा।

डिस्कॉम का प्रदेश के कई जिलों में सघन विजिलेंस चौकिंग अभियान

-झालावाड़ के अकलेरा में जब्त किए 15 अवैध ट्रांसफार्मर

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। जयपुर विद्त वितरण निगम ने बकाया राजस्व संग्रहण तथा विद्त चोरी के खिलाफ प्रदेश के विभिन्न जिलों में सघन विजिलेंस चौकिंग अभियान संचालित किया है। इसके अन्तर्गत शनिवार को झालावाड़ जिले के अकलेरा उपखंड में विद्त सुरक्षा तथा निगम राजस्व के लिए हानि का कारण बन रहे अवैध ट्रांसफार्मरों को जब्त किया गया। इस दौरान एक दर्जन से अधिक गांवों में पुलिस जाब्ते के सहयोग से विद्त चोरी के खिलाफ कार्रवाई की गई। जिसमें 15 अवैध ट्रांसफार्मर जब्त किये गये व कई किलोमीटर लम्बी विद्त लाइन खोली गई। यह ट्रांसफार्मर विभागीय अनुमति के बिना लगाए गए थे, जिससे विद्त सुरक्षा एवं राजस्व, दोनों को नुकसान हो रहा था। ऑपरेशन ऊर्जा प्रहार के तहत विद्त निगम और जिला पुलिस के सहयोग से की गई संयुक्त कार्यवाही में वृत्ताधिकारी अकेलरा सहित अकलेरा, घाटोली एवं असनावर थाना प्रभारी मौजूद थे एवं निगम की ओर से करीब एक दर्जन अभियंता सम्मिलित रहे। इसी तरह खैरथल-तिजारा जिले में शुक्रवार को बिजली चोरी के खिलाफ अभियान में 51 स्थानों पर बिजली चोरी पकड़ी गई और 42 लाख से अधिक का जुर्माना लगाया गया। इस अभियान के लिए भिवाड़ी और किशनगढ़ बास के 13 अभियंताओं की टीम

गठित की गई थी। बारां जिले में बकाया उपभोक्ताओं से वसूली के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के अन्तर्गत 21 लाख से अधिक के बिल बकाया होने पर 7 कनेक्शनों के ट्रांसफार्मर उतारने की कार्रवाई की गई। इनमें से 2 कनेक्शनों ने अपनी राशि जमा कराई। करौली जिले में भी शुक्रवार को विद्त चोरी के खिलाफ कार्रवाई के अन्तर्गत 370 अवैध केबल जब्त की गईं। इसी तरह बकाया वसूली के लिए भी कार्रवाई की गई। भरतपुर के पहाड़ी में बकाया राशि वसूली के अभियान के अन्तर्गत अवैध ट्रांसफार्मर जब्त किया गया।

शिप्रापथ थाना पुलिस की बड़ी कामयाबी:

वाहन चोर गिरोह का भंडाफोड़, 6 चोरी की स्कूटी बरामद

जयपुर। जयपुर दक्षिण में वाहन चोरी की बढ़ती घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत पुलिस थाना शिप्रापथ ने लगातार दूसरी बड़ी कार्रवाई करते हुए एक शातिर वाहन चोर को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से 06 चोरी की स्कूटी और एक अवैध धारदार चाकू बरामद किया गया है। पुलिस उपायुक्त जयपुर दक्षिण राजर्षिराज आईपीएस के निर्देश पर अवैध हथियार रखने वालों और चोरी की वारदातों में लिप्त बदमाशों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त ललित शर्मा के सुपरविजन और सहायक पुलिस आयुक्त आदित्य काकड़े के निर्देशन में थाना शिप्रापथ की टीम ने यह महत्वपूर्ण सफलता हासिल की।

मुखबिर की सूचना पर दबिश

दिनांक 11 दिसंबर 2025 को गश्त के दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि रिको फन किंगडम के पास एक संदिग्ध युवक स्कूटी पर बैठकर नशा कर रहा है। सूचना पर थाना शिप्रापथ के थानाधिकारी महेन्द्र सिंह यादव (पु.नि.) के नेतृत्व में पुलिस टीम मौके पर पहुंची और संदिग्ध को पकड़ा। पूछताछ में उसने अपना नाम विष्णु बर्मन उर्फ रजनी, पुत्र हरिकांत बर्मन, उम्र 21 वर्ष, निवासी 45/104 हीरा पथ, मानसरोवर बताया। तलाशी के दौरान उसके पास से एक अवैध धारदार चाकू बरामद हुआ। साथ ही स्कूटी के नंबर की जांच करने पर वह चोरी की पाई गई। इस पर थाना शिप्रापथ में मुकदमा संख्या 767/2025 धारा 4/25 आर्म्स एक्ट में मामला दर्ज कर अनुसंधान शुरू किया गया।

पूछताछ में बड़ा खुलासा

दौरान-ए-तफ्तीश आरोपी ने कबूल किया कि वह नशे का आदी अपराधी है और नशे के पैसों के लिए स्कूटी, मोबाइल और लोहे के ढक्कन चोरी करता है। उसने जयपुर शहर के विभिन्न थाना क्षेत्रों—सोडाला, मानसरोवर और मुहाना—से एक दर्जन से अधिक चोरी की वारदातें करना स्वीकार

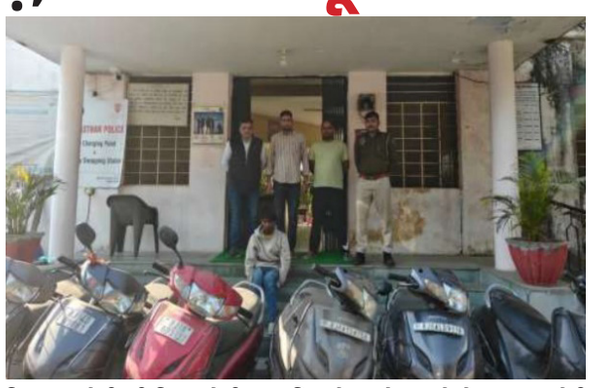

किया।आरोपी की निशानदेही पर पुलिस ने उसके कब्जे से कुल 06 चोरी की स्कूटी बरामद की हैं।

बरामद चोरी की स्कूटियां

1.RJ14BT0583 – पुलिस थाना शिप्रापथ
2.RJ14LD9118 – थाना मुहाना (मुकदमा संख्या 1193/2025)
3.RJ14DH9881 – थाना सोडाला (मुकदमा संख्या 464/2025)
4.RJ14YD4754 – थाना मानसरोवर (मुकदमा संख्या 990/2025)
5.RJ14DB6897 – थाना मानसरोवर (मुकदमा संख्या 874/2025)
6.RJ14QB3137 – थाना मुहाना (मुकदमा संख्या 1166/2025)

टीम की अहम भूमिका

इस कार्रवाई में छोटूराम कांस्टेबल 10424 और मंगलज कांस्टेबल 9867 (पुलिस थाना शिप्रापथ) की विशेष भूमिका रही। पुलिस आरोपी से आगे पूछताछ कर चोरी की अन्य वारदातों और संभावित साथियों के बारे में जानकारी जुटा रही है।

जयपुर पश्चिम पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 31.20 ग्राम स्मैक बरामद, एक आरोपी गिरफ्तार

जयपुर। जयपुर शहर में बढ़ते अवैध मादक पदार्थों के परिवहन व बिक्री पर अंकुश लगाने के लिए जयपुर पश्चिम पुलिस द्वारा लगातार सघन अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में थाना खोरा बीसल पुलिस और जिला विशेष टीम ने संयुक्त रूप से बड़ी कार्रवाई करते हुए 31.20 ग्राम अवैध मादक पदार्थ स्मैक बरामद कर एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस उपायुक्त जयपुर पश्चिम हनुमान प्रसाद आई.पी.एस. ने बताया कि अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ ताबड़तोड़ कार्रवाई के निर्देश सभी थानाधिकारियों को दिए गए थे। इन निर्देशों की पालना में दिनांक 11 दिसंबर 2025 को अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त जयपुर पश्चिम राजेश गुप्ता के निर्देशन एवं सहायक पुलिस आयुक्त झोटवाड़ा आलोक सैनी के सुपरविजन में थाना खोरा बीसल पुलिस ने यह महत्वपूर्ण कार्रवाई की। थानाधिकारी खोरा बीसल सुरेन्द्र सिंह पुलिस निरीक्षक तथा जिला विशेष टीम प्रभारी गणेश कुमार सैनी पुलिस निरीक्षक के नेतृत्व में गठित टीम ने खोरा बीसल थाना क्षेत्र में शीशम नर्सरी के पास, जीण रेस्टोरेंट जलोई के निकट कार्रवाई करते हुए अभियुक्त राहुल शर्मा (उम्र 21 वर्ष), पुत्र छीतरमल शर्मा, जाति ब्राह्मण, निवासी नागल लाड़ी पोस्ट जालसू, थाना खोरा बीसल, जयपुर पश्चिम को गिरफ्तार किया। आरोपी के कब्जे से 31.20 ग्राम अवैध मादक पदार्थ स्मैक बरामद किया गया। इस संबंध में थाना खोरा बीसल पर प्रकरण संख्या 113/2025 धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट-1985 के तहत मामला दर्ज कर अनुसंधान जारी है।

गठित टीम में शामिल अधिकारी एवं कर्मचारी:

टीम में शामिल अभिषेक स्वामी, उप निरीक्षक, थाना खोरा बीसल, मनेन्द्र सिंह, सहायक उप निरीक्षक, जिला विशेष टीम, गुरुदयाल, कानि. 3473, थाना खोरा बीसल, राकेश कुमार, कानि. 4174, थाना खोरा बीसल, कोमल सिंह, कानि. 8583, जिला विशेष टीम, सुरेश कुमार, कानि. 10750, जिला विशेष टीम, राकेश कुमार, कानि. 3879, जिला विशेष टीम में शामिल रहे । पुलिस विभाग ने बताया कि इस कार्रवाई में जिला विशेष टीम के मनेन्द्र सिंह सउनि एवं कोमल सिंह कानि. 8583 की भूमिका विशेष रूप से सराहनीय रही। जयपुर पश्चिम पुलिस ने स्पष्ट किया है कि शहर में नशे के कारोबार में लिप्त तत्वों के खिलाफ आगे भी इसी तरह सख्त और प्रभावी कार्रवाई जारी रहेगी।

जयपुर में लोहे की रेलिंग से टकराई ट्रैक्टर-ट्रॉली, कंटेनर से टच होने पर बिगड़ा संतुलन; सीट से उछलकर लटका ड्राइवर

जयपुर। शहर में शुक्रवार दोपहर एक बड़ा सड़क हादसा होते-होते टल गया। जयपुर-अजमेर हाईवे पर हाईवे और सर्विस लाइन के बीच लगी लोहे की सेफ्टी रेलिंग में एक ट्रैक्टर-ट्रॉली जा घुसी। हादसा उस वक्त हुआ जब हाईवे पर चल रहे एक कंटेनर से ट्रैक्टर-ट्रॉली का हल्का संपर्क हो गया, जिसके बाद चालक वाहन पर नियंत्रण खो बैठा। टक्कर इतनी तेज थी कि ट्रैक्टर-ट्रॉली रेलिंग को तोड़ते हुए आगे निकल गई और ड्राइवर सीट से उछलकर आगे की ओर लटक गया। पुलिस के अनुसार यह हादसा भांकरोटा थाना इलाके में दोपहर करीब 1 बजे हुआ। एक ट्रैक्टर-ट्रॉली हाईवे पर जा रही थी, तभी उसके पास से एक कंटेनर निकला। कंटेनर के गुजरते समय ट्रैक्टर की छत का हिस्सा उससे टच हो गया।

इसी के चलते ट्रैक्टर-ट्रॉली अचानक आउट ऑफ कंट्रोल हो गई और सीधे हाईवे व सर्विस लाइन के बीच लगी लोहे की सेफ्टी रेलिंग से टकरा गई। रेलिंग को तोड़ते हुए

ट्रैक्टर सर्विस लाइन की ओर बढ़ गया और बीच डिवाइडर पर अटक गया। हादसे के दौरान ट्रैक्टर की सीट पर बैठा ड्राइवर उछलकर आगे की ओर लटक गया, जिससे मौके पर अफरा-तफरी मच गई। हालांकि ड्राइवर ने ट्रैक्टर को मजबूती से पकड़ लिया, जिससे उसकी जान बच गई। गनीमत यह रही कि हादसे के समय न तो हाईवे पर पीछे से कोई वाहन आ रहा था और न ही सर्विस लाइन पर कोई अन्य गाड़ी मौजूद थी। अगर उस वक्त अन्य वाहन होते तो बड़ा और जानलेवा हादसा हो सकता था। सूचना मिलते ही भांकरोटा थाना पुलिस मौके पर पहुंची। स्थानीय लोगों की मदद से क्षतिग्रस्त लोहे की रेलिंग को सड़क किनारे हटवाया गया और यातायात को सुचारू किया गया। पुलिस ने बताया कि हादसे में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है, लेकिन ट्रैक्टर-ट्रॉली और रेलिंग को नुकसान पहुंचा है। मामले की जांच की जा रही है।

घड़साना की बड़ी उपलब्धि: आरसीवी एकेडमी बनी राजस्थान स्टेट टॉपर

-पूरे राज्य में परचम लहराया, घड़साना का नाम किया रोशन

-RSCIT में बेटी लक्ष्मी ने इतिहास रचा 100 में से 100 अंक प्राप्त किए....

निशान सतराना

घड़साना (रॉयल पत्रिका)। घड़साना की प्रतिष्ठित आरसीवी कंप्यूटर एजुकेशन एकेडमी ने इस वर्ष राज्यभर में शानदार प्रदर्शन करते हुए राजस्थान स्टेट टॉपर का खिताब अपने नाम कर लिया। यह उपलब्धि न केवल संस्था के लिए गर्व की बात है बल्कि पूरे घड़साना क्षेत्र की ऐतिहासिक उपलब्धि मानी जा रही है। संस्थान के संचालक आरसी वर्मा को यह सम्मान आरकेसीएल के डायरेक्टर रविंद्र शुक्ला द्वारा प्रदान किया गया। वर्मा ने इस सफलता का श्रेय अपने मेहनती विद्यार्थियों, अभिभावकों और घड़साना की जनता को देते हुए कहा कि आरसीवी एकेडमी ने हमेशा युवाओं को तकनीकी शिक्षा से जोड़ने और आधुनिक कंप्यूटर शिक्षा उपलब्ध कराने को प्राथमिकता दी है। आरसीवी कंप्यूटर एकेडमी लगातार क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य कर रही है और इस वर्ष की उपलब्धि ने साबित कर दिया कि ग्रामीण क्षेत्र के छात्र भी राज्य स्तर पर बेहतरीन प्रदर्शन कर सकते हैं। एवार्ड समारोह में आरकेसीएल टीम, कंप्यूटर प्रोफेशनल्स और कई गणमान्य लोग मौजूद रहे। संस्था को स्टेट लेवल पर टॉप

कराने में शिक्षकों की मेहनत और विद्यार्थियों की लगन की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

संस्था पर बधाइयों का तांता — घड़साना में खुशी की लहर देखने को मिली

घडसाना में कंप्यूटर के क्षेत्र मे युवाओं को जोडकर उन्हें बेहतरीन शिक्षा देने ओर क्षेत्र के आपसपास की बालिकाओं को कंम्यूटर शिक्षा से जोडकर बेहतरीन परिणाम देने पर आसीवी कंप्यूटर एकेडमी घडसाना को राजस्थान स्टेट टॉपर अवार्ड के साथ करियर काउंसलर कोच सर्टिफिकेट से सम्मानित किया गया।

आरसीवी एकेडमी के संचालक आरसी वर्मा ने कहा घड़साना से आज की सबसे गर्व की खबर— जहाँ शिक्षा ने फिर एक बार नया इतिहास रचा है। आर.सी.वी. एकेडमी की बेटी लक्ष्मी ने 100 में से 100 अंक प्राप्त कर न सिर्फ क्षेत्र का नाम रोशन किया है, बल्कि पूरे राजस्थान में घड़साना का परचम लहराया है। आर.सी.वी. एकेडमी, जिसे हाल ही में राजस्थान स्टेट टॉपर अवार्ड मिला था अब उसी एकेडमी की प्रतिभाशाली छात्रा ने परफेक्ट स्कोर हासिल कर क्षेत्र को फिर एक नई पहचान दी है। हमारी बेटी ने 100 में से 100 अंक लेकर घड़साना का सिर गर्व से ऊँचा कर दिया है। यह उपलब्धि सिर्फ हमारा नहीं, पूरे क्षेत्र का सम्मान है। हम आगे भी युवाओं को बेहतरीन तकनीकी शिक्षा देकर और ऐसे ही परिणाम लाने का प्रयास जारी रखेंगे।

डॉ. कृति भारती को इंटरनेशनल विमेन ऑफ करेज अवॉर्ड 2025 से नवाजा

-बाल विवाह निरस्त व रोकथाम की साहसिक मुहिम के लिए सर्वोच्च सम्मान

जोधपुर (रॉयल पत्रिका)। सारथी ट्रस्ट की मैनेजिंग ट्रस्टी एवं पुनर्वास मनोवैज्ञानिक डॉ. कृति भारती को अंतर्राष्ट्रीय ह्यमन राइट्स दिवस पर नई दिल्ली में आयोजित 15वीं इंटरनेशनल ह्यमन राइट्स समिट एंड अवॉर्ड्स 2025 में इंटरनेशनल विमेन ऑफ करेज अवॉर्ड 2025 से नवाजा गया। अखिल भारतीय मानवाधिकार, स्वतंत्रता एवं सामाजिक न्याय परिषद (AICHLS) सहित विश्व की 250 संस्थाओं की भागीदारी भारत इस्लामिक कल्चरल सेंटर आयोजित सम्मान समारोह में विश्वभर के सामाजिक कार्यकर्ताओं व शख्सियतों को सम्मानित किया गया। जिसमें भारत से एक मात्र डॉ.कृति को बाल विवाह निरस्त एवं रोकथाम और बाल व महिला संरक्षण की प्रेरक साहसिक मुहिम के लिए सर्वोच्च अवॉर्ड दिया गया। इससे पूर्व डॉ.कृति भारती को विश्व स्तर पर जेनेवा स्विट्जरलैंड में ह्यमन राइट्स अवार्ड 2022 और डॉ.लंदन और कोलंबो में भी पुरस्कृत किया जा चुका है। अखिल भारतीय मानवाधिकार, स्वतंत्रता एवं सामाजिक न्याय परिषद और लंदन, बांग्लादेश व भारत की करीब 250 संस्थाओं की संयुक्त भागीदारी में विभिन्न कैटेगरीज में विश्व भर की नामचीन शख्सियतों को पुरस्कृत किया जाता है। जिसमें इस साल सर्वोच्च सम्मान इंटरनेशनल विमेन ऑफ करेज अवॉर्ड 2025 के लिए बीबीसी 100 प्रेरणादायी महिलाओं की सूची में शामिल डॉ.कृति भारती को चुना गया। वहीं उदयपुर राजघराने के डॉ. लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ को ग्लोबल कल्चरल हेरिटेज फ़िलोंथ्रेपी अवॉर्ड , प्रसिद्ध ऑन्कोलॉजिस्ट डॉ. मीनू वालिया, यूएसए के डॉ.लामिया, राष्ट्रपति अवॉर्डी दिव्यांग खिलाड़ी और अमेरिका की डॉ. लामिया सहित विश्व भर की अलग अलग कैटेगरी में अवॉर्ड से नवाजा गया। कार्यक्रम में मानवाधिकार, स्वतंत्रता एवं सामाजिक न्याय परिषद के चेयरमैन सुप्रीम कोर्ट के वकील एंथनी राजू, लेफ़्टिनेंट जनरल जमीर उद्दीन शाह, मेजर जनरल डॉ.राजन कोचर, आईएएस डॉ.एनसी वाधवा सहित अन्य मौजूद थे।

52 बाल विवाह निरस्त, 2200 रुकवाए

उल्लेखनीय है कि यूएसए की ट्रैफ्ड मैगजीन के वर्ल्ड टॉप टेन एक्टिविस्ट सूची और बीबीसी 100 प्रेरणादायक महिलाओं की सूची में शामिल डॉ.कृति भारती ने देश का पहला बाल विवाह निरस्त करवाकर अनूठी पहल की थी। डॉ.कृति ने अब तक 52 जोड़ों के बाल विवाह निरस्त करवाए और 2200 से अधिक बाल विवाह रूकवाए हैं। बाल विवाह के खिलाफ उनकी मुहिम के अलग-अलग कार्यों को 9 अंतरराष्ट्रीय व राष्ट्रीय रिकॉर्ड्स में दर्ज किया गया है। सीबीएसई बोर्ड ने भी अपने पाठ्यक्रम में डॉ.कृति की मुहिम को शामिल किया। डॉ.कृति को मारवाड़ और मेवाड़ रत्न सहित कई राष्ट्रीय व अन्तर्राष्ट्रीय सम्मानों से नवाजा जा चुका है।

सलीम खान निर्विरोध महासचिव निर्वाचित, अधिवक्ता समाज में खुशी की लहर

मोहम्मद अली पठान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला न्यायालय में पिछले 10 वर्षों से निरंतर अधिवक्ता के रूप में सेवाएं दे रहे सलीम खान एडवोकेट (मूल निवासी बिनासर, हाल निवास नया बास, चूरू) को अभिभाषक संघ चूरू के चुनाव में निर्विरोध महासचिव चुना गया है। शुक्रवार को संपन्न हुए अभिभाषक संघ चूरू के चुनाव में यह महत्वपूर्ण निर्णय सर्वसम्मति से लिया गया। सलीम खान के महासचिव पद पर निर्वाचित होने पर अधिवक्ता साथियों, शुभचिंतकों एवं परिवारजनों में हर्ष का माहौल है। सभी ने उनके प्रति विश्वास जताते हुए कहा कि उनके अनुभव, कार्यशैली और समन्वय क्षमता से अभिभाषक संघ को नई दिशा और मजबूती मिलेगी।शुभचिंतकों का मानना है कि सलीम खान

के नेतृत्व में अधिवक्ताओं की समस्याओं के समाधान, न्यायिक व्यवस्था में सहयोग और संघ के कार्यों में पारदर्शिता एवं सक्रियता और बेहतर होगी। उनके निर्विरोध निर्वाचन को अधिवक्ता समाज की एकजुटता और उनके प्रति विश्वास का प्रतीक माना जा रहा है। महासचिव पद पर चयन के बाद सलीम खान ने सभी अधिवक्ताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे संघ के हितों और अधिवक्ता साथियों के अधिकारों के लिए पूरी निष्ठा और समर्पण से कार्य करेंगे।

राजकीय विद्यालय 2 एमएलडीए के बच्चों का शैक्षिक भ्रमण, बैंकिंग–इंश्योरेंस सहित कई संस्थानों का अध्ययन

-बच्चों ने सीखा बैंकिंग व इंश्योरेंस का वास्तविक कामकाज

-शैक्षिक भ्रमण में बच्चों ने देखा बैंक, एलआईसी से लेकर पुलिस थाना तक का कार्यक्षेत्र

घड़साना (रॉयल पत्रिका)। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय 2 एमएलडीए पुरानी मंडी घड़साना के विद्यार्थियों द्वारा विद्यालय स्टाफ के साथ एक दिवसीय शैक्षिक भ्रमण आयोजित किया गया। विद्यालय के प्रधानाचार्य चिरंजीलाल पारीक तथा यथास्थान प्रधानाचार्य रिछपाल चौहान ने दो बसों को हरी झंडी दिखाकर भ्रमण हेतु रवाना किया। सीनियर टीचर रामकिशन बसोड़ ने बताया कि विद्यालय में गत सत्र से राज्य सरकार द्वारा व्यावसायिक शिक्षा के अंतर्गत बैंकिंग एवं इंश्योरेंस विषय संचालित है। इसी क्रम में कक्षा 9 व 10 के विद्यार्थियों को विभिन्न वित्तीय संस्थाओं के वास्तविक कार्यों को समझाने के उद्देश्य से यह भ्रमण कराया गया। विद्यार्थियों ने ICICI बैंक, HDFC बैंक, LIC फ्रेंचाइजी, पुलिस थाना नई मंडी घड़साना तथा खाटू श्याम मंदिर का भ्रमण कर संबंधित

संस्थाओं के कार्यों, प्रक्रियाओं और सेवाओं की विस्तृत जानकारी प्राप्त की। भ्रमण के दौरान बच्चों ने अंबेडकर चौक पहुँचकर संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किए और उनके विचारों को आत्मसात करने का संकल्प लिया। इस शैक्षिक यात्रा में विद्यालय की अध्यापिकाएँ रेखा दायमा, अंकिता, तथा सीनियर टीचर ओमप्रकाश में इंदलिया सहित विद्यालय स्टाफ के सदस्य — विनोद कुमार, मोहन लाल चौहान, इन्द्र सिंह, अनिता कायथ, शकुंतला कुमारी, रेखा अरोड़ा, सीमा भोबिया, पूनम गुप्ता आदि साथ रहे। विद्यालय प्रबंधन ने बताया कि ऐसे शैक्षिक भ्रमण विद्यार्थियों को विषयों की व्यावहारिक समझ देने के साथ-साथ उन्हें भविष्य की दिशा तय करने में भी सहायक सिद्ध होते हैं।

जन- जन तक पहुचाएंगे सरकार के सफलतम 2 वर्षों की जनकल्याणकारी योजनाएं

शब्बीर हुसैन

बारां (रॉयल पत्रिका) । मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व वाली राजस्थान सरकार के सफलतम दो वर्ष पूर्ण होने पर सुशासन पखवाड़े के तहत आमजन को समर्पित जनकल्याण के कार्यों को लेकर विकास रथ जिले की सभी विधानसभाओं के मण्डलों में जाएंगे। कार्यक्रम को लेकर जिला संगठन सहप्रभारी गौरव शर्मा ने कार्यकर्त्ताओं की बैठक ली। शर्मा ने कार्यक्रम की रूपरेखा विस्तृत रूप से रख कर समुचित

क्रियान्वयन को लेकर चर्चा की और विधानसभा वार दिवस प्रमुख के रूप में कार्यकर्त्ताओं को जिम्मेदारियां दी। बैठक में भाजपा नेता राकेश जैन, निर्मल माथोडिया, जयेश गालव व देवेन्द्र शर्मा, श्री कृष्ण मेहता, कैलाश शर्मा, योगेश राजोरा, सचिन सनाढ्य, रोहित नायक, धीरेंद्र नागर सहित कार्यकर्त्ता उपस्थित रहे।

'आपकी पूंजी आपका अधिकार' के तहत जिला स्तरीय शिविर आयोजित

बारां (रॉयल पत्रिका)। 'आपकी पूंजी आपका अधिकार' जिला स्तरीय शिविर का आयोजन श्रीराम स्टेडियम में आयोजित किया गया। जिसमें आमजन को बैंक खातों में जमा परिवारजनों व स्वयं की अनक्लेम्ड राशि के आहरण को लेकर जानकारी दी गई। जिला कलक्टर रोहिताश्व सिंह तोमर एवं राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति के निर्देश अनुसार जिला अग्रणी कार्यालय एवं जिले के सभी बैंकों की ओर से आयोजित कार्यक्रम का उद्देश्य लोगों को केन्द्र सरकार की उस पहल से अवगत करना था जिसमें उनके बैंकों, इन्शोरेंस कम्पनियों एवं म्यूच्युअल फण्ड में पड़े अनक्लेम्ड डिपॉजिट्स को वापस लेने के लिए प्रचार प्रसार एवं सहयोग प्रदान कराना है। कार्यक्रम में मंच पर आसीन विधायक राधेश्याम बैरवा, एडीम भंवरलाल जनागल, जिला परिषद सीईओ राजवीर सिंह चौधरी, आरबीआई एलडीओ

मृदुला माहेश्वरी, डीडीएम नाबार्ड घनश्याम मीणा, आरजीबी आरएम सत्यनारायण बैरवा एवं एलडीएम राहुल रैकवार ने कार्यक्रम के बारे में विस्तृत जानकारियां दी। कार्यक्रम में प्राप्त आंकड़ों के अनुसार ये भी बताया गया की जिले में लगभग 1211 निवासियों का 18.63 करोड़ रूपए जमाकर्ता शिक्षा एवं जागरूकता कोष में जमा है। इस कार्यक्रम में एलडीएम रैकवार ने आमजन से अपील कि की वो इस अभियान में बढ़-चढ़ कर भाग लें और अपने सगे सम्बन्धियों को भी इसके बारे में अवगत कराएं ताकि उनका पैसा अगर कहीं जमाकर्ता शिक्षा एवं जागरूकता कोष में फंस गया हो तो उसे वापस लाया जा सके। इस कार्यक्रम में विभिन्न बैंकों के लाभार्थियों को चैक एवं प्रमाण पत्रों का भी वितरण किया गया ।

महारैली में पाली जिले से सैकड़ों कार्यकर्ता जिलाध्यक्ष निम्बाडा के नेतृत्व हुए रवाना

मोहम्मद यासीन

पाली (रॉयल पत्रिका)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मलिकार्जुन खरगे व नेता विपक्ष राहूल गांधी के निर्देशानुसार एवं राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के आह्वान पर 14 दिसंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान में होने वाली "वोट चोर गद्दी छोड़" और SIR को लेकर कांग्रेसजनों में भारी उत्साह है। यह जानकारी देते हुए जिला प्रवक्ता रफीक चौहान ने बताया कि जिलाध्यक्ष शिशुपाल सिंह निम्बाडा ने कहा कि महारैली में सच की सुनवाई होगी और BJP - ECI की चोरी का हिसाब होगा। भाजपा सरकार के पतन की महारैली में सैकड़ों कांग्रेस जन कूच कर रहे हैं। वोट चोरी लोकतंत्र पर सीधा हमला है जो BJP और चुनाव आयोग की मिलीभगत से हो रहा है। लोकतंत्र को बचाना है तो इस वोट लूट के खिलाफ हर भारतीय को खड़ा होना होगा। लुटे गए जनादेश का हिसाब अब देश की जनता मांगेगी। महारैली मे आज 13 दिसम्बर शाम को पाली जिले के पाली, रोहट, पाली देहात, सुमेरपुर, देसूरी, रानी, मारवाड़ जंक्शन, बाली, सोजत सहित हर ब्लॉक से पीसीसी पदाधिकारी, पुर्व सांसद, लोकसभा प्रत्याशी, विधायक, विधानसभा प्रत्याशी, पुर्व जिला प्रमुख/ प्रत्याशी, प्रधान/ प्रत्याशी, पुर्व सभापति/ प्रत्याशी, ब्लॉक अध्यक्ष, मण्डल अध्यक्ष, पुर्व ब्लॉक अध्यक्ष, अग्रिम संगठनों अध्यक्ष, प्रकोष्ठों के अध्यक्ष, पार्षदगण, समस्त कार्यकर्ता, पदाधिकारी बसों और निजी वाहनों द्वारा सैकड़ो की तादाद में कांग्रेसजन जिलाध्यक्ष शिशुपाल सिंह निम्बाडा के नेतृत्व में महारैली में भाग लेने वोट चोर गद्दी छोड़ एवं कांग्रेस पार्टी जिंदाबाद के नारे के साथ महासंकल्प रैली को सफल बनाने हेतु दिल्ली रवाना हुए।

भालेरी रोड पर 'आपणी योजना' के पास खतरनाक ऊँचाई बनी जानलेवा

-देर रात तेज़ रफ्तार कार हादसे का शिकार

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय के प्रमुख मार्ग आपणी योजना से भालेरी रोड की ओर मात्र 50 मीटर आगे स्थित सड़क की अत्यधिक ऊँचाई आमजन के लिए गंभीर खतरा बनती जा रही है। यह स्थान इतना खतरनाक है कि पहली बार आने वाले वाहन चालकों को यह स्पष्ट नहीं हो पाता कि आगे अचानक ढलान है, जिसके कारण यहाँ आए दिन दुर्घटनाएँ हो रही हैं। बीती देर रात एक तेज़ रफ्तार कार भालेरी रोड पर आपणी योजना के पास स्थित खतरनाक बिंदु पर अनियंत्रित होकर लगभग 100 मीटर तक पलटते हुए सड़क किनारे स्थित एक शोरूम से जा टकराई। हादसे में कार में सवार चारों व्यक्ति घायल हो गए। रात का समय होने के बावजूद जैसे ही घटना की जानकारी मिली, पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए घायलों को निजी वाहनों की सहायता से अस्पताल में भर्ती कराया।घटनास्थल पर मौजूद स्थानीय लोगों से बातचीत में सामने

आया कि सड़क की असामान्य ऊँचाई के कारण इस स्थान पर पहले भी कई दुर्घटनाएँ हो चुकी हैं। इस समस्या को लेकर पूर्व में भी प्रशासन को अवगत कराया जा चुका है, लेकिन अब तक इस पर कोई ठोस कार्य नहीं किया गया है। यह दुर्घटनाग्रस्त बिंदु केवल वाहन चालकों के लिए ही नहीं, बल्कि आस-पास रहने वाले नागरिकों और पैदल चलने वालों के लिए भी जानलेवा साबित हो रहा है। जानकारी के अनुसार, आपणी योजना की बड़ी पाइपलाइन गुजरने के कारण सड़क की ऊँचाई असामान्य रूप से अधिक हो गई है। जब तक इसका स्थायी समाधान नहीं किया जाता, तब तक इस दुर्घटना संभावित बिंदु से खतरा समाप्त नहीं हो सकता। गनीमत यह रही कि इस हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई, लेकिन कार पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। स्थानीय नागरिकों ने प्रशासन से तत्काल सड़क की ऊँचाई संतुलित करने, चेतावनी संकेतक लगाने तथा आवश्यक सुरक्षा उपाय करने की मांग की है, ताकि भविष्य में किसी की जान जोखिम में न पड़े।

मुस्लिम महासभा के करौली जिला महामंत्री बने ईशुब हाडौली

-समाज में खुशी की लहर, शुभचिंतकों ने दी बधाई

हनीस खान कुतकपुर

हिंडौन/करौली (रॉयल पत्रिका)। मुस्लिम महासभा की राष्ट्रीय अध्यक्षा रेशमा सोलंकी, राष्ट्रीय संरक्षक सिकंदर पठान, राष्ट्रीय प्रभारी अमजद पठान, राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष इकबाल खान भाटी एवं प्रदेश मीडिया प्रभारी अजीम खान चिनायटा व भरतपुर संभाग प्रभारी मोहम्मद रफीक शाह की विशेष अनुशंसा पर करौली जिला अध्यक्ष इस्लाम खान मूंडरी ने ईशुब हाडौली को करौली जिला महामंत्री के रूप में नियुक्त किया है। नियुक्ति आदेश जारी होते ही करौली जिले सहित पूरे क्षेत्र में खुशी की लहर दौड़ गई। मुस्लिम समाज के लोगों ने इस निर्णय का स्वागत करते हुए इसे संगठन को नई ऊर्जा और दिशा देने वाला कदम बताया। ईशुब हाडौली लंबे समय से समाजसेवा, शिक्षा प्रसार और युवाओं के मार्गदर्शन से जुड़े रहे हैं। उन्होंने सदैव समाज में एकता, भाईचारा और शिक्षा के प्रसार के लिए सक्रिय भूमिका निभाई है। उनकी मेहनत और समर्पण को देखते हुए संगठन ने उन्हें यह

महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी है। मुस्लिम महासभा का प्रमुख उद्देश्य "तालीम, तंजीम और तिजारत" — यानी शिक्षा, संगठन और व्यापार के माध्यम से समाज को मुख्यधारा से जोड़ना है। संगठन देशभर में मुस्लिम समुदाय की सामाजिक, शैक्षिक और आर्थिक तरक्की के लिए काम कर रहा है। राष्ट्रीय अध्यक्ष रेशमा सोलंकी ने कहा कि ईशुब हाडौली जैसे जुझारू और ईमानदार कार्यकर्ता संगठन की रीढ़ हैं। हमें विश्वास है कि उनके नेतृत्व में करौली जिले में संगठन और अधिक मजबूत होगा। वहीं राष्ट्रीय प्रभारी अमजद पठान ने अपनी प्रतिक्रिया में कहा कि मुस्लिम महासभा समाज के उत्थान की दिशा में काम कर रही है। ईशुब हाडौली की नियुक्ति से करौली जिले में संगठन की गतिविधियाँ और तेजी से आगे बढ़ेंगी। प्रदेश मीडिया प्रभारी अजीम खान चिनायटा व भरतपुर संभाग प्रभारी मोहम्मद रफीक शाह ने सोशल मीडिया के माध्यम से ईशुब हाडौली को हार्दिक बधाई दी और कहा कि ईशुब हाडौली की नियुक्ति संगठन के लिए गौरव की बात है। उनके नेतृत्व में जिले में शिक्षा, रोजगार और सामाजिक एकता के क्षेत्र में सकारात्मक बदलाव देखने को मिलेंगे। इसके अलावा कई समाजसेवियों, कार्यकर्ताओं और स्थानीय नागरिकों ने भी ईशुब हाडौली को शुभकामनाएँ देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर ईशुब हाडौली ने संगठन की राष्ट्रीय अध्यक्ष रेशमा सोलंकी व समस्त कार्यकारिणी, जिला अध्यक्ष, एवं समस्त शुभचिंतकों का आभार जताया।

एडीएम ने किया विकास प्रचार रथों के प्रदर्शन का निरीक्षण

बारां (रॉयल पत्रिका)। राज्य सरकार के दो वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में चार विकास प्रचार रथों के माध्यम से जिले के सभी विधानसभा क्षेत्रों में आमजन तक सरकार की उपलब्धियों को पहुंचाया जा रहा है। एडीएम भंवरलाल जनागल ने शनिवार दोपहर जिला मुख्यालय पर प्रचार कर रहे विकास प्रचार रथ द्वारा किए जा रहे वीडियो प्रसारण का निरीक्षण करते हुए अवलोकन किया। इस दौरान एडीएम ने

प्रचार रथ चालकों को सभी नगर व गांवों के प्रमुख स्थलों पर पहुंचकर आमजन तक सरकार की योजनाओं व उपलब्धियों को पहुंचाने के निर्देश दिए।

राज्य सरकार की 2 साल की उपलब्धियों के प्रचार-प्रसार के लिए सभी विधानसभा क्षेत्रों में पहुचें विकास रथ

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। राज्य सरकार के 2 वर्ष का कार्यकाल पूर्ण होने के उपलक्ष्य पर राज्य सरकार की उपलब्धियों, फ्लेगशिप योजनाओं, बजट घोषणाओं के व्यापक प्रचार-प्रसार हेतु विकास रथ जिले की चारों विधानसभा में पहुंच चुके है। जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी गौरव बुडानिया ने बताया कि विकास रथों द्वारा जिले की चारों विधानसभा क्षेत्रों में सवाई माधोपुर की सूरवाल, नींदड़दा, सुनारी, सिनोली एवं बन्धा में, खण्डार की टोडरा, फलौदी, दुमोदा, हलोन्दा, चितारा, रामपुरा एवं लहसोड़ा में, गंगापुर सिटी की महुकलां, खानपुर बड़ौदा एवं जाट बड़ौदा

में तथा विधानसभा बामनवास की भिनोरा, जीवद, फुलवाड़ा, बिन्जारी एवं सुमेल आदि ग्राम पंचायतों में पहुंचे। इस दौरान जनप्रतिनिधियों एवं आमजन द्वारा जगह-जगह रथों का स्वागत किया गया एवं बड़ी संख्या में उपस्थितजनों द्वारा विकास रथों के माध्यम से राज्य सरकार की 2 वर्षों की उपलब्धियों, फ्लेगशिप योजनाओं, नीतिगत सुधारों, की जानकारी ऑडियो-वीडियो के माध्यम से सुना।

2 वर्ष पूर्ण होने पर प्रभारी मंत्री ने बताई उपलब्धियां "राजस्थान प्रगति के नए आयाम छू रहा है" - मंजू बागमार

चित्तौड़गढ़ (रॉयल पत्रिका)। जिला परिषद के ग्रामीण विकास अभिकरण सभागार में आयोजित प्रेस वार्ता में मंत्रीजिला प्रभारी मंत्री मंजू बागमार ने मीडिया प्रतिनिधियों को राज्य सरकार की दो वर्ष की प्रमुख उपलब्धियों की विस्तार से जानकारी दी। मंत्री बागमार ने कहा कि राज्य सरकार ने अपने दो वर्ष के कार्यकाल में सभी फ्लैगशिप योजनाओं को प्रभावी रूप से धरातल पर उतारने का कार्य किया है, जिससे आमजन को प्रत्यक्ष लाभ मिल रहा है। उन्होंने कहा कि विभिन्न विकास कार्यक्रमों ने राजस्थान को प्रगति के नए आयामों तक पहुंचाया है। उन्होंने प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री द्वारा निर्धारित "2047 तक विकसित भारत" और "विकसित है राजस्थान" के विज़न के तहत किए जा रहे प्रयासों पर प्रकाश डालते हुए बताया कि राज्य सरकार इस दिशा में अनेक महत्वपूर्ण कदम उठा रही है। मंत्री बागमार ने प्रवासी राजस्थान एवं राइजिंग राजस्थान के तहत हुए एमओयू और निवेश अवसरों की भी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि प्रदेश का समावेशी विकास राज्य सरकार का प्रमुख उद्देश्य है। इस अवसर पर उन्होंने राज्य स्तर एवं चित्तौड़गढ़ जिले में दो वर्षों में हुए विभिन्न विकास कार्यों और उपलब्धियों की विस्तृत जानकारी भी साझा की।

प्रेस कॉन्फ्रेंस के बाद राज्य सरकार के 2 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष में प्रभारी मंत्री डॉ. मंजू बागमार ने कलक्ट्रेट परिसर से विकास रथों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह विकास रथ जिले के सभी विधानसभा क्षेत्रों में पहुंचकर केंद्र एवं राज्य सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार करेंगे। इस अवसर पर प्रभारी मंत्री डॉ मंजू बागमार ने कलक्ट्रेट परिसर से सड़क सुरक्षा के तहत रैली को भी हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस दौरान जिला कलक्टर आलोक रंजन, रतनलाल गाडरी, हर्षवर्धन सिंह, सागर सोनी सहित अतिरिक्त जिला कलक्टर प्रभा गौतम, मुख्य कार्यकारी अधिकारी जिला परिषद विनय पाठक, अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी जिला परिषद राकेश पुरोहित सहित जिला स्तरीय अधिकारी एवं मीडिया कर्मी उपस्थित रहे।

सरकारी योजनाओं के व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए रवाना हुए विकास रथ

अतिरिक्त संभागीय आयुक्त ने किया सीएचसी, स्कूल व अन्नपूर्णा रसोई का निरीक्षण

बूंदी (रॉयल पत्रिका)। अतिरिक्त संभागीय आयुक्त ममता कुमारी तिवारी ने गुरुवार और शुक्रवार को बूंदी जिले के धनेश्वर और डाबी स्थित स्कूलों, चिकित्सा केंद्रों और अन्नपूर्णा रसोई का निरीक्षण किया। उन्होंने निरीक्षण के दौरान अन्नपूर्णा रसोई की अव्यवस्थाओं पर गहरी नाराजगी जताई। साथ ही चिकित्सा सेवाओं पर संतोष जताया। धनेश्वर स्थित राजकीय महात्मा गांधी अंग्रेजी माध्यम विद्यालय के निरीक्षण में सामने आया कि कई विद्यार्थी लंबे समय से अनुपस्थित चल रहे हैं, जिसका सीधा असर उनके शैक्षणिक स्तर पर पड़ रहा है। उन्हों ने इस संबंध में प्रधानाचार्य और शिक्षकों को निर्देश दिए कि वे अनुपस्थित बच्चों के अभिभावकों से व्यक्तिगत संपर्क करने और उन्हें नियमित स्कूल भेजने के लिए प्रेरित करें। उन्होंने बताया कि आरएपीपी (RAPP) के पैराफेरी क्षेत्र में स्थित इस स्कूल के समुचित विकास और संसाधनों के लिए वे आरएपीपी के केंद्र निदेशक से वार्ता करेंगी, ताकि सीएसआर के तहत विद्यालय का कायाकल्प हो सके। अतिरिक्ते संभागीय आयुक्त् ने डाबी में अन्नदपूर्णा रसोई का निरीक्षण किया। उन्होंथने अन्नउपूर्णा रसोई में खाना खाया और भोजन की गुणवत्तास को संतोषजनक बताया। उन्हों ने डाबी के नायब तहसीलदार को निर्देश दिए कि अन्नुपूर्णा रसोई में आमजन के बैठकर खाना खाने की व्यवस्था सुनिश्चित की जावें। उन्होंचने डाबी के राजकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का निरीक्षण कर यहां की व्यावस्थासओं की सराहना की। उन्हों ने वार्ड में भर्ती मरीजों और उनके परिजनों से संवाद किया। इस दौरान अतिरिक्ती संभागीय आयुक्तर को परिजनों ने बताया कि अस्पताल के चिकित्सक और नर्सिंग स्टाफ समय पर इलाज कर रहे हैं और उनका व्यवहार सहयोगात्मक हैं।

गर्भवती महिलाओं को मिल रहा एफसीएम का सुरक्षा कवच

-एनीमिया से घबराएं नहीं, जागरूक बनें और चिकित्सा केन्द्रों पर जाएं: सीएमएचओ

पाली (रॉयल पत्रिका)। पाली जिले को एनीमिया मुक्त बनाने की दिशा में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग विशेष अभियान पिंक पखवाड़ा चला रहा है। यह 15 दिसंबर तक चलेगा। इस अभियान का उद्देश्य गंभीर एनीमिया से ग्रसित गर्भवती महिलाओं में खून की कमी को दूर कर उन्हें एनीमिया मुक्त कर स्वस्थ बनाना है। एनीमिक पीड़ित महिलाओं को चिकित्सक की देखरेख में निशुल्क फेरिक कार्बोक्सी माल्टोज(एफसीएम) इंजेक्शन लगा रहे हैं। सीएमएचओ डॉ विकास मारवाल ने बताया कि जिन गर्भवती महिलाओं में हीमोग्लोबिन का स्तर बहुत कम है तथा उन्हें आयरन की गोलियों

पर्याप्त मात्रा में लेने के बावजूद हीमोग्लोबिन स्तर में वृद्धि नहीं हो रही, उन्हें चिकित्सकीय परामर्श के बाद इंजेक्शन लगाए जा रहे हैं। एफसीएम इंजेक्शन सुरक्षित है। इससे शरीर में हीमोग्लोबिन का स्तर तेजी से बढ़ता है। सीएमएचओ मारवाल ने अपील की कि वे एनीमिया (खून की कमी) को हल्के में न लें। चक्कर आना, थकान महसूस होना या सांस फूलना जैसे लक्षण दिखने पर घबराएं नहीं, जागरूक बनें और समय पर तुरंत नजदीकी स्वास्थ्य केन्द्र जाकर चिकित्सक को दिखाकर जांच करवाएं।

सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बेसवा में लगा मेगा कैम्प

-शिविर में 113 बच्चों का हुआ उपचार, 17 को किया रैफर

सीकर (रॉयल पत्रिका)। चिकित्सा विभाग की ओर से राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत मेगा शिविरों का आयोजन किया जा रहा हैं। शिविरों में आरबीएसके की टीम द्वारा चिन्हित किए गए बच्चों का विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा उपचार किया गया। सीएमएचओ डॉ. अशोक महरिया ने बताया कि शुक्रवार को फतेहपुर ब्लॉक के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बेसवा में आयोजित आरबीएसके मेगा शिविर में 130 बच्चे स्वास्थ्य परीक्षण के लिए आए, जिनमें से 113 बच्चों का उपचार किया गया। 17 बच्चों को उच्च संस्थान पर इलाज के लिए रैफर किया गया। शिविर में शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. आरएन जाट, नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. प्रसन्नता, ईएनटी विशेषज्ञ डॉ. ईरम शेख, चर्म रोग विशेषज्ञ डॉ. साक्षी सिंघल एवं दंत रोग चिकित्सक

सीता ने अपनी सेवाएं दी। आरसीएचओ डॉ. विशाल सिंह ने बताया कि 13 दिसम्बर को सीएचसी थोई, 15 दिसम्बर को सीएचसी खीरवा, 16 दिसम्बर को सीएचसी कांवट, 17 दिसम्बर को सीएचसी गुहाला, 18 दिसम्बर को सीएचसी श्रीमाधोपुर, 19 दिसम्बर को पीएचसी सांवलपुरा तंवरान, 20 दिसम्बर को सीएचसी पाटन, 22 दिसम्बर को सीएचसी धोद, 23 दिसम्बर को सीएचसी मंगूलणा, 24 दिसम्बर को सीएचसी पिपराली का शिविर लगेंगा। जिले में सात फरवरी तक शिविर आयोजित होंगे।

विकास रथ को दिखाई हरी झंडी, राज्य सरकार की योजनाओं का विकास रथ करेंगे प्रचार-प्रसार

सिरोही (रॉयल पत्रिका)। राज्य सरकार के कार्यकाल के 2 वर्ष पूर्ण होने पर राज्य के उद्योग एवं वाणिज्य, युवा मामले एवं खेल विभाग मंत्री राज्य मंत्री के.के. विश्नोई ने शुक्रवार को बढता राजस्थान हमारा राजस्थान के तहत कलेक्ट्रेट परिसर से विकास रथों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। ये रथ जिले में विधानसभावार विभिन्न ग्राम पंचायतों आदि में घूमकर राज्य सरकार की योजनाओं का प्रचार प्रसार करेंगे और आमजन को सरकार की योजनाओं से जोडने का काम करेंगे। विकास रथ में उपलब्ध सुझाव पेटिका के माध्यम से जनता से विभिन्न सुझावों को भी लिया जाएगा। 26 दिसम्बर तक विधानसभावार प्रचार प्रसार करने वाले इन रथों के लिए सम्बन्धित उपखंड अधिकारी को नोडल अधिकारी एवं सम्बन्धित विकास अधिकारी को सह नोडल अधिकारी बनाया गया है। इन

रथों द्वारा विधानसभा वार एलईडी स्क्रीन पर राज्य सरकार से जुडी विभिन्न योजनाओं का प्रसारण किया जाएगा साथ ही प्रचार सामग्री का वितरण भी किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि राज्य सरकार के दो वर्ष पूर्ण होने पर प्रदेश के सभी 200 विधानसभा क्षेत्रों में 200 विकास रथ भेजे गये है। इसके माध्यम से प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में राज्य सरकार की 2 वर्ष की उपलब्धियों, फ्लैगशिप योजनाओं, नीतिगत सुधारों की जानकारी ऑडियो/वीडियों के माध्यम से आमजन तक पहुचाई जाएगी। कार्यक्रम में सभी अतिथियों का बालिकाओं द्वारा सामेले से स्वागत किया गया। विधायक समाराम गरासिया, जिला प्रमुख अर्जुनराम पुरोहित, जिला कलेक्टर अल्पा चौधरी, पुलिस अधीक्षक प्यारेलाल शिवरान, मुख्य कार्यकारी अधिकारी प्ररकाश चंद अग्रवाल, डॉ रक्षा भंडारी, गणपत सिंह राठौड सहित अन्य उपस्थित थे।

जिले को बाल विवाह मुक्त बनाने के लिए युवाओं को आगे आना होगा – सीडीईओ

चित्तौड़गढ़ (रॉयल पत्रिका)। जिले को बाल विवाह मुक्त बनाने के लिए युवाओं और विद्यार्थियों को सक्रिय रूप से आगे आकर पहल करनी होगी, ताकि किसी भी गांव, ढाणी या दूरस्थ क्षेत्र में बाल विवाह जैसी कुप्रथा होने से रोका जा सके। यह बात मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी प्रमोद दशोरा ने युवा महोत्सव 2025 के दौरान व्यक्त की। जिला कलक्टर आलोक रंजन के निर्देशानुसार जिले में चल रहे बाल विवाह मुक्त भारत – 100 दिवसीय अभियान के तहत शिक्षा विभाग द्वारा शहीद मेजर नटवर सिंह राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय के सभागार में यह कार्यक्रम आयोजित किया गया। सीडीईओ दशोरा ने कहा कि बाल विवाह के प्रति जनजागरूकता और जन माहौल तैयार करना अत्यंत आवश्यक है, ताकि बाल विवाह की आशंका होने पर तुरंत कार्रवाई की जा सके। उन्होंने युवाओं से आगे बढ़कर सामाजिक जिम्मेदारी निभाने का आह्वान किया। इस दौरान उन्होंने उपस्थित सभी प्रतिभागियों को बाल विवाह निषेध की शपथ भी

दिलाई। कार्यक्रम में सहायक निदेशक, बाल अधिकारिता विभाग ओम प्रकाश तोषनीवाल ने बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम, बाल विवाह के दुष्परिणाम तथा चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 की कार्यप्रणाली के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की। इस अवसर पर अतिरिक्त जिला शिक्षा अधिकारी चंद्रशेखर त्रिपाठी, संस्था प्रधान ओम प्रकाश छीपा, अभिषेक चाष्टा, कार्यक्रम संयोजक अनुराधा आर्य, संजय कोदली, लोकेश सोनी, जिला समन्वयक चाइल्ड हेल्प लाइन नवीन काकडदा सहित अन्य वक्ताओं ने भी अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम में गायत्री सेवा संस्थान चित्तौड़गढ़ के समन्वयक अमित राव, अब्दुल वहिद, शोभा गर्ग, चाइल्ड लाइन काउंसलर करण जीनवाल, ईरफान सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित रहे।

स्कूटी पाकर खिले दिव्यांगजनों के चेहरे

-झुंझुनूं में रथ यात्रा रवानगी कार्यक्रम के दौरान 15 लाभार्थियों को मिली नई सौगात

झुंझुनूं (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान सरकार के सफलता के दो वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित रथ यात्रा कार्यक्रम के दौरान शुक्रवार को जिला कलेक्ट्रेट परिसर में दिव्यांगजनों के चेहरों पर खुशी देखने लायक थी। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग द्वारा जिले के प्रभारी मंत्री अविनाश गहलोत ने 15 पात्र दिव्यांगजनों को स्कूटी वितरित की जिससे उनके जीवन और आजीविका में नई गति आने की उम्मीद है। इस अवसर पर प्रभारी मंत्री ने दिव्यांगों की हौसला अफजाई की व उन्हें सड़क सुरक्षा के नियमों के बारे में जानकारी देते हुए हेलमेट भी पहनाया । इसअवसर पर स्कूटी प्राप्त करने वाले दिव्यांगजन उत्साहित नजर आए और उन्होंने कहा कि यह सुविधा उनके दैनिक आवागमन को आसान बनाने के साथ रोजगार एवं शिक्षा

के अवसरों को भी बढ़ाएगी। विभाग के उप निदेशक डॉ. पवन पूनिया ने बताया कि यह वितरण राजस्थान बजट 2025-26 घोषणा संख्या 43 की अनुपालना में किया गया है। योजना के तहत महाविद्यालयों में नियमित अध्ययनरत दिव्यांग विद्यार्थी व विभिन्न कार्यक्षेत्रों में कार्यरत दिव्यांग युवाओं को प्रोत्साहन के रूप में स्कूटी उपलब्ध कराई गई है। इस अवसर पर झुंझुनूं विधायक राजेंद्र भांबू, जिला प्रमुख हर्षिनी कुल्हरी, जिला कलेक्टर डॉ. अरुण गर्ग, पूर्व सांसद नरेन्द्र खींचड़, पूर्व सांसद संतोष अहलावत, पूर्व विधायक शुभकरण चौधरी, पूर्व विधायक सुभाष पूनिया, बनवारी लाल सैनी, राजेश दहिया, चिड़ावा प्रधान रोहिताश धांगड़, राज्य ओबीसी आयोग सदस्य पवन मावंडिया, कमलकांत शर्मा, सरोज श्योराण, अरुणा सिहाग, पार्षद चंद्र प्रकाश शुक्ला सहित जिला स्तरीय अधिकारी एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

सीकर में सड़क सुरक्षा अभियान के तहत पिंक पर्ल विद्यालय में विशेष कार्यशाला आयोजित

सीकर (रॉयल पत्रिका)। जिला परिवहन अधिकारी सीकर ताराचन्द बंजारा ने बताया कि सड़क सुरक्षा अभियान (11 से 25 दिसम्बर, 2025) के दौरान 12 दिसम्बर 2025 शनिवार को जिला परिवहन अधिकारी एवं आलोक बुडानिया परिवहन निरीक्षक द्वारा रींगस में स्थित पिंक पर्ल विद्यालय में सड़क सुरक्षा विषय पर विशेष कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में स्कूली बच्चों, स्टॉफ सदस्यों एवं बालवाहिनी चालकों को सड़क पर सुरक्षित संचालन के लिए आवश्यक टिप्स बताते हुए यातायात नियमों की पालना सुनिश्चित करने एवं परिजनों रिश्तेदारों को भी जागरूक करने के लिए प्रेरित किया गया। बालवाहिनी चालकों को दुर्घटनारहित संचालन एवं छात्र—छात्राओं को निर्धारित व सुरक्षित बस स्टैण्ड पर उतारने एवं चढ़ाने, निर्धारित गति से वाहन संचालन एवं समस्त कागजात एवं वैध लाइसेन्स साथ रखने के लिए निर्देशित किया गया। इसके अलावा परिवहन एवं सड़क विभाग द्वारा एक सड़क सुरक्षा जन-जागरूकता रथ तैयार करवाया गया है जो कि अभियान के दौरान जिले में सड़क सुरक्षा जन जागरूकता पोस्टर बैनर से सुसज्जित करवाया गया है तथा इसमें एलईडी पैलन भी लगाया गया जो कि संगीत के माध्यम से सम्पूर्ण जिले में जन जागरूकता फैलायेगा। आमजन में जागरूकता

के लिए कार्यालय द्वारा सड़क सुरक्षा से संबंधित पम्पलेट तैयार करवाये गये है जिनका जिले की स्कूलों, कोचिंग संस्थानों में वितरण करवाया जायेगा। इसी प्रकार सार्वजनिक निर्माण विभाग के अधीक्षण अभियन्ता जे0पी0 यादव के नेतृत्व में गठित टीम द्वारा जिले में 20 स्थानों पर सड़क किनारे जगंल सफाई, गड्डों की मरम्मत का कार्य, 3 स्थानों पर व्हाईट लाईनिंग, 4 स्थानों पर चेतावनी, संकेतक बोर्ड तथा एक स्थान पर अवैध अतिक्रमण हटाया गया। सड़क सुरक्षा अभियान की श्रृंखला में 13 दिसम्बर 2025 को प्रातः 08.00 बजे कल्याण राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय सीकर में सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम एवं सड़क सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से एक विशेष कार्यशाला का आयोजन रखा गया है। जिसमें जिले की विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राएं, कॉचिंग संस्थानों के विद्यार्थी तथा सड़क सुरक्षा से जुड़े समस्त हितधारक विभाग के अधिकारी, कार्मिक उपस्थित रहेगे। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि स्वायत शासन विभाग मंत्री झाबर सिंह खर्रा होगें। अभियान के दौरान यातायात के नियमों की जागरूकता के लिए विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये जायेगें। इसके साथ ही स्कूलों व कॉलेजो में सड़क सुरक्षा संबंधी नियमों की जानकारी, अच्छे मददगार की गाईडलाईन का प्रचार करना सहित कई गतिविधियां आगामी दिवसों में आयोजित की जायेगी।

जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक

श्रीगंगानगर (रॉयल पत्रिका)। जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक शुक्रवार को जिला कलक्टर डॉ. मंजू की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित की गई। बैठक में सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम, यातायात व्यवस्था के सुदृढ़ीकरण तथा जागरूकता गतिविधियों को प्रभावी बनाने संबंधी बिन्दुओं पर विस्तृत चर्चा की गई। जिला कलक्टर ने संबंधित विभागों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए कहा कि सड़क सुरक्षा सुनिश्चित की जाये। उन्होंने दुर्घटना संभावित क्षेत्रों की पहचान कर वहां आवश्यक सुधारात्मक कार्य शीघ्र पूर्ण कराने, सड़कों पर संकेतक पट्टिकाएं, रिफलेक्टर, रम्मबल स्ट्रिप, चेतावनी बोर्ड लगवाने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि आवारा पशुओं और श्वानों से होने वाली दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिये विभागीय अधिकारी समुचित कार्यवाही करें। जिला कलक्टर ने सरकारी व निजी विद्यालयों, महाविद्यालयों के सामने लगे स्पीड ब्रेकर की रिपोर्ट देने, बाल वाहिनियों के लिये सभी स्कूल संचालकों को नियमों की पालना करवाने के लिये संबंधित अधिकारी को निर्देश दिये गये। शहर के मुख्य चौराहों के लिये यूआईटी, जिला परिवहन अधिकारी और पीडब्ल्यूडी अधिकारियों को संयुक्त रूप से निरीक्षण करने के लिये निर्देश दिये गये। बैठक में एनएचआई से आये हुए अधिकारियों सड़क सुरक्षा की दृष्टि

से अब तक की गई कार्यवाही की रिपोर्ट देने के लिये निर्देश दिये। भारी वाहन चालकों के लिये आंखों की जांच करवाने एवं विशेष प्रशिक्षण देने के लिये जिला परिवहन अधिकारी को निर्देश दिये। सड़क सुरक्षा की दृष्टि से कमियों को जल्द से जल्द दुरस्त करवाने के लिये कहा गया। मुख्यमंत्री आयुष्मान बीमा योजना के प्रति अधिक से अधिक जागरूकता के लिये संबंधित अधिकरियों को निर्देश दिये गये तथा राजकीय एवं निजी संस्थाओं में व्यापक रूप से प्रचार-प्रसार के लिये कहा गया ताकि प्रत्येक पात्र व्यक्ति योजना का लाभ ले सके।

नार्को कोर्डिनेशन सेंटर तंत्र की जिला स्तरीय स्टेंडिंग कमेटी की बैठक

इससे पूर्व नार्को कोर्डिनेशन सेंटर तंत्र की जिला स्तरीय स्टेंडिंग कमेटी की बैठक भी हुई। जिला कलक्टर द्वारा अब तक की गई कार्यवाहियों की समीक्षा की गई। उन्होंने कहा कि जिले में प्रतिबंधित दवाओं की ब्रिक्री और मादक पदार्थों की तस्करी पर रोक लगाने के लिये संबंधित विभाग और एजेंसियां प्रभावी कार्यवाही करें। मेडिकल स्टोर की जांच और प्रतिबंधित दवाओं की ब्रिक्री करने वालों के खिलाफ औषधि नियंत्रक अधिकारियों को निर्देश दिये कि नियमित जांच के पश्चात नियमानुसार कार्यवाही की जाये। बाहरी राज्यों से प्रतिबंधित दवाओं की आपूर्ति पर रोक लगाने के लिये पुलिस के साथ-साथ स्वास्थ्य विभाग से समन्वय बनाकर प्रभावी कार्यवाही की जाये।

उन्होंने कहा कि नशे में प्रयुक्त की जाने वाली दवाईयों की उपलब्धता और स्टॉक की नियमित जांच करवायें। मेडिकल दवाओं के रिकॉर्ड की आकस्मिक जांच कर अनियमितता पाये जाने पर संबंधित के विरूद्ध नियमानुसार कार्यवाही करवाना सुनिश्चित करें। साथ ही औषधि नियंत्रक विभाग जिले के समस्त खुदरा विक्रेताओं को एनडीपीएस दवाओं की पर्ची पर दवा देने के पश्चात मोहर लगवाया जाना सुनिश्चित करावे। सभी मेडिकल स्टोर्स को पोर्टल द्वारा ही दवाईयां देने के लिये पाबंद किया जाये। नशा मुक्ति केन्द्रों और मेडिकल स्टोर सहित अन्य संस्थाओं के रिकॉर्ड संधारण के निर्देश देते हुए उन्होंने कहा कि नियमित रूप से इसकी मॉनिटरिंग करवाना सुनिश्चित करें।

बजाज सर्कल से रेलवे स्टेशन तक चला सख्त अतिक्रमण विरोधी महाअभियान

-नगर परिषद और यातायात पुलिस की संयुक्त टीम ने की बड़ी कार्रवाई

सीकर (रॉयल पत्रिका)। नगर परिषद सीकर आयुक्त शशिकांत शर्मा के निर्देशानुसार शुक्रवार को नगर परिषद और यातायात पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा शहर में भव्य पैमाने पर अस्थाई अतिक्रमण हटाने का महाअभियान चलाया गया। अभियान का संचालन अतिक्रमण प्रभारी एवं राजस्व अधिकारी प्रमोद सोनी, शहर कोतवाल सुनील जांगिड़, यातायात प्रभारी कृष्ण कुमार धनखड़ के नेतृत्व में किया गया। महाअभियान बजाज सर्कल (बजरंग कांटा) से प्रारम्भ होकर कल्याण हॉस्पिटल, साहोटिया पेट्रोल पंप, कल्याण सर्किल होते हुए रेलवे स्टेशन तक संचालित किया गया। पूरे मार्ग में दुकानदारों और फुटपाथों पर किए गए अस्थाई अतिक्रमण पर कड़ी कार्रवाई की गई।टीम द्वारा फुटपाथों पर रखी बेंच, कुर्सियां, काउंटर, रेहड़ियां और ठेले जब्त किए गए। सड़क पर अव्यवस्थित तरीके से खड़े चारपहिया एवं दोपहिया वाहनों के चालान किए गए,कल्याण हॉस्पिटल, कल्याण सर्किल और रेलवे स्टेशन क्षेत्र में वर्षों से जमे बड़े अतिक्रमण को हटाया गया। रेलवे स्टेशन के बाहर पीपल के पेड़ के पास बनाए गए अनधिकृत होटल-ढाबों को हटाकर उनके सभी सामान जब्त किए गए, आयुक्त शशिकांत शर्मा ने कहा कि शहर में यातायात व्यवस्था सुधारने और जनसुविधा बढ़ाने के लिए अतिक्रमण के विरुद्ध अभियान निरंतर और सख्ती से जारी रहेगा। किसी भी प्रकार के अतिक्रमण को किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। कार्रवाई के दौरान नगर परिषद के प्रवर्तन दस्ता प्रभारी सुबेदार राकेश कुमार एवं प्रवर्तन दस्ता टीम, यातायात पुलिस की टीम एवं पुलिस थाना कोतवाली की टीम एवं नगर परिषद सफाई निरीक्षक, जॉन प्रभारी मौजूद रही।

चुनौतियों के बीच सुरक्षित मातृत्व, नयी जिंदगी का आगमन- गीतांजली हॉस्पिटल की सराहनीय सफलता

उदयपुर (रॉयल पत्रिका)। गीतांजली हॉस्पिटल ने जटिल परिस्थितियों में सुरक्षित मातृत्व का एक प्रेरणादायक उदाहरण पेश करते हुए 35 वर्षीय सिरोही निवासी गर्भवती महिला और उसके प्री-टर्म शिशु को सफलतापूर्वक जीवनदान दिया। यह सफलता डॉ. अर्चना शर्मा (स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ), न्यूरो सर्जन डॉ. गोविंद मंगल तथा नियोनेटोलॉजिस्ट डॉ. सुशील गुप्ता, एनेस्थिसियोलोजिस्ट डॉ अलका छाबड़ा, डॉ. पूजा व टीम के समन्वित प्रयासों से संभव हुई । 23 सप्ताह की गर्भावती में सिर में गंभीर चोट लगने के बाद महिला को एक बड़े स्थानीय निजी हॉस्पिटल में प्राथमिक उपचार दिया गया, वहाँ से परिजनों ने उन्हें अहमदाबाद के निजी हॉस्पिटल ले गये। महिला की गंभीर अवस्था को देखते हुए वहाँ परिजनों को बच्चे को टर्मिनेट करने की सलाह दी गई। लेकिन परिवार अजन्मे बच्चे को इस दुनिया में लाने के अपने दृढ़ निश्चय के साथ आशा लेकर गीतांजलि हॉस्पिटल पहुँचा—और यहीं से शुरू हुई नई जिंदगी की कहानी। गीतांजली हॉस्पिटल पहुँचने पर विशेषज्ञ डॉक्टरों ने परिवार को भरोसा दिलाया कि न्यूरो और प्रसूति व स्त्री रोग विभाग मिलकर माँ और बच्चे दोनों को सुरक्षित रखने का हर संभव प्रयास करेंगे। रोगी को न्यूरो सर्जन डॉ. गोविंद मंगल के अंतर्गत भर्ती किया गया, वहीं स्त्री एवं प्रसूति विभाग की डॉ. अर्चना शर्मा व उनकी टीम ने गर्भावस्था को सुरक्षित अवधि तक

पहुँचाने की चुनौती अपने हाथ में ली। चूँकि 23 सप्ताह में डिलीवरी जीवन के लिए अत्यधिक जोखिमपूर्ण थी, इसलिए लगभग 2 महीने तक न्यूरो और स्त्री व प्रसूति रोग विभाग ने संयुक्त रूप से रोगी की सतत निगरानी और इलाज किया। गर्भस्थ शिशु के फेफड़ों के विकास के लिए एंटीनेटल स्टेरॉयड (ANS) की दो खुराकें दी गईं—पहली भर्ती के समय और दूसरी 15 दिन बाद दी गयी| आखिरकार, माँ की स्वास्थ्य स्थिति को देखते हुए 30 सप्ताह की गर्भावस्था में माँ के चिकित्सीय कारणों से सुरक्षित रूप से ऑपरेशन (LSCS) कर शिशु का जन्म कराया गया। प्री-टर्म होने के कारण नवजात की संपूर्ण देखभाल नियोनेटोलॉजिस्ट डॉ. सुशील गुप्ता और उनकी टीम ने अत्यंत कुशलता के साथ की। गीतांजली हॉस्पिटल की मल्टीडिसिप्लिनरी एप्रोच—जिसमें न्यूरो सर्जरी, स्त्री व प्रसूति रोग विभाग और नियोनेटोलॉजी विभागों का उत्कृष्ट समन्वय शामिल है—ने एक अत्यंत जटिल केस को सफलतापूर्वक संभालते हुए माँ और बच्चे दोनों को सुरक्षित रखा। डॉक्टरों ने बताया कि समय पर मिला उपचार, लगातार निगरानी और विशेषज्ञ चिकित्सा हस्तक्षेप ने ही इस चुनौतीपूर्ण केस में जीवन बचाया। वर्तमान में माँ और शिशु दोनों पूर्णतः स्वस्थ हैं।

यह सफलता गीतांजली हॉस्पिटल की उन्नत सुविधाओं, विशेषज्ञता और 'पेशेंट-फर्स्ट एप्रोच' को और मजबूती से साबित करती है।

इनाम राशि को कैसे इस्तेमाल करेंगे गौरव खन्ना, कहा, 'सबसे पहले तो मैं और मेरी पत्नी...'

सलमान खान का रियलिटी शो बिग बॉस 19 खत्म हो चुका है (7 दिसंबर को शो का ग्रैंड फिनाले के हुआ, जिसमें गौरव खन्ना के सिर विनर का ताज सजा। वह फरहाना भट्ट को हराकर विजेता बने. गौरव खन्ना को 'बिग बॉस 19' की ट्रॉफी के साथ 50 लाख की प्राइज मनी भी मिली। गौरव खन्ना शो के सबसे महंगे कंस्टेंट थे। अब उन्होंने बताया कि वह रियलिटी शो से जीती हुई राशि का इस्तेमाल किन चीजों में करेंगे। गौरव खन्ना ने कहा, 'मैं अभी श्योर नहीं हूं कि इस पैसे का क्या करूंगा। शायद मैं इसे किसी निवेश में लगाऊंगा, लेकिन मैं अपनी पत्नी को कहीं अच्छी जगह लेकर जाना जरूर चाहता हूं। हम दोनों ने साथ में ज्यादा ट्रैवल नहीं किया है, लेकिन इस बार हम कुछ अच्छा प्लान करेंगे।' इसके अलावा गौरव खन्ना ने बिग बॉस के होस्ट सलमान खान के साथ फिल्म करने के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा है कि मैं बिग बॉस सिर्फ सलमान सर की वजह से देखता था। मैं उनका बहुत बड़ा फैन हूं।

सारा अर्जुन के डेब्यू पर भावुक हुए पिता राज अर्जुन

कहा 'पहले मैं उसको संभालता था, अब वह मुझे'

राज अर्जुन फिल्म इंडस्ट्री का जाना-माना नाम है। उन्होंने हिंदी सिनेमा से लेकर साउथ सिनेमा तक अपने अभिनय का परचम लहराया है। वहीं, उनकी बेटी सारा अर्जुन भी अब बॉलीवुड में फिल्म 'धुरंधर' से डेब्यू कर चुकी हैं।फिल्म रिलीज के बाद पूरी स्टार कास्ट के साथ सारा की भी खूब तारीफें हो रही हैं। अपनी बेटी की मेहनत देख अभिनेता फूले नहीं समा रहे हैं। बेटी की सफलता से खुश पिता राज अर्जुन ने इंस्टाग्राम पर सारा के साथ तस्वीरें शेयर कीं, जिनके साथ उन्होंने लिखा कि यह सिर्फ सारा की जीत नहीं, बल्कि पिता-बेटी का एक रूहानी सफर है। एक्टर ने सारा के बचपन का एक दिलचस्प किस्सा शेयर करते हुए लिखा, 'साल 2016 की बात है, जब मैं सारा को आराम नगर में मुकेश छाबड़ा सर के ऑफिस में ऑडिशन दिलाने के लिए गया था. वह जब अंदर ऑडिशन के लिए गई, तो मैं बाहर खड़ा था. तभी मेरे पास मुकेश जी आए और कहा कि 'राज भाई, एक फिल्म कर रहा हूं, 'सीक्रेट सुपरस्टार,' आप भी ऑडिशन दे दीजिए.' यानी दरवाजा सारा के लिए खुला था, लेकिन किस्मत मेरे लिए भी खुल गई।'

त्रिधा चौधरी

ने बताया कपिल शर्मा संग काम का अनुभव

हिंदी, तमिल और बंगाली फिल्मों में काम करने वाली अभिनेत्री त्रिधा चौधरी की फिल्म 'किस-किस को प्यार करूं-2' शुक्रवार को रिलीज हो गई। इस बीच त्रिधा ने फिल्म से जुड़े अनुभव, अपने किरदार और कपिल शर्मा के बारे में खुलकर बात की है। अभिनेत्री त्रिधा चौधरी ने कहा कि एक्टर्स ऐसे रोल चुनते हैं जिनकी स्क्रिप्ट उन्हें ज्यादा मजबूत लगती है। मैंने 'आश्रम' में बोल्ड और शातिर बबीता का किरदार निभाया था। उसके बाद टाइपकास्ट न किया जाए, इसके लिए हर तरह के किरदार निभाना चाहिए। हालांकि सीरीज 'आश्रम' के बाद मुझे बोल्ड रोल ही ऑफर हुए थे। उन्होंने ये भी कहा कि चाहे मैं किसी को मुक्का मारूं या किस करूं, दोनों ही एक्टिंग हैं। फिल्म में अपने किरदार मीरा पर बात करते हुए अभिनेत्री ने कहा कि कॉमेडी एक अलग तरह की चुनौती है। लोगों को लगता है कि यह करना आसान है, क्योंकि आपको बस दूसरों को हंसाना ही तो है, लेकिन यह बहुत मुश्किल है। ऐसे में सीन के दौरान टाइमिंग, घबराहट, इमोशन्स हर चीज को थामकर चलना पड़ता है। मैंने आज से पहले कभी कॉमेडी नहीं की, इसलिए मैं इसे अपने सीखने का तौर पर करूंगी। उन्होंने कहा कि मीरा का किरदार उनकी असल जिंदगी जैसा ही है। मीरा चुलबुली है और त्रिधा भी असल जिंदगी में बहुत जॉली और चुलबुली हैं। मैं ऐसे रोल का इंतजार कर रही थी जहां मैं अपना ड्रामा और एनर्जी दिखा सकूं। मुझे अक्सर सीरियस या कंट्रोल्ड रहने के लिए कहा जाता था, लेकिन मीरा ने मुझे एक्सप्रेसिव और बेफिक्र रहने का मौका दिया। 'किस-किस को प्यार करूं-2' मल्टी एक्ट्रेस वाली फिल्म है, जिसमें चार अभिनेत्रियां लीड रोल में हैं। ऐसे में सेट पर बाकी हीरोइंस के साथ अपने एक्सपीरियंस पर त्रिधा ने कहा कि सेट पर थोड़ा नर्वस फील होने लगता था। रिहर्सल बहुत मुश्किल थी और मैं सबके सपोर्ट के बिना यह नहीं कर पाती। अभिनेत्री त्रिधा चौधरी ने कहा कि कपिल शर्मा बहुत विनम्र हैं। कपिल मुझे 'मिस्टर चौधरी' कहते हैं, सबका सम्मान करते हैं और बहुत लाइट माहौल बनाते हैं। इतनी सफलता हासिल करने के बावजूद वह सबको बातचीत में शामिल करते हैं।

जयश्री के पोस्टर पर मिली प्रतिक्रिया से गदगद हुईं

तमन्ना भाटिया

इस साल कुछ बायोपिक फिल्में रिलीज हो चुकी हैं, और कुछ रिलीज के लिए बाकी हैं, लेकिन कुछ ही ऐसी होती हैं जो चर्चा का विषय बन पाती हैं। 'वी. शांताराम' भी इसी कड़ी में एक महत्वपूर्ण फिल्म होगी, जो हिंदी सिनेमा के स्वर्णिम दौर को फिर से जीवंत करेगी। दरअसल, यह फिल्म बीते जमाने के महान निर्देशक वी. शांताराम के जीवन पर आधारित है, जिनका किरदार अभिनेता सिद्धांत चतुर्वेदी निभा रहे हैं। वहीं, फिल्म में वी. शांताराम की पत्नी जयश्री का किरदार अभिनेत्री तमन्ना भाटिया निभा रही हैं। अभिनेत्री का लुक रिवील होने के बाद प्रशंसकों समेत इंडस्ट्री के कई लोगों ने तारीफ की थी। अभिनेत्री तमन्ना भाटिया ने इस पर प्रतिक्रिया देते हुए इंस्टाग्राम पर पोस्ट करके लिखा, 'जयश्री जी के पोस्टर पर प्यार मिला, वह पूरी अभिनेत्री का है। उनकी शालीनता, सुंदरता और विरासत को मेरा सलाम। जब मैंने फिल्म को लेकर हां कहा है, तब से ही जयश्री से मेरा लगाव गहरा हो गया था। वी. शांताराम की सोच ने अपने समय से बहुत आगे बढ़कर सिनेमा को नया रूप दिया था।उन्होंने लिखा, जयश्री बनने ने मुझे जितना सिखाया है, मैंने सोचा भी नहीं था और अब मैं इस यात्रा के आगे आने वाले हर अनुभव का बेसब्री से इंतजार कर रही हूं। अभिनेत्री की पोस्ट उनके फैंस और साथी कलाकारों को काफी पसंद आ रही है।

बस घर से शूटिंग, एयरपोर्ट या होटल', 25 साल से क्यों बाहर डिनर पर नहीं गए सलमान खान? खुद किया खुलासा

सलमान खान फैंस के साथ अक्सर इवेंट्स में खुद को लेकर कुछ ऐसे खुलासे कर देते हैं, जो हैरान करने वाले है हाल ही में वह रेड सी इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में पहुंचे, जहां उन्होंने खुद को लेकर ऐसा खुलासा किया, जिससे उनके फैंस अनजान थे. पार्टी के शौकीन भाईजान 25 साल से बाहर डिनर पर नहीं गए। बॉलीवुड के 'भाईजान' सलमान खान 27 दिसंबर को 60 साल के होने वाले हैं। 90 के दशक से फिल्मों में एक्टिव सलमान का इंडस्ट्री में 35 साल से ज्यादा का समय हो गया है। उन्होंने 100 से ज्यादा फिल्मों में काम किया और कई साथ में कुछ फिल्मों को प्रोड्यूस किया और गाने भी गाए। अपनी बॉडी और हेल्थ को लेकर वह काफी एक्टिव रहते हैं। इन दिनों वह रेड सी इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में पहुंचे हैं, जहां उन्होंने खुद को लेकर एक खुलासा किया है, जो चौंकाने वाला है। इस फेस्टिवल के एक सेशन में उन्होंने बताया कि वे पिछले 25-26 साल से कहीं बाहर डिनर पर नहीं गए हैं। सऊदी अरब के जेद्दा में चल रहे रेड सी फिल्म फेस्टिवल में सलमान खान ने 'इन कन्वर्सेशन विथ' सेशन में हिस्सा लिया। जहां उन्होंने अपने करियर और लाइफस्टाइल के बारे में बात की। सलमान ने कहा, '25-26 साल हो गए हैं कि मैं कहीं बाहर डिनर पर नहीं गया हूं. शूटिंग से घर, घर से शूटिंग, घर से एयरपोर्ट, एयरपोर्ट से होटल और होटल से यहां (इवेंट्स) बस... यही मेरी जिंदगी है।'उन्होंने आगे बताया, 'मुझे इसमें कोई परेशानी नहीं है या तो आप घूमो-फिरो और ये सब (स्टारडम) न हो, वो मैं नहीं चाहता. लोग इतना प्यार और इज्जत देते हैं, उसी के लिए मेहनत करता हूं. बीच-बीच में थोड़ा कॉम्प्लेसेंट (आलसी) भी हो जाता हूं... लेकिन वो भी एंजॉय करता हूं कि आगे क्या आने वाला है।' अपने करीबी दोस्तों को खोने के दर्द का जिक्र करते हुए सलमान ने कहा, 'मेरी जिंदगी ज्यादातर परिवार और दोस्तों के आसपास ही बीती है, जिनमें से कई अब नहीं रहे. अब सिर्फ 4-5 ही बचे हैं जो बहुत पहले से मेरे साथ हैं।'

प्रेयर मीट में रो पड़ीं हेमा मालिनी: संभालने नजदीक आईं बेटी ईशा को टोककर पीछे किया

हेमा मालिनी ने दिल्ली के जनपथ स्थित डॉ. अंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर में धर्मेंद्र की प्रेयर मीट रखी थी। इसमें फिल्म और राजनीति जगत की कई हस्तियां पहुंची थीं। इस दौरान मंच पर धर्मेंद्र को याद करते हुए हेमा मालिनी भावुक हो गईं। जब उनकी बेटी ईशा देओल उन्हें चुप करवाने नजदीक आईं तो हेमा ने उन्हें डांटते हुए पीछे कर दिया। वहीं प्रेयर मीट के बाद कंगना रनोट ने धर्मेंद्र को याद कर भावुक पोस्ट शेयर की है। कभी सोचा नहीं था कि ऐसा भी एक पल आएगा, जब मुझे एक शोक सभा रखनी होगी, और वो भी मेरे धरम जी के लिए। पूरी दुनिया उनके निधन का शोक मना रही है। मेरे लिए ये एक ऐसा सदमा है, जिससे निकल पाना मुश्किल है। ये कहते हुए हेमा मालिनी बेहद भावुक हो गईं। पास खड़ीं बेटी ईशा देओल उन्हें संभालने के लिए नजदीक आईं और हाथ थाम लिया। हालांकि हेमा मालिनी ने उन्हें टोकते हुए कहा, पास मत आओ। ये सुनकर ईशा दोबारा पीछे की तरफ जाकर खड़ी हो गईं। प्रेयर मीट में हेमा मालिनी ने धर्मेंद्र की अधूरी ख्वाहिश पर भी बात की। उन्होंने कहा, 'देखते ही देखते धर्मेंद्र जी के अस्तित्व का एक और छुपा हुआ पहलू सामने आया, जब वो उर्दू की शायरी करने लगे। उनकी खास बात यही थी कि कोई भी परिस्थिती रही हो, वो उसके अनुसार, तुरंत एक शेर सुना देते थे, यही उनकी खूबी थी। मैंने भी कई बार उनसे कहा कि आप इतना अच्छा लिखते हैं, इसे आपको एक किताब के रूप में प्रकाशित करना चाहिए। आपके बहुत चाहनेवाले हैं और फैंस को ये बहुत पसंद आएगा। वो इसके बारे में बहुत सीरियस थे, वो ये करना चाहते थे, वो ये प्लान भी कर रहे थे, लेकिन वो काम अधूरा रह गया।' गुरुवार को सांसद और एक्ट्रेस कंगना रनोट भी धर्मेंद्र की प्रेयर मीट में शामिल हुईं। इस दौरान कंगना काफी भावुक दिखीं और नम आंखों से उन्होंने लीजेंड्री एक्टर को श्रद्धांजलि दी।

6 गल्फ कंट्री में बैन हुई रणवीर सिंह की

धुरंधर

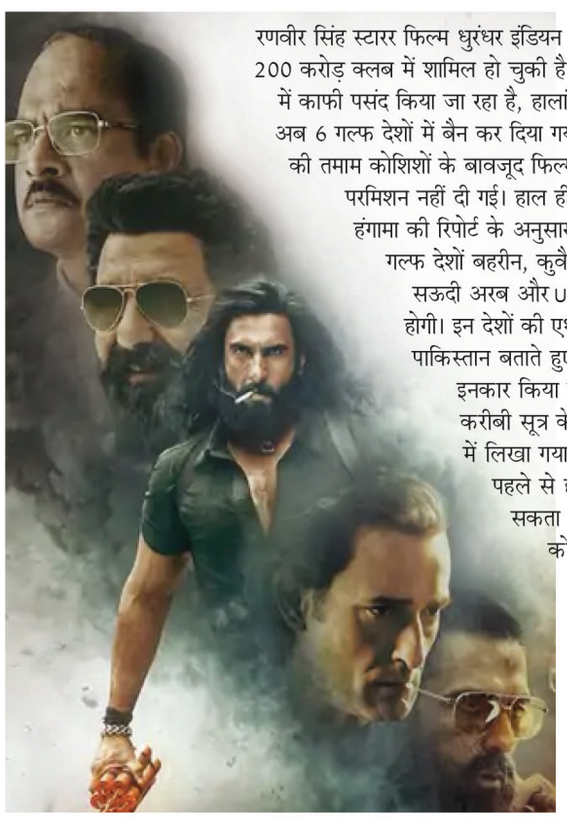

रणवीर सिंह स्टारर फिल्म धुरंधर इंडियन बॉक्स ऑफिस में 200 करोड़ क्लब में शामिल हो चुकी है। फिल्म को भारत में काफी पसंद किया जा रहा है, हालांकि इस फिल्म को अब 6 गल्फ देशों में बैन कर दिया गया है। फिल्ममेकर्स की तमाम कोशिशों के बावजूद फिल्म की स्क्रीनिंग की परमिशन नहीं दी गई। हाल ही में आई बॉलीवुड हंगामा की रिपोर्ट के अनुसार, फिल्म धुरंधर 6 गल्फ देशों बहरीन, कुवैत, ओमान, कतर, सऊदी अरब और UAE में रिलीज नहीं होगी। इन देशों की एथॉरिटी ने इसे एंटी पाकिस्तान बताते हुए रिलीज करने से इनकार किया है। फिल्म से जुड़े करीबी सूत्र के हवाले से रिपोर्ट में लिखा गया है, 'यह आशंका पहले से ही थी कि ऐसा हो सकता है, क्योंकि फिल्म को 'एंटी-पाकिस्तान फिल्म' माना जा रहा है। टीम ने कोशिश तो की, लेकिन किसी भी देश ने फिल्म की थीम को मंजूरी नहीं दी।

रजनीकांत गर्लफ्रेंड के कहने पर फिल्मों में आए

पहली फिल्म में 15 मिनट का रोल, डिस्ट्रीब्यूटर्स बोले थे- करियर खत्म

साल 1975 की बात है। तमिल फिल्म इंडस्ट्री में एक ऐसे व्यक्ति ने कदम रखा, जो कभी बस कंडक्टर की नौकरी करता था, लेकिन उसके व्यक्तित्व में एक अलग ही चमक थी। चलने, बोलने और व्यवहार करने का ऐसा अंदाज कि बस कंडक्टर रहते हुए ही लोग उसके दीवाने हो जाते थे। उसकी इस प्रतिभा को सबसे पहले उसकी गर्लफ्रेंड ने पहचाना। एक दिन उसने रजनीकांत से कहा तुम्हें हीरो बनना चाहिए। रजनीकांत के मन में पहले से ही अभिनय करने की इच्छा थी, इसलिए उन्होंने निर्मला की बात मानते हुए फिल्म इंस्टीट्यूट में एडमिशन लेने का निर्णय किया। लेकिन घर की आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं थी, इसलिए परिवार इस फैसले के खिलाफ था। तब उनके दोस्त और को-वर्कर राज बहादुर ने आर्थिक मदद की, जिसके बाद रजनीकांत ने इंस्टीट्यूट में दाखिला ले लिया। एक्टिंग कोर्स के दौरान ही एक दिन मशहूर साउथ निर्देशक के. बालाचंदर की नजर रजनीकांत पर पड़ी। उन्होंने रजनीकांत से कहा कि अगर वे तमिल भाषा सीख लें, तो वो उन्हें अपनी फिल्म में मौका देंगे। रजनीकांत ने कुछ ही दिनों में तमिल भाषा पर मजबूत पकड़ बना ली और उन्हें फिल्म अपूर्वा रागंगल (1975) में पहला रोल मिला। शुरुआत में उन्होंने खलनायक के किरदार ही किए, लेकिन उन किरदारों में भी उनकी अलग ही छाप थी। इसके बाद उन्होंने कभी शिवाजी का, कभी सूर्या का और यहां तक कि रोबोट बनकर भी ऐसा दमदार अभिनय किया कि वे धीरे-धीरे जनता के दिलों में बस गए।

(साभार एजेंसी)

● सिर्फ एक साल नौ महीने की उम्र में कमाल!

वेदा बनीं भारत की सबसे कम उम्र की 100 मीटर तैराक

नई दिल्ली, एजेंसी। वेदा परेश सरफरे, रत्नागिरी, महाराष्ट्र की एक नन्ही बच्ची, 100 मीटर की की तैराकी करने वाली भारत की सबसे कम उम्र की तैराक बन गई हैं। उन्होंने सिर्फ 1 साल 9 महीने की उम्र में यह उपलब्धि हासिल करते हुए इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में जगह बना ली है।

भारत की नन्ही तैराक वेदा सरफरे ने बहुत छोटी उम्र में ऐसा कारनामा कर दिखाया है, जो बड़े खिलाड़ियों के लिए भी चुनौतीपूर्ण होता है। सिर्फ एक साल नौ महीने 10 दिन की उम्र में वेदा ने 100 मीटर तैराकी पूरी कर अपना नाम इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में दर्ज करवाया है। इतनी कम उम्र में यह उपलब्धि हासिल करने वाली वे वह देश की सबसे छोटी तैराक बन गई हैं।

नौ महीने में शुरू हुआ वेदा का प्रशिक्षण: वेदा सरफरे ने औपचारिक तैराकी प्रशिक्षण की शुरुआत सिर्फ नौ महीने की उम्र में कर दी थी। बताया जाता है कि वेदा को तैराकी की दिलचस्पी अपने भाई की स्विमिंग क्लास देखकर ही मिली।

उनका प्रशिक्षण कोच महेश मिल्के और उनकी पत्नी गौरी मिल्के ने शुरू कराया, जिन्होंने अगले 11 महीनों तक वेदा को तैराकी में संतुलन, सांस नियंत्रण और सहनशक्ति की

ट्रेनिंग दी और वेदा की क्षमता को धीरे-धीरे विकसित किया।

रत्नागिरी के स्विमिंग पूल में पूरा किया रिकॉर्ड तैराकी प्रयास: इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स को भेजे गए मेल के मुताबिक, वेदा ने 25म22 मीटर माप वाले रत्नागिरी नगर स्विमिंग पूल में चार लैप लगाते हुए कुल 100 मीटर दूरी पूरी की।

उन्होंने यह कारनामा 10 मिनट आठ सेकंड में पूरा किया। उनके इंस्टाग्राम पेज पर प्रशिक्षण के कई वीडियो साझा किए जाते हैं, और वहीं पर इस रिकॉर्ड की आधिकारिक जानकारी भी दी गई है। मेल के अंश में लिखा गया, 'उन्होंने 25म22 मीटर के स्विमिंग पूल में 100 मीटर (4 लैप) की दूरी 10 मिनट 8 सेकंड में पूरी की।'

'देश की सबसे कम उम्र की तैराक'

वेदा के कोच महेश मिल्के ने इस उपलब्धि पर खुशी व्यक्त करते हुए कहा, 'कड़ी मेहनत और लगातार प्रशिक्षण के साथ, मात्र 21 महीने की इस बच्ची ने यंगेस्ट स्विमर राष्ट्रीय रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया।' उनके अनुसार, यह उपलब्धि न केवल वेदा बल्कि भारत में बाल प्रतिभा के विकास का भी एक बड़ा उदाहरण है।

तिलक वर्मा ने मचा दिया तहलका और बने नंबर 1

नई दिल्ली, एजेंसी। साउथ अफ्रीका के खिलाफ दूसरे टी20 मुकाबले में न्यू चंडीगढ़ में जहां अन्य भारतीय बल्लेबाज रन बनाने के लिए जूझते नजर आए वहीं तिलक वर्मा ने खूब संघर्ष किया और टीम के लिए अर्धशतकीय पारी खेली। भारत ने एक समय पर 67 रन पर 4 विकेट गंवा दिए थे, लेकिन इसके बादवूज तिलक वर्मा ने धैर्य बनाए रखा और अच्छी पारी खेलने में कामयाब रहे। तिलक वर्मा को अगर इस मैच में दूसरे छोर से किसी एक या दो बल्लेबाज का भी साथ मिला होता तो कहानी बदल सकती थी, लेकिन ऐसा नहीं हो पाया और भारत को 51 रन से हार मिली। तिलक वर्मा ने इस मैच में 34 गेंदों पर 62 रन की पारी खेली और इस दौरान उन्होंने 5 जबरदस्त छक्के और 2 चौके भी जड़े साथ ही इन चौकों की मदद से कप्तान सूर्यकुमार यादव का बड़ा रिकॉर्ड भी तोड़ दिया।

साउथ अफ्रीका के खिलाफ टी20 में भारत की तरफ से सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले बैटर

- 26 छक्के - तिलक वर्मा - 8 पारी
- 25 छक्के - सूर्यकुमार यादव - 12 पारी
- 19 छक्के - संजू सैमसन - 4 पारी
- 16 छक्के - रोहित शर्मा - 17 पारी

सूर्यकुमार यादव से आगे निकले तिलक वर्मा

भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव का खराब फॉर्म साउथ अफ्रीका के खिलाफ दूसरे मैच में भी जारी रहा जिसमें वो 4 गेंदों पर 5 रन बनाकर आउट हो गए। वहीं साउथ अफ्रीका के खिलाफ टी20आई में अब वो भारत की तरफ से सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले बैटर भी नहीं रहे। तिलक वर्मा ने दूसरे मैच में 5 छक्के लगाए और वो अब भारत की तरफ से टी20आई में साउथ अफ्रीका के खिलाफ सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले बैटर बने। साउथ अफ्रीका के खिलाफ अब तक तिलक वर्मा ने टी20आई में 8 पारियों में 26 छक्के लगा चुके हैं जबकि सूर्यकुमार यादव ने इस टीम के खिलाफ अब तक 12 पारियों में 25 छक्के लगाए हैं। तीसरे नंबर पर संजू सैमसन हैं जिन्होंने इस टीम के खिलाफ 4 पारियों में 19 छक्के लगाए हैं जबकि रोहित शर्मा ने 16 पारियों में 17 छक्के लगाए थे।

हमेशा अभिषेक से उम्मीद नहीं की जा सकती: सूर्यकुमार

न्यू चंडीगढ़, एजेंसी। साउथ अफ्रीका ने भारत के खिलाफ मुल्लांपुर स्थित महाराज यादवेंद्र सिंह इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए दूसरे टी20 मुकाबले को 51 रन से जीता। टीम इंडिया के कप्तान सूर्यकुमार यादव का मानना है कि उन्हें और शुभमन गिल को क्रीज पर टिककर बल्लेबाजी करनी चाहिए थी। इसके साथ ही उन्होंने स्वीकारा है कि टीम को साउथ अफ्रीका से सीखना होगा।

मैच गंवाने के बाद भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने कहा, 'साउथ अफ्रीका को पहली इनिंग से ही पता चल गया था कि किस लेंथ पर बॉलिंग करनी है। यहां थोड़ी ओस थी। अगर पहला प्लान काम नहीं करता, तो हमें दूसरा प्लान अपनाना चाहिए था। हमें साउथ अफ्रीका से सीखना होगा।' सूर्यकुमार यादव इस मुकाबले में सिर्फ 5 ही रन बना सके, जबकि शुभमन गिल अपनी पहली ही गेंद पर लुंगी एनगिडी को विकेट दे बैठे। इस पारी में अभिषेक शर्मा ने 8 गेंदों में 2 छक्कों के साथ 17 रन बनाए। भारतीय कप्तान ने कहा, 'मुझे लगता है कि मैं और शुभमन गिल मिलकर एक अच्छी शुरुआत दे सकते थे क्योंकि हम हर समय अभिषेक शर्मा पर भरोसा नहीं कर सकते।

हमें साउथ अफ्रीका से सीखना होगा

जिस तरह से वह बैटिंग कर रहे हैं, उनका दिन खराब हो सकता है। मुझे, शुभमन और कुछ दूसरे बल्लेबाजों को भारतीय पारी को संभालना चाहिए था। मुझे लगता है कि यह एक स्मार्ट चेज होता। मुझे वह जिम्मेदारी लेनी चाहिए थी।

थोड़ी और गहराई से बैटिंग करनी चाहिए थी। लेकिन हां, हम सीखते हैं, हम कोशिश करते हैं और आने वाले अगले गेम में बेहतर करते हैं। हम देखेंगे कि अगले गेम में हमारे लिए क्या होता है। इस मुकाबले में साउथ अफ्रीकी टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 4 विकेट खोकर 213 रन बनाए।

बैडमिंटन एशिया टीम चैंपियनशिप:

एशिया चैंपियनशिप के लिए भारतीय टीम घोषित, सिंधू और लक्ष्य टीम में शामिल

नई दिल्ली , एजेंसी। पीवी सिंधू अगले साल फरवरी में होने वाली बैडमिंटन एशिया टीम चैंपियनशिप में भारतीय चुनौती की अगुआई करेंगी। इसमें लक्ष्य सेन और सात्विक-चिराग की जोड़ी भी हिस्सा लेगी। अगले साल चीन के किंगदाओ में होने वाली बैडमिंटन एशिया टीम चैंपियनशिप के लिए भारतीय टीम घोषित हो गई है। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू, लक्ष्य सेन और सात्विकसाईराज रेंकीरेड्डी-चिराग शेट्टी की स्टार जोड़ी को इस टूर्नामेंट के लिए टीम में शामिल किया गया है। यह टूर्नामेंट तीन से आठ फरवरी तक होगा। भारत इस प्रतियोगिता के महिला वर्ग में गत चैंपियन है, जबकि पुरुष टीम ने अतीत में दो कांस्य पदक जीते हैं।

सिंधू करेंगी अगुआई

भारतीय बैडमिंटन संघ (बीएआई) ने एक बयान में कहा, 'रैंकिंग, प्रदर्शन और अनुभव के आधार पर चुनी गई महिला टीम की अगुआई एक बार फिर पूर्व विश्व चैंपियन और दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू करेंगी।'

दुनिया के 13वें नंबर के खिलाड़ी लक्ष्य शीर्ष रैंकिंग वाले पुरुष एकल खिलाड़ी होंगे, जबकि किदांबी श्रीकांत, एचएस प्रणय, अमेरिकी ओपन विजेता आयुष शेट्टी और तरुण मन्नेपल्ली को भी जगह मिली है।

सात्विक-चिराग पुरुष युगल वर्ग में अगुआई करेंगे जिसमें गुवाहाटी मास्टर्स के उप विजेता साई प्रतीक के और पृथ्वी कृष्णमूर्ति रॉय के साथ हरिहरन अमसाकरुणन भी शामिल हैं। महिला वर्ग में सिंधू को एकल में विश्व जूनियर चैंपियनशिप की रजत पदक विजेता तन्वी शर्मा, उन्नति हुड्डा, रक्षिता श्री संतोष रामराज और मालविका बंसोड़ का साथ मिलेगा। सैयद मोदी अंतरराष्ट्रीय चैंपियन गायत्री गोपीचंद और त्रीसा जॉली महिला युगल में भारत की अगुआई करेंगी, जबकि प्रिया कोंजेंगबम, श्रुति मिश्रा और तनीषा क्रास्टो को भी टीम में जगह मिली है।

टीम इस प्रकार हैं:

पुरुष: लक्ष्य सेन, आयुष शेट्टी, किदांबी श्रीकांत, प्रणय एचएस, थारुन मन्नेपल्ली, सात्विकसाईराज रेंकीरेड्डी, चिराग शेट्टी, पृथ्वी कृष्णमूर्ति रॉय, साई प्रतीक के, हरिहरन अमसाकरुणन।

महिला: पीवी सिंधू, उन्नति हुडा, तन्वी शर्मा, रक्षिता श्री संतोष रामराज, मालविका बंसोड़, त्रीसा जॉली, गायत्री गोपीचंद, प्रिया कोंजेंगबम, श्रुति मिश्रा, तनीषा क्रास्टो।

अंडर-19 एशिय कप: वैभव सूर्यवंशी का तूफानी शतक, यूएई के खिलाफ भारत ने बनाए 433 रन

दुबई, एजेंसी। भारत के वैभव सूर्यवंशी मौजूदा समय में क्रिकेट के वंडर बॉय हैं। 15 साल का यह बल्लेबाज मैच-दर-मैच इस बात को साबित करता जा रहा है कि क्रिकेट के अगले 20 से 25 साल उसी के हैं।

सूर्यवंशी की एक पारी दर्शक भूलते नहीं कि वे दूसरी खेल देते हैं। दुबई में खेले जा रहे अंडर-19 एशिया कप में भारतीय टीम के लिए बेहतरीन शतक लगाते हुए वैभव ने टीम का स्कोर 50 ओवर में 6 विकेट पर 633 रन तक पहुंचाने में बड़ी भूमिका निभाई। यूएई ने टॉस जीतकर गेंदबाजी करने का फैसला लिया था। भारत के लिए पारी की शुरुआत करने कप्तान आयुष म्हात्रे के साथ वैभव सूर्यवंशी आए। म्हात्रे 11 गेंद पर मात्र 4 रन बनाकर आउट हो गए, लेकिन वैभव सूर्यवंशी यूएई के गेंदबाजों पर कहर बरपाने के इरादे से उतरे थे। सूर्यवंशी सूर्यवंशी ने तीसरे विकेट के रूप में आउट होने से पहले 95 गेंद पर 14 छक्कों और 9 चौकों की मदद से 171 रन की यादगार पारी खेली।

इस पारी के दौरान उन्होंने फील्ड के हर क्षेत्र में गेंद पहुंचाया। अपनी पारी के दौरान वैभव ने आरोन जॉर्ज (69 रन) के साथ दूसरे विकेट के लिए 212 रन की साझेदारी की। विहान मल्होत्रा ने भी 55 गेंद पर 69 रन बनाए। वेदांत त्रिवेदी ने 38, अभिज्ञान कुंडू ने 32, और कनिष्क चौहान ने 28 रन की पारी खेली। भारतीय टीम ने 6 विकेट के नुकसान पर 433 रन बनाए। यूएई के लिए युग शर्मा ने 2, उदिश सूरी ने 2, जबकि शालोम डी सूजा और यायिन किरण राय ने 1-1 विकेट लिए।

शतरंज में इतिहास रचने वाले 3 साल के भारतीय की उपलब्धि पर सवाल

नई दिल्ली, एजेंसी। हाल ही में शतरंज में सबसे कम उम्र के रेटेड भारतीय खिलाड़ी बने तीन वर्षीय बालक की उपलब्धि पर अब सवाल उठ रहे हैं। फिडे में दर्ज एक शिकायत में आरोप है कि जिन खिलाड़ियों को उसने हराया, वे उसके ही शहर में कोचिंग देने वाले प्रशिक्षक हैं। शिकायतकर्ता ने इसे 'फेयर प्ले' नियमों का संभावित उल्लंघन बताया है। वहीं, खिलाड़ी के पिता और कोच ने इन आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए कहा है कि यह स्थानीय शतरंज संघ में जारी खींचतान का परिणाम है। रिकॉर्ड-तोड़ प्रदर्शन और बढ़ते सवालों के बीच अब पूरा मामला सुर्खियों में है।

डब्ल्यूबीबीएल:

मूनी की तूफानी पारी, सिक्सर्स के खिलाफ जीत के साथ फाइनल में स्कॉर्चर्स

सिडनी, एजेंसी। पर्थ स्कॉर्चर्स ने गुरुवार को विमेंस बिग बैश लीग (डब्ल्यूबीबीएल) 2025 के चैलेंजर्स मुकाबले में सिडनी सिक्सर्स के खिलाफ 11 रन से रोमांचक जीत दर्ज करते हुए खिताबी मुकाबले में जगह बना ली है। अब यह टीम शनिवार को फाइनल में होबार्ट हेरिकेंस से भिड़ेगी। नॉर्थ सिडनी ओवल में खेले गए इस मुकाबले में टॉस गंवाकर बल्लेबाजी के लिए उतरी पर्थ स्कॉर्चर्स की टीम ने 20 ओवरों में 8 विकेट खोकर 183 रन बनाए। इस टीम के लिए केटी मैक और बेथ मूनी ने 7.2 ओवरों में 66 रन की साझेदारी की।

मैक 30 गेंदों में 40 रन बनाकर पवेलियन लौटीं। यहां से बेथ मूनी ने मोर्चा संभाला। उन्होंने महज 44 गेंदों में 11 चौकों और 1 छक्के के साथ 76 रन की पारी खेलते हुए टीम को विशाल स्कोर तक पहुंचाने में अहम योगदान दिया। इनके अलावा, पेज स्कोफील्ड ने 14 रन, जबकि अलाना किंग ने 11 रन टीम के खाते में जोड़े। विपक्षी टीम की ओर से कप्तान एश्ले गार्डनर ने सर्वाधिक 3 विकेट हासिल किए, जबकि मैतलान ब्राउन और अमेलिया केर ने 2-2 विकेट निकाले। लॉरेन चीटल ने एक विकेट हासिल किया। इसके जवाब में सिडनी सिक्सर्स की टीम 20 ओवरों के खेल तक 6 विकेट खोकर सिर्फ 172 रन ही बना सकी। इस टीम को सलामी जोड़ी ने शानदार शुरुआत दिलाई। सोफी डंकले ने एलिस पेरी के साथ 7.3 ओवरों में 58 रन की साझेदारी की। एलिस 22 गेंदों में 29 रन बनाकर आउट हुईं, जबकि सोफी ने 30 गेंदों

में 41 रन टीम के खाते में जोड़े। टीम 74 के स्कोर तक तीन विकेट गंवा चुकी थी। यहां से अमेलिया केर ने कप्तान एश्ले गार्डनर के साथ चौथे विकेट के लिए 35 गेंदों में 53 रन जुटाते हुए टीम को 127 के स्कोर तक पहुंचा दिया था, लेकिन इसी बीच गार्डनर (26) ने अपना विकेट गंवा दिया। अमेलिया ने 29 गेंदों में 6 चौकों के साथ 42 रन की पारी खेली, लेकिन टीम को जीत नहीं दिला सकीं। विपक्षी टीम की तरफ से अलाना किंग ने 17 रन देकर 3 विकेट हासिल किए, जबकि क्लोई आइन्सवर्थ, रूबी स्ट्रैंज और लिल्ली मिल्स ने 1-1 विकेट अपने नाम किया।

टीम की हार के बाद स्टेडियम में लगाई आग, नाबालिग फैंस ने कर दिया अग्निकांड

नई दिल्ली, एजेंसी। फुटबॉल के सिर्फ खिलाड़ी ही नहीं बल्कि फैंस भी काफी जोशीले होते हैं. लेकिन फिनलैंड में कुछ फुटबॉल फैंस ने एक ऐसी घटना को अंजाम दिया है जिसने हर किसी को हैरान कर दिया है.

देश के मशहूर क्लब एफसी हाका के घरेलू मैदान तेहतान केंट्रा, जिसे अंग्रेजी में फैक्ट्री फील्ड के नाम से जाना जाता है, को 7 दिसंबर 2025 को आग लगा दी गई. यह घटना क्लब के टॉप डिवीजन वेइक्कासलीगा से बाहर होने के तुरंत बाद हुई, जिससे गुस्साए फैंस का यह कदम क्लब को आर्थिक रूप से बुरी तरह प्रभावित कर गया.

स्टेडियम में हुआ भारी नुकसान

स्टेडियम में लगी आग ने भारी तबाही मचाई. 400 फैंस की क्षमता वाला लकड़ी का स्टैंड पूरी तरह जलकर राख हो गया, जहां सिर्फ छत के बीम बच पाए हैं. एडवर्टाइजमेंट बोर्ड और आर्टिफिशियल घास के कुछ हिस्से को भी भारी नुकसान पहुंचा है.

विनेश फोगाट का बड़ा ऐलान :

संन्यास वापस लिया, 2028 ओलंपिक में उतरने का किया ऐलान

चंडीगढ़, एजेंसी। भारतीय महिला पहलवानी की स्टार विनेश फोगाट ने एक बार फिर सभी को चौंका दिया है। कुछ महीनों पहले पहलवानी से दूरी बनाने और राजनीति में कदम रखने वाली विनेश अब दोबारा मैट पर लौटने के लिए तैयार हैं। उन्होंने साफ कहा है कि उनका सफर खत्म नहीं हुआ है–अब उनकी नजर लॉस एंजिल्स में होने वाले 2028 ओलंपिक पर है।

सोशल मीडिया पर भावुक पोस्ट शेयर करते हुए विनेश ने लिखा कि पेरिस ओलंपिक के बाद लोग लगातार पूछ रहे थे–क्या यही उनका आखिरी मुकाबला था? विनेश ने माना कि उन्हें लंबे समय तक इस सवाल का जवाब

नहीं पता था। पेरिस के बाद उन्हें अपने खेल, दबाव, उम्मीदों और यहां तक कि अपने सपनों से भी कुछ समय की दूरी चाहिए थी। इसी दौरान उन्होंने समझा कि वह अब भी खेल से उतना ही प्यार करती हैं और प्रतिस्पर्धा करना चाहती हैं। उन्होंने बताया कि कुछ समय के सन्नाटे ने उन्हें एहसास दिलाया कि उनके भीतर की आग कभी बुझी नहीं थी–बस थकान और शोर में छिप गई थी।

अनुशासन, लड़ाई और मैट पर खड़े होने की चाह अब भी उनके भीतर जिंदा है। विनेश ने आगे लिखा कि वह अब नए जोश के साथ कदम बढ़ा रही हैं। इस बार उनकी यात्रा और भी खास होगी, क्योंकि उनका बेटा भी उनके साथ रहेगा–उनकी सबसे बड़ी प्रेरणा और उनका छोटा सा चीयरलीडर।

राहुल–प्रियंका की तुलना बेकार, दोनों का अंदाज़ अलग- रेणुका चौधरी

नई दिल्ली । कांग्रेस की वरिष्ठ नेता रेणुका चौधरी ने राहुल गांधी और प्रियंका गांधी के बोलने के अंदाज़ को लेकर चल रही चर्चाओं पर स्पष्ट और संतुलित प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी और प्रियंका गांधी दोनों की शैली, व्यक्तित्व और अभिव्यक्ति का तरीका बिल्कुल अलग है, इसलिए उनकी आपस में तुलना करना न तो सही है और न ही ज़रूरी। एनडीटीवी को दिए एक इंटरव्यू में रेणुका चौधरी ने इस अंतर को समझाने के लिए एक सरल उदाहरण दिया। उन्होंने कहा कि दोनों "सेब और संतरे" की तरह हैं, जिनकी तुलना नहीं की जा सकती। रेणुका चौधरी के अनुसार, संसद में राहुल गांधी और प्रियंका गांधी ने अलग-अलग मुद्दों पर अपनी बात रखी और दोनों ने ही पूरे आत्मविश्वास और मजबूती के साथ अपने विचार सामने रखे। उनका कहना था कि दोनों नेताओं का उद्देश्य एक ही है, लेकिन उसे रखने का तरीका अलग-अलग है। यही विविधता किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था और राजनीतिक दल की ताकत होती है। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि भारतीय समाज अक्सर नेताओं से एक तयशुदा या स्टीरियोटाइपिकल प्रतिक्रिया की उम्मीद करता है। लोग चाहते हैं कि नेता एक खास ढांचे में बोलें, एक ही अंदाज़ अपनाएं और वही भाषा इस्तेमाल करें, जो उन्हें पहले से जानी-पहचानी लगे। लेकिन रेणुका चौधरी का मानना है कि ऐसा सोचना सही नहीं है। हर इंसान की अपनी सोच होती है, अपनी अभिव्यक्ति होती है और अपने विचारों को सामने रखने का अपना तरीका होता है। रेणुका ने कहा कि राजनीति में भी यह बात पूरी तरह लागू होती है। कुछ नेता तर्क और आंकड़ों के जरिए अपनी बात रखते हैं, तो कुछ भावनात्मक अपील और उदाहरणों के माध्यम से जनता और सदन तक अपनी बात पहुंचाते हैं। दोनों तरीकों का अपना-अपना महत्व है। राहुल गांधी और प्रियंका गांधी भी इसी तरह अलग-अलग शैलियों में अपनी बात कहते हैं, लेकिन दोनों का मकसद जनता के मुद्दों को उठाना और सरकार से जवाब मांगना होता है। जब रेणुका चौधरी से यह सवाल किया गया कि राहुल गांधी और प्रियंका गांधी में से बेहतर वक्ता कौन है, तो उन्होंने किसी एक का नाम लेने से साफ इनकार कर दिया। उन्होंने कहा कि यहां बेहतर या खराब होने का सवाल ही नहीं उठता। यह किसी प्रतियोगिता का विषय नहीं है। दोनों ही अपने-अपने अंदाज़ में प्रभावी हैं और अपने-अपने तरीके से अपनी जिम्मेदारी निभा रहे हैं। अंत में रेणुका चौधरी ने कहा कि संसद में दोनों नेताओं ने वही मुद्दे उठाए, जो उस समय जरूरी थे, और उन पर मजबूती से डटे रहे।

भागवत का संदेश:

-भारत के लिए जीने का वक्त, नफरत और विभाजन की भाषा को नहीं मिलेगी जगह

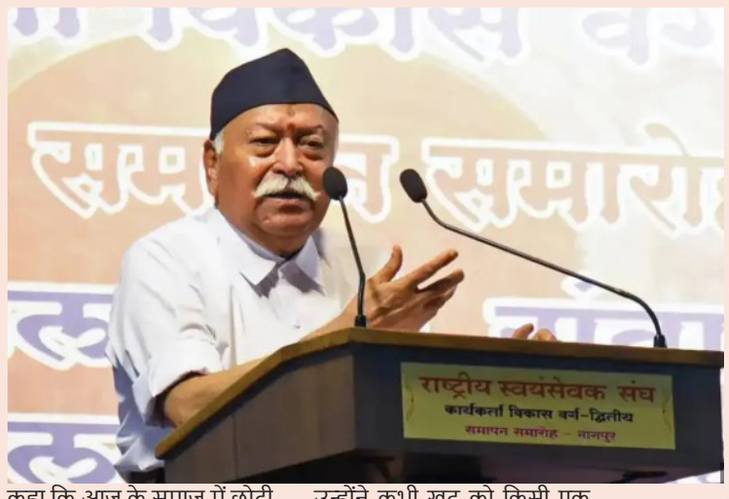

नई दिल्ली । राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (RSS) प्रमुख मोहन भागवत ने शुक्रवार को देशभक्ति, राष्ट्रीय एकता और सामाजिक सौहार्द को लेकर एक स्पष्ट और सशक्त संदेश दिया। उन्होंने कहा कि "यह भारत के लिए जीने का समय है, मरने का नहीं" और हर नागरिक के भीतर देश के प्रति निष्ठा और जिम्मेदारी की भावना होनी चाहिए। भागवत ने दो टूक शब्दों में कहा कि भारत में नफरत और हिंसा को भड़काने वाली भाषा के लिए कोई जगह नहीं है। उन्होंने कहा, "यहां 'तेरे टुकड़े होंगे' जैसी भाषा नहीं चलेगी। हमारे देश में हमारे अपने देश की ही भक्ति होनी चाहिए।" मोहन भागवत यह बातें अंडमान-निकोबार द्वीप समूह में आयोजित एक विशेष समारोह के दौरान कह रहे थे। यह कार्यक्रम महान स्वतंत्रता सेनानी विनायक दामोदर सावरकर द्वारा रचित प्रसिद्ध गीत 'सागर प्राण तलमाला' की 115वीं वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित किया गया था। यह गीत सावरकर ने उस समय लिखा था, जब वे ब्रिटिश शासन द्वारा अंडमान की सेल्युलर जेल में बंद थे। यह गीत आज भी स्वतंत्रता, त्याग और राष्ट्रभक्ति का प्रतीक माना जाता है। अपने संबोधन में भागवत ने कहा कि आज के समाज में छोटी-छोटी बातों पर टकराव बढ़ता जा रहा है। लोग अपनी सोच, पहचान और मतभेदों को लेकर आमने-सामने खड़े हो जाते हैं, जो देश की एकता के लिए ठीक नहीं है। उन्होंने कहा कि अगर भारत को एक महान राष्ट्र बनाना है, तो सावरकर के विचारों और उनके राष्ट्रवादी संदेश को याद करना होगा। सावरकर का जीवन हमें सिखाता है कि व्यक्तिगत मतभेदों से ऊपर उठकर राष्ट्र को सर्वोपरि रखना ही सच्ची देशभक्ति है। RSS प्रमुख ने सावरकर की सोच पर विस्तार से बात करते हुए कहा कि उन्होंने कभी खुद को किसी एक क्षेत्र, जाति या भाषा तक सीमित नहीं किया। "सावरकर जी ने कभी नहीं कहा कि वह महाराष्ट्र से हैं या किसी खास जाति के हैं। उन्होंने हमेशा एक राष्ट्र की सोच सिखाई," भागवत ने कहा। उनके अनुसार, आज भी भारत को उसी समग्र राष्ट्रीय दृष्टि की जरूरत है, जहां हर नागरिक खुद को सबसे पहले भारतीय माने। भागवत ने इस बात पर भी जोर दिया कि देश को आगे बढ़ाने के लिए आपसी टकराव, नफरत और विभाजन की राजनीति से ऊपर उठना जरूरी है। उन्होंने कहा कि हमें यह स्वीकार करना होगा कि "हम सब भारत हैं" और हमारी विविधता ही हमारी सबसे बड़ी ताकत है। भाषा, जाति, धर्म या क्षेत्र के आधार पर बंटना देश को कमजोर करता है, जबकि एकता भारत को मजबूत बनाती है। इस अवसर पर अंडमान-निकोबार द्वीप समूह के बेओदनाबाद में विनायक दामोदर सावरकर की एक भव्य प्रतिमा का अनावरण भी किया गया। यह प्रतिमा सावरकर के बलिदान, साहस और राष्ट्रप्रेम की याद दिलाती है। समारोह में कई प्रमुख हस्तियां मौजूद रहीं, जिनमें केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, केंद्रीय मंत्री आशीष शेलार, पद्मश्री हृदयनाथ मंगेशकर, अभिनेता रणदीप हुड्डा, वरिष्ठ अभिनेता शरद पोंक्षे और इतिहासकार डॉ. विक्रम संपत शामिल थे। सभी ने सावरकर के योगदान को याद करते हुए उन्हें सच्चा राष्ट्रनायक बताया। कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने इस बात पर भी प्रकाश डाला कि सावरकर केवल एक क्रांतिकारी ही नहीं, बल्कि एक विचारक, कवि और समाज सुधारक भी थे। उनके विचार आज भी युवाओं को देश के लिए कुछ करने की प्रेरणा देते हैं। 'सागर प्राण तलमाला' जैसे गीत केवल साहित्य नहीं, बल्कि स्वतंत्रता संग्राम की जीवित स्मृति हैं। मोहन भागवत का अंडमान दौरा यहीं समाप्त नहीं होता। वह शनिवार को श्री विजया पुरम स्थित नेताजी स्टेडियम में आयोजित विराट हिंदू सम्मेलन के तहत एक विशाल जनसभा को संबोधित करेंगे। यह सभा दोपहर करीब 3:30 बजे होगी, जिसमें बड़ी संख्या में लोग शामिल होने की संभावना है। माना जा रहा है कि इस जनसभा में भी भागवत राष्ट्रीय एकता, सांस्कृतिक चेतना और सामाजिक समरसता जैसे मुद्दों पर अपना विचार रखेंगे। कुल मिलाकर, मोहन भागवत का यह संदेश साफ है कि आज भारत को नकारात्मकता, हिंसा और विभाजन से नहीं, बल्कि सकारात्मक सोच, राष्ट्रप्रेम और आपसी भाईचारे से आगे बढ़ने की जरूरत है। सावरकर के विचारों को याद करते हुए उन्होंने यह स्पष्ट किया कि मजबूत भारत की नींव केवल एकता और देशभक्ति पर ही रखी जा सकती है।

इंडिगो की मोनोपोली पर शिकंजा: CCI जांच, किराया मनमानी और एविएशन संकट

नई दिल्ली । भारत के एविएशन सेक्टर में सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो की कथित मोनोपोली अब जांच के घेरे में आ गई है। देश में निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा पर नजर रखने वाली संस्था कॉम्पिटिशन कमीशन ऑफ इंडिया (CCI) यह पड़ताल कर रही है कि क्या इंडिगो ने अपने एकतरफा दबदबे का गलत इस्तेमाल कर प्रतिस्पर्धा के नियमों का उल्लंघन किया है। फिलहाल इंडिगो की घरेलू बाजार में करीब 65% हिस्सेदारी है और वह रोजाना लगभग 2,200 उड़ानों का संचालन करती है। इतनी बड़ी मौजूदगी अपने आप में सवाल खड़े करती है कि क्या बाजार में स्वस्थ प्रतिस्पर्धा के लिए पर्याप्त जगह बची है या नहीं। कॉम्पिटिशन एक्ट की धारा 4 के तहत किसी भी कंपनी को अपनी प्रभुत्वशाली स्थिति का दुरुपयोग करने की इजाजत नहीं है। इस कानून के मुताबिक कोई कंपनी मनमाने तरीके से किराया नहीं बढ़ा सकती, सेवाओं की उपलब्धता को दबाव के औजार की तरह इस्तेमाल नहीं कर सकती और ग्राहकों को मजबूरी में महंगी सेवाएं लेने के लिए बाध्य नहीं कर सकती। आरोप है कि इंडिगो ने कुछ खास रूट्स पर अपने दबदबे का फायदा उठाते हुए टिकटों के दाम बढ़ाए और विकल्प सीमित कर दिए। CCI की जांच का फोकस कई बिंदुओं पर है। इनमें प्रमुख हैं—किन रूट्स पर इंडिगो का एकाधिकार जैसा हाल है, वहां किराया तय करने का पैटर्न क्या रहा है, और क्या प्रतिस्पर्धी एयरलाइंस को बाजार में टिकने से रोकने वाली रणनीतियां अपनाई गईं। यदि यह साबित होता है कि किराया बढ़ाने या सेवाओं को नियंत्रित करने में प्रभुत्व का दुरुपयोग हुआ है, तो आयोग औपचारिक जांच का आदेश दे सकता है, जो आगे चलकर जुर्माने और सख्त निर्देशों में बदल सकती है। इसी बीच इंडिगो को ऑपरेशनल स्तर पर भी गंभीर संकट का सामना करना पड़ा। डायरेक्टोरेट जनरल ऑफ सिविल एविएशन (DGCA) की ओर से एविएशन नियमों में किए गए बदलावों के बाद दिसंबर के पहले हफ्ते में एयरलाइन में क्रू मेंबर्स की भारी कमी सामने आई। इसका सीधा असर उड़ानों पर पड़ा और 1 से 10 दिसंबर के बीच 5,000 से ज्यादा फ्लाइट्स रद्द करनी पड़ीं। यात्रियों को भारी परेशानी झेलनी पड़ी और एयरलाइन की कार्यप्रणाली पर सवाल और गहरे हो गए। इस संकट के बाद इंडिगो ने आंतरिक जांच को पूरी तरह अंतरराष्ट्रीय एक्सपर्ट के हवाले करने का फैसला किया। कंपनी के सीईओ पीटर एल्बर्स DGCA की समिति के सामने पेश हुए और हालात पर सफाई दी। इससे पहले ही इंडिगो ने स्वतंत्र जांच का जिम्मा विश्व प्रसिद्ध एविएशन एक्सपर्ट कैप्टन जॉन इल्सन को सौंप दिया था। इल्सन चार दशकों तक वैश्विक एविएशन संस्थानों का नेतृत्व कर चुके हैं और संकट प्रबंधन में उनकी खासी पहचान है। उनकी नियुक्ति इंडिगो बोर्ड के क्राइसिस मैनेजमेंट ग्रुप की सिफारिश पर की गई है। यह कदम साफ संकेत देता है कि एयरलाइन अपने ऑपरेशनल मॉडल, मैनेजमेंट सिस्टम और सेफ्टी प्रोटोकॉल की गहराई से समीक्षा करवाने के दबाव में है।

अमेरिका में ट्रम्प गोल्ड कार्ड वीजा फीस के खिलाफ 20 राज्यों का मुकदमा

वॉशिंगटन डीसी (एजेंसी)। अमेरिका में ट्रम्प प्रशासन द्वारा लागू किए गए "गोल्ड कार्ड वीजा" की नई फीस के खिलाफ 20 अमेरिकी राज्यों ने मुकदमा दायर किया है। इस वीजा के आवेदनों पर अब लगभग 1 मिलियन डॉलर यानी करीब 9 करोड़ रुपए की फीस लगाई गई है। कैलिफोर्निया के नेतृत्व में यह मुकदमा दाखिल किया गया है और इसमें न्यूयॉर्क, इलिनॉय, वॉशिंगटन, मैसाचुसेट्स समेत कुल 20 बड़े राज्य शामिल हैं। इन राज्यों का कहना है कि यह फीस पूरी तरह गैर-कानूनी है और इससे अमेरिका में पहले से ही गंभीर रूप से महसूस की जा रही डॉक्टरों, शिक्षकों और अन्य उच्च कुशल पेशेवरों की कमी और बढ़ जाएगी। मुकदमे में यह भी तर्क दिया गया है कि उच्च कुशल पेशेवरों की उपलब्धता अमेरिका के लिए आवश्यक है, क्योंकि ये लोग अस्पतालों, स्कूलों, यूनिवर्सिटी और सरकारी संस्थानों में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। कैलिफोर्निया के अटॉर्नी जनरल रॉब बोंटा ने कहा, "ये वीजा उन पेशेवरों के लिए होता है जो डॉक्टर, नर्स, इंजीनियर, वैज्ञानिक और शिक्षक जैसे क्षेत्रों में काम करते हैं। दुनियाभर का टैलेंट जब अमेरिका आता है तो पूरा देश आगे बढ़ता है। इस तरह की अत्यधिक फीस लगाकर अमेरिका अपनी ही आर्थिक और सामाजिक प्रगति को नुकसान पहुंचा रहा है।" अमेरिकी प्रशासन का कहना है कि यह कदम वीजा प्रक्रिया को अधिक नियंत्रित करने और खर्चों को कवर करने के लिए उठाया गया है। लेकिन विरोध करने वाले राज्यों का तर्क है कि इतनी भारी फीस के कारण अमेरिका को वैश्विक स्तर पर शीर्ष प्रतिभाओं को आकर्षित करने में कठिनाई होगी। इससे स्वास्थ्य, शिक्षा और तकनीकी क्षेत्र में कर्मचारी संकट और बढ़ जाएगा। विशेषज्ञों का कहना है कि अमेरिका लंबे समय से वैश्विक स्तर पर उच्च कुशल पेशेवरों को आकर्षित करने में अग्रणी रहा है। इन पेशेवरों का योगदान देश की नवाचार क्षमता, शिक्षा स्तर और स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करता है।

मनरेगा का नया नाम 'पूज्य बापू ग्रामीण रोजगार योजना'

-काम के दिन बढ़कर 125: कैबिनेट से मंजूरी

नई दिल्ली । केंद्र सरकार की एक अहम सामाजिक सुरक्षा योजना महात्मा गांधी नेशनल रूरल एम्प्लॉयमेंट गारंटी एक्ट (मनरेगा) को लेकर बड़ा फैसला सामने आया है। शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय कैबिनेट की बैठक में इस कानून का नाम बदलने और काम के दिनों की संख्या बढ़ाने वाले बिल को मंजूरी दे दी गई। अब मनरेगा का नया नाम "पूज्य बापू ग्रामीण रोजगार योजना" होगा और इसके तहत मिलने वाले काम के दिनों की संख्या 100 से बढ़ाकर 125 दिन कर दी जाएगी। सूत्रों के हवाले से न्यूज एजेंसी PTI ने बताया कि सरकार का मानना है कि ग्रामीण इलाकों में बढ़ती बेरोजगारी और महंगाई को देखते हुए रोजगार के अवसर बढ़ाना जरूरी है। काम के दिनों में 25 दिन की बढ़ोतरी से लाखों ग्रामीण परिवारों को अतिरिक्त आमदनी मिलेगी और उनकी आर्थिक हालत कुछ हद तक मजबूत होगी। मनरेगा, जिसे आमतौर पर MGNREGA या नरेगा कहा जाता है, देश की सबसे बड़ी रोजगार गारंटी योजना मानी जाती है। इस योजना का मकसद ग्रामीण परिवारों को रोजी-रोटी की सुरक्षा देना है। इसके तहत हर उस परिवार को एक वित्तीय वर्ष में कम से कम 100 दिनों का गारंटी वाला मजदूरी का काम दिया जाता है, जिसके वयस्क सदस्य बिना किसी विशेष हुनर के शारीरिक काम करने को तैयार होते हैं। यह कानून साल 2005 में लागू किया गया था और तब से यह ग्रामीण भारत के लिए एक मजबूत सहारा बना हुआ है। सरकार के मुताबिक नाम बदलने का उद्देश्य महात्मा गांधी, जिन्हें देश "बापू" के नाम से जानता है, के आदर्शों को और सम्मान देना है। नए नाम के जरिए सरकार यह संदेश देना चाहती है कि यह योजना बापू के ग्राम स्वराज और आत्मनिर्भर गांवों के सपने से जुड़ी हुई है। हालांकि, इस फैसले पर सियासी बहस भी शुरू हो गई है। कांग्रेस पार्टी ने सरकार के इस कदम की आलोचना की है। कांग्रेस नेता सुप्रिया श्रीनेत ने मनरेगा का नाम बदले जाने को लेकर एक वीडियो जारी किया, जिसमें उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी सरकार पहले मनरेगा को कांग्रेस की विफलताओं का प्रतीक बताती थी, लेकिन आज वही योजना ग्रामीण भारत के लिए "संजीवनी" साबित हो रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि मोदी सरकार अब तक करीब 32 योजनाओं के नाम बदल चुकी है, लेकिन जमीनी हकीकत बदलने पर उतना ध्यान नहीं दिया गया। कांग्रेस का कहना है कि नाम बदलने से ज्यादा जरूरी है मजदूरी दर बढ़ाना, समय पर भुगतान सुनिश्चित करना और योजना के लिए पर्याप्त बजट उपलब्ध कराना।

अमेरिका के तीन सांसदों ने भारत पर 50% टैरिफ हटाने का प्रस्ताव पेश किया

वॉशिंगटन डीसी (एजेंसी)। अमेरिकी सांसदों ने भारत पर डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा लगाए गए भारी-भरकम टैरिफ को चुनौती दी है। नॉर्थ कैरोलिना की डेबोरा रॉस, मार्क वीजी और भारतीय मूल सांसद राजा कृष्णमूर्ति ने अमेरिकी संसद में एक प्रस्ताव पेश किया है, जिसका मकसद भारत से आने वाले सामान पर लगाए गए 50% टैरिफ को हटाना है। सांसदों का कहना है कि ये टैरिफ गैर-कानूनी हैं और इसका सबसे अधिक नुकसान आम अमेरिकी नागरिकों को हो रहा है। डेबोरा रॉस ने अपने राज्य में भारत से आने वाले निवेश और उससे जुड़े रोजगारों का जिक्र करते हुए कहा कि इन टैरिफों से अमेरिकी-भारतीय आर्थिक रिश्तों को नुकसान पहुँच रहा है। उन्होंने बताया कि हजारों नौकरियां सीधे भारतीय कंपनियों से जुड़ी हैं और टैरिफ से इन पर असर पड़ रहा है। मार्क वीजी ने इसे "आम अमेरिकियों पर अतिरिक्त टैक्स" बताया और कहा कि महंगी होती वस्तुएं सीधे उपभोक्ताओं की जेब पर बोझ डाल रही हैं। भारतीय मूल सांसद राजा कृष्णमूर्ति ने कहा कि ये टैरिफ अमेरिकी सप्लाई चेन को नुकसान पहुँचा रहे हैं, मजदूरों के हितों के खिलाफ हैं और उपभोक्ताओं के लिए वस्तुओं की कीमतें बढ़ा रहे हैं। उनका मानना है कि भारत के साथ रिश्ते मजबूत करने चाहिए, बिगाड़ने नहीं। सांसदों ने यह भी कहा कि यह प्रस्ताव सिर्फ भारत पर लगाए गए टैरिफ तक सीमित नहीं है। उनका आरोप है कि राष्ट्रपति ट्रम्प लगातार अधिकारों का इस्तेमाल करके एकतरफा टैरिफ लगा रहे हैं, जबकि अमेरिकी संसद के पास ही व्यापार नियम बनाने का असली अधिकार है।

रूसी मीडिया ने पाकिस्तानी पीएम से जुड़ा वीडियो सोशल मीडिया से हटाया

मॉस्को (एजेंसी)। तुर्कमेनिस्तान में आयोजित इंटरनेशनल पीस एंड ट्रस्ट फोरम के दौरान एक अजीब घटना सामने आई, जिसमें पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की बैठक चर्चा में रही। घटना का वीडियो रूसी मीडिया हाउस रशिया टुडे (RT न्यूज) ने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया था, लेकिन कुछ घंटे बाद ही इसे हटा दिया गया। जानकारी के अनुसार, शहबाज शरीफ को पुतिन से मिलने के लिए 40 मिनट तक इंतजार करना पड़ा। इंतजार के बावजूद पुतिन बैठक में शहबाज से नहीं मिले। इस पर पाकिस्तानी प्रधानमंत्री बैठक हॉल में जबरन प्रवेश कर गए। वायरल वीडियो में देखा गया कि शहबाज करीब 10 मिनट के लिए हॉल में मौजूद रहे और फिर बाहर चले गए। कुछ देर बाद पुतिन भी हॉल से बाहर आए और पत्रकारों को देखकर आंखों से इशारा किया। रशिया टुडे ने 12 दिसंबर को शाम 6 बजे यह वीडियो पोस्ट किया था, लेकिन रात 1 बजे इसे डिलीट कर दिया गया। मीडिया हाउस ने वीडियो हटाने की वजह यह बताई कि इसका गलत इस्तेमाल हो सकता है। वीडियो के हटने के बाद सोशल मीडिया पर इसे लेकर चर्चाओं का दौर शुरू हो गया। विश्लेषकों का कहना है कि यह घटना दोनों देशों के बीच कूटनीतिक असहजता को दर्शाती है। वहीं, कुछ विशेषज्ञ इसे मीडिया सेंसरशिप का उदाहरण भी मान रहे हैं। इस घटना ने सोशल मीडिया पर पाकिस्तान और रूस की कूटनीतिक घटनाओं पर ध्यान खींचा।

कुल मिलाकर, शहबाज शरीफ का जबरन मीटिंग हॉल में प्रवेश और RT न्यूज द्वारा वीडियो डिलीट करना एक विवादित कड़ी बन गई है। यह घटना न केवल पाकिस्तानी प्रधानमंत्री की बेचैनी दिखाती है।

बंगाल SIR:

-वोटर लिस्ट से 58 लाख से ज्यादा नाम कटे, सियासत में मचा घमासान

कोलकाता । पश्चिम बंगाल में स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (SIR) के पहले चरण के बाद चुनाव आयोग (EC) द्वारा जारी किए गए आंकड़ों ने राज्य की राजनीति में हलचल मचा दी है। आयोग के मुताबिक, इस प्रक्रिया के तहत राज्यभर में 58 लाख से ज्यादा वोटरों के नाम मतदाता सूची से हटा दिए गए हैं। यह आंकड़ा न सिर्फ प्रशासनिक दृष्टि से अहम है, बल्कि आने वाले चुनावों के लिहाज से भी इसे बेहद संवेदनशील माना जा रहा है। सबसे ज्यादा चर्चा मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की भवानीपुर विधानसभा सीट की हो रही है। यहां से कुल 44,787 वोटरों के नाम वोटर लिस्ट से हटाए गए हैं। जनवरी 2025 की मतदाता सूची में भवानीपुर में 1,61,509 वोटर दर्ज थे। इतने बड़े पैमाने पर नाम हटने को लेकर तृणमूल कांग्रेस (TMC) और विपक्षी दलों के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरू हो गया है। वहीं, नेता प्रतिपक्ष और भाजपा के वरिष्ठ नेता सुवेंदु अधिकारी की नंदीग्राम सीट से 10,599 नाम हटाए गए हैं। SIR से पहले नंदीग्राम में कुल 2,78,212 मतदाता थे। दिलचस्प बात यह है कि भाजपा और तृणमूल—दोनों ही दलों के बड़े नेताओं के निर्वाचन क्षेत्रों में भारी संख्या में नाम कटे हैं, जिससे यह मुद्दा केवल किसी एक पार्टी तक सीमित नहीं रह गया है।

जिलावार आंकड़ों में साउथ 24 परगना सबसे आगे-

अगर जिलावार आंकड़ों पर नजर डालें तो साउथ 24 परगना जिला सबसे ऊपर है। यहां से 8 लाख 16 हजार से ज्यादा वोटरों के नाम हटाए गए हैं। यह जिला तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव और सांसद अभिषेक बनर्जी का गढ़ माना जाता है। अभिषेक बनर्जी ने डायमंड हार्बर लोकसभा सीट से पिछले चुनाव में सात लाख से ज्यादा वोटों के भारी अंतर से जीत दर्ज की थी। ऐसे में इस जिले में बड़े पैमाने पर नाम हटने को राजनीतिक नजरिए से काफी अहम माना जा रहा है।

कोलकाता के इलाकों में भी बड़े पैमाने पर कटौती-

चुनाव आयोग के मुताबिक, राज्य की 294 विधानसभा सीटों में से सबसे ज्यादा नाम कोलकाता के कुछ प्रमुख इलाकों में हटाए गए हैं। चौरंगी विधानसभा क्षेत्र में 74,553 नाम कटे हैं, जहां से तृणमूल कांग्रेस की विधायक नयना बंद्योपाध्याय हैं। इसी तरह, कोलकाता पोर्ट विधानसभा क्षेत्र से 63,730 नाम हटाए गए हैं। इस सीट का प्रतिनिधित्व राज्य के वरिष्ठ मंत्री फिरहाद हकीम करते हैं। मंत्री अरूप बिस्वास के टॉलीगंज विधानसभा क्षेत्र में भी 35,309 वोटरों के नाम हटाए गए हैं। इसके उलट, सबसे कम नाम बांकुरा जिले के कोतुलपुर विधानसभा क्षेत्र से हटाए गए, जहां यह संख्या केवल 5,678 रही।

भाजपा विधायकों के क्षेत्रों में भी असर-

यह कहना गलत होगा कि SIR की मार सिर्फ तृणमूल के गढ़ों तक सीमित रही। भाजपा के प्रमुख विधायकों के इलाकों में भी बड़ी संख्या में नाम हटाए गए हैं। आसनसोल साउथ, जहां से भाजपा की अग्निमित्रा पॉल विधायक हैं, वहां 39,202 नाम काटे गए। इसी तरह, सिलीगुड़ी विधानसभा क्षेत्र—जिसका प्रतिनिधित्व भाजपा विधायक शंकर घोष करते हैं—वहां से 31,181 नाम हटाए गए हैं।

ममता बनर्जी के फॉर्म भरने पर विवाद-

इस बीच, बंगाल भाजपा के को-इंचार्ज अमित मालवीय ने दावा किया है कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने 11 दिसंबर को, यानी SIR के पहले चरण के आखिरी दिन, अपना SIR फॉर्म भर दिया है।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्त्वाधिकारी मुन्ना खान के लिए श्री राम ऑफसेट, 6, शॉपिंग सेंटर, जोरावर सिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय 4312 मोहल्ला नायकों का, जगन्नाथ शाह का रास्ता, नाहरबाड़ा, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। संपादक मुन्ना खान मों. 08058969180 कार्यालय फोन- 0141-2609886